YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-14 | अंक-64 | शनिवार, 05 अप्रैल 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

सामाजिक सुधार की दिशा में यह ऐतिहासिक एवं सशक्त कदम है तथा इस संशोधन के बाद वक्फ बोर्ड में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगा। इस विधेयक के माध्यम से मुस्लिम भाइयों और बहनों को न्याय मिलेगा।

भूपेन्द्र चौधरी

वक्फ का प्रमुख पहलू धार्मिक नहीं बल्कि संपत्ति-केंद्रित प्रशासन : अल्पसंख्यक 11

चारधाम यात्राः डीएम ने ली तैयारियों की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश 12

राज्यसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 को पारित किया

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली । राज्यसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को आज आधी रात के बाद पारित कर दिया। इस पर सदन में करीब 12 घंटे से अधिक बहस हुई। जहां सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों ने विधेयक को अल्पसंख्यकों के लिए फायदेमंद बताया, वहीं विपक्ष के सदस्यों ने इसे '' मुसलमान-विरोधी'' कहकर इसकी आलोचना की। विपक्ष के सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को अस्वीकृत किए जाने के बाद विधेयक को मंजूरी दी गई। विधेयक के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 मत पड़े। वक्फ (संशोधन) विधेयक की प्रमुख धाराओं में वक्फ ट्रिब्यूनलों को मजबूत करना, एक संरचित चयन प्रक्रिया को लागू करना और विवाद निपटान की दक्षता को बढ़ाने के लिए एक निश्चित कार्यकाल स्थापित करना शामिल है। लोकसभा इसे एक दिन पहले ही पारित कर चुकी है। किरेन रिजिजू ने सदन में चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि जब यह बिल शुरुआत में जो ड्राफ्ट हुआ था और आज जो बिल हम पास कर रहे हैं, दोनों की तुलना करने पर आप पाएंगे इसमें चर्चा करके कितने सुधार किए गए हैं। इस सदन के कई सदस्य भी जेपीसी में सदस्य रहे हैं। उन्हीं सदस्यों के सुझाव पर कलेक्टर के मामले में तथा कई अन्य सुधार किए गए हैं। सदन के कई सदस्य जो स्वयं जेपीसी में बैठते हैं और आरोप लगाते हैं कि जेपीसी में उनकी बात नहीं सुनी गई। जितना आप चाहते हैं, उतना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अगर जेपीसी में बहुमत को मंजूरी मिल गई है, तो हम क्या कर सकते हैं? आज आप लोग एक बात बार-बार दोहरा रहे हैं कि आप मुसलमानों की चिंता क्यों करते हैं और कहते हैं कि भाजपा और हमारे एनडीए के लोगों को भाजपा या मुसलमानों के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने विधेयक को पेश करते समय बिल के सभी खास पक्षों को विस्तार के साथ सदन में रखा था, इसके बावजूद कई सदस्यों ने तरह-तरह के बेवजह के संदेह व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम संविधान के आधार पर बात करते हैं। सभी को समान रूप से देखना है। हम सरकार में हैं तो गरीब मुसलमानों की चिंता हमें करनी पड़ रही है, ● शेष पेज 11 पर

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, वक्फ संशोधन विधेयक बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। पहले यह सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी को मध्यावकाश के लिए स्थगित किया गया और बाद में 10 मार्च को दोनों सदन पुनः समवेत हुए। पहले सत्र के पहले भाग के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कुल 9 बैठकें हुईं और दूसरे भाग के दौरान दोनों सदनों की 17 बैठकें हुईं। इस तरह पूरे बजट सत्र के दौरान कुल 26 बैठकें हुईं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज यहां पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को राष्ट्रपति ने दोनों सदनों की समवेत बैठक को संबोधित किया था। इस मद पर लोकसभा में 12 घंटे के आवंटित समय के मुकाबले 17 घंटे 23 मिनट चर्चा हुई, जिसमें 173 सदस्यों ने भाग लिया। राज्यसभा में 15 घंटे के आवंटित समय के मुकाबले 21 घंटे 46 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें 73 सदस्यों ने भाग लिया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट 01 फरवरी को ● शेष पेज 11 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने वक्फ विधेयक पर कहा- अब 'अधिक' दयालु भारत का निर्माण होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वक्फ संशोधन विधेयक-2025 पर संसद की मुहर लगने पर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि अब हम ऐसे युग में प्रवेश करेंगे जहां ढांचा अधिक आधुनिक और सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशील होगा। हम व्यापक रूप से प्रत्येक नागरिक की गरिमा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब हम अधिक मजबूत, अधिक समावेशी और अधिक दयालु भारत का निर्माण भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ''दशकों से वक्फ व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव था। इससे खासतौर पर मुस्लिम महिलाओं, गरीब मुसलमानों, पसमांदा मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचता था। संसद द्वारा पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ाएंगे और लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करेंगे।'' उन्होंने लिखा, ''संसद के दोनों सदनों द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ ● शेष पेज 11 पर

अलविदा भारत कुमार नहीं रहे मशहूर अभिनेता मनोज कुमार, प्रधानमंत्री ने शोक जताया

एजेंसी

मुंबई। मशहूर फिल्म अभिनेता और दिग्गज निर्देशक मनोज कुमार (87) नहीं रहे। उन्होंने यहां के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आखिरी सांस ली। सारा देश उन्हें उनकी देशभक्ति फिल्मों के लिए जानता है। लोग उन्हें सम्मान से 'भारत कुमार' कहते हैं। हरदिल अजीज अभिनेता के निधन से फिल्म उद्योग ही नहीं सारा देश गहरे सदमे में है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें भर्ती कराया था। वह आज सुबह 3:30 बजे दुनिया को अलविदा कह गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मनोज कुमार के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, '' महान अभिनेता और फिल्मकार श्री मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुःख हुआ। वे भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे, जिन्हें खास तौर पर उनकी देशभक्ति के जोश के लिए याद किया जाता था, जो उनकी फिल्मों में भी झलकता था। मनोज जी के कामों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया और वे पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।''

फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने कहा,'' दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित, हमारे प्रेरणास्रोत और भारतीय फिल्म उद्योग के 'शेर' मनोज कुमार जी अब हमारे बीच नहीं रहे। यह फिल्म उद्योग के लिए बहुत बड़ी क्षति है और पूरी इंडस्ट्री उन्हें याद करेगी।'' मनोज कुमार का असल नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी था। उनका जन्मे 24 जुलाई 1937 को ऐबटाबाद में हुआ। देश के बंटवारे के बाद ऐबटाबाद पाकिस्तान ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग में मध्यप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने शिष्टाचार भेंट की।

बजट सत्रः कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया सदन नहीं चलने देने का आरोप

नई दिल्ली। बजट सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने को लेकर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कुछ हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए भाजपा पर लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को तोड़ने का आरोप लगाया है। पार्टी सांसद एवं राज्यसभा में उपनेता विपक्ष प्रमोद तिवारी ने आज कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में बजट सत्र का दूसरा भाग खत्म हुआ है। आज हम इंजतार कर रहे थे कि लोकसभा में अध्यक्ष और राज्यसभा में चेयरमैन सदन को शुरू करें लेकिन इससे पहले ही ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

गृहमंत्री अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 मंजूर करने के कैबिनेट के फैसले को सराहा

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम हमारे सीमावर्ती गांवों को विकास और प्रगति के मुख्य केन्द्र के रूप में बदलने का एक गेम-चेंजिंग माध्यम रहा है। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए मोदी सरकार ने आज 6,839 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 को मंजूरी दी है। यह प्रोग्राम अंतरराष्ट्रीय भूमि सीमाओं के पास बसे गांवों को स्थायी आजीविका, उच्च जीवन स्तर और अधिक पुख्ता सुरक्षा की पर्याप्त सुविधाओं के साथ व्यापक विकास मॉडल में बदल देगा।

स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली को लेकर रेलवे और डीएमआरसी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली (एडब्लूपीएमएस) की खरीद और स्थापना के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके रोलिंग स्टॉक रखरखाव में स्वचालन और दक्षता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित रेल भवन में इस समझौते को औपचारिक रूप दिया गया। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एडब्लूपीएमएस एक उन्नत प्रणाली है जो ट्रेन के पहियों की प्रोफाइल को स्वचालित, गैर-संपर्क माप की अनुमति देती है, जिससे पहियों की ज्यामिति और घिसाव का वास्तविक समय पर आकलन सुनिश्चित होता है। लेजर स्कैनर और हाई-स्पीड कैमरों का उपयोग करते हुए यह प्रणाली बिना किसी मैनुअल हस्तक्षेप के सटीक और तेज माप प्रदान करती है। विचलन के मामले में स्वचालित अलर्ट समय पर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे, जिससे सुरक्षा और परिचालन दक्षता दोनों में वृद्धि होगी।

सेना के लिए विकसित एमआरएसएएम ने हवाई लक्ष्यों को रोककर सीधे हिट किया

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से ?सेना के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) के चार सफल उड़ान परीक्षण किए? गए हैं।? रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 03 और 04 अप्रैल को ?चारों परीक्षण उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध किए। मिसाइलों ने हवाई लक्ष्यों को रोक?कर उन्हें सीधे हिट करते हुए नष्ट कर दिया। डीआरडीओ? के मुताबिक भारतीय सेना ?के पूर्वी और दक्षिणी कमांड से? लंबी दूरी, छोटी दूरी और उच्च एवं निम्न ऊंचाई पर चार लक्ष्यों को रोकने के लिए चार परीक्षण किए गए, जिससे परिचालन क्षमता साबित हुई। इन परीक्षणों ने दोनों सेना कमांड की परिचालन क्षमता को साबित ?करके दो रेजिमेंटों में हथियार प्रणालियों के संचालन का मार्ग प्रशस्त किया है।? एमआरएसएएम सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है?, जिसे डीआरडीओ और इजरा?इल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई)? ने भारतीय सेना? के लिए विकसित किया? है।? इस हथियार प्रणाली में मल्टी-फंक्शन रडार, कमांड पोस्ट, मोबाइल लॉन्चर सिस्टम और अन्य वाहन शामिल हैं। डीआरडीओ और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किए गए परीक्षण के दौरान हथियार प्रणाली के प्रदर्शन की पुष्टि के लिए आईटीआर, चांदीपुर में राडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम? तैनात किये गए थे, जिनसे उड़ान डेटा कैप्चर ?किया गया। सेना ने अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए ● शेष पेज 11 पर

चारों परीक्षणों से दो रेजिमेंटों में हथियार प्रणालियों के संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ

राष्ट्रपति मुर्मु 7-10 अप्रैल तक पुर्तगाल और स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 7-10 अप्रैल तक पुर्तगाल और स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। इस दौरान राष्ट्रपति समकक्षों के साथ वार्ता करेंगी और भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने सुषमा स्वराज भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की पुर्तगाल और स्लोवाकिया की आगामी यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की पुर्तगाल और स्लोवाकिया की दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक राजकीय यात्राएं होने वाली हैं। राष्ट्रपति की पुर्तगाल यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हम दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे कर रहे हैं। किसी भारतीय राष्ट्रपति की पुर्तगाल की पिछली यात्रा को 27 वर्ष हो चुके हैं। यह एक बहुत ही प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक यात्रा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर पुर्तगाल का दौरा करेंगी। डी सूसा ने 2020 में भारत का दौरा किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने 2017 में पुर्तगाल का दौरा किया ● शेष पेज 11 पर

देश में एक विश्व स्तरीय उड़ान प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की तत्काल आवश्यकता: डॉ. जितेन्द्र सिंह

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत में तेजी से बढ़ते भारतीय वायु परिवहन क्षेत्र की मांग को पूरा करने के लिए एक बड़े और विश्व स्तरीय उड़ान प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की आवश्यकता है। इस दिशा में वैज्ञानिक तथा एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद(सीएसआईआर)के स्वदेशी हंसा-3 (एनजी) विमान की उपलब्धता भारत के वायु परिवहन उद्योग को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत इस दशक के अंत तक एक प्रमुख वायु परिवहन केंद्र के रूप में विकसित होगा।

डॉ जितेन्द्र सिंह शुक्रवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित एक समारोह में सीएसआईआर द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित हंसा-3(एनजी) प्रशिक्षण विमान की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की औपचारिकता पूरा करने के अवसर पर

बोल रहे थे। उन्होंने स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए बड़े अवसर का संकेत देते हुए कहा कि वायु परिवहन प्रौद्योगिकियों के स्वदेशीकरण के माध्यम से इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोजगार सृजन क्षमता है। उन्होंने ह्लआत्मनिर्भर भारतङ्क पहल के तहत स्वदेशी छोटे विमानों के निर्माण पर जोर दिया, जो अवसंरचना के विकास और भारत में विमानों के निर्माण में छोटे और मध्यम आकार के निजी उद्यमियों को बढ़ावा देगा। डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्वदेशी हंसा के सफल प्रदर्शन और व्यावसायीकरण के लिए सीएसआईआर के वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करके अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भी सफलता हासिल की जाएगी। भारत को अगले 15-20 वर्षों में 30,000 पायलटों की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान 6,000-7,000 पायलटों से अधिक है। भारत का वाणिज्यिक विमानन बेड़ा 800 से अधिक है। सामान्यतः प्रत्येक विमान के लिए संकीर्ण शरीर वाले विमानों के लिए 15-20 पायलट और लंबी दूरी के चौड़े शरीर वाले जेट के लिए 25-30 पायलटों की आवश्यकता होती है। इसलिए, देश में एक विश्व स्तरीय उड़ान प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की तत्काल आवश्यकता है। इस मौके पर सीएसआईआर ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी ने 6500 करोड़ की एलडीए की आवासीय योजना का किया शुभारम्भ

डेढ़ लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराने की योजना : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की अभी तक की सबसे बड़ी अनंत नगर आवास योजना में भूखण्डों के लिए पंजीकरण का शुभारम्भ किया। छह हजार पांच सौ करोड़ की लागत से 785 एकड़ में प्रस्तावित एलडीए की अनंत नगर योजना के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज के दौर में ऊंची इमारतों के निर्माण में पांच से दस वर्ष लगते थे लेकिन उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कुछ ही महीनों में निर्माण कार्य पूरा किया जा सकता है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि इस परियोजना में आधुनिक प्रौद्योगिकी को भी शामिल किया जाए। ताकि हरित और आध्यात्मिक माहौल के साथ किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध हों।

मुख्यमंत्री योगी अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को बेहतर आवास विकल्प और जीवन जीने की सुगमता में सुधार हो। इस दिशा में बीते दस वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को श्रेय जाता है। आवास क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी लाना और समय से पहले परियोजनाएं पूरी करना समय की मांग है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। लगभग सात हजार करोड़ रुपये के निवेश से विकसित 785 एकड़ की ● शेष पेज 11 पर

योजना

- एलडीए की सबसे बड़ी अनंत नगर योजना छह हजार पांच सौ करोड़ की लागत से 785 एकड़ में है प्रस्तावित

मुफ्त राशन के साथ अब पोषण की भी गारंटी दे रही योगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों को न सिर्फ निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है, बल्कि उनकी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। बीते आठ वर्ष से योगी सरकार ने प्रदेश भर के गरीबों के राशन वितरण की प्रक्रिया को समय-समय पर न सिर्फ सरल बनाया है बल्कि राशन की गुणवत्ता को भी सुधारा है। आज पूरे प्रदेश में गरीबों के उचित दर दुकानों के माध्यम से गरीबों को फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है। इससे लोगों को जरूरी पोषक तत्व प्राप्त हो रहा है। कुपोषण जैसी समस्याओं से भी बचा रहा है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि आमतौर पर मिलिंग और प्रोसेसिंग प्रक्रिया चावल की वसा और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर चोकर की परत को हटा देती है, वहीं फोर्टिफाइड राइस में ये सभी गुण संवर्धित रहते हैं। इसमें विटामिन बी-1, विटामिन बी-6, विटामिन ई, नियासिन, आयरन, जिंक, फॉलिक एसिड, विटामिन बी-12 और विटामिन ए जैसे तत्वों को संरक्षित कर ब्लेंडिंग प्रक्रिया के जरिए सूक्ष्म पोषक तत्वों को संवर्धित किया ● शेष पेज 11 पर

बंदरगाहों की क्षमता 2047 तक चार गुनी बढ़ाकर 10,000 एमटीपीए करने का लक्ष्य

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार ने देश की बंदरगाह क्षमता को मौजूदा 2,600 एमटीपीए (मीट्रिक टन प्रति वर्ष) से बढ़ाकर 2047 तक 10,000 एमटीपीए करने का लक्ष्य रखा है। सरकार की इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य भारत को एक अग्रणी समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित करना है। यह जानकारी केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में दी। इसमें बताया गया कि गहरे जल वाले बंदरगाहों के साथ नए बंदरगाहों का विकास करना, मौजूदा बंदरगाहों की गहराई को बढ़ाना, बंदरगाह क्लस्टर और ट्रांसशिपमेंट हब स्थापित करना, स्वचालित बंदरगाहों का विकास करना, निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाना और नीति समर्थन को बढ़ाना इस रणनीति की कुंजी है। केंद्र सरकार ने भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कई विधायी सुधार पेश किए हैं। इनमें प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम, 2021, नौवहन के लिए समुद्री सहायता अधिनियम, 2021, अंतर्देशीय पोत अधिनियम, 2021, तटीय व्यापार नियमों (कैबोटेज) में ढील, 2018, जहाजों का पुनर्चक्रण अधिनियम, 2019, राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016, बंदरगाह पर निर्भर उद्योगों को जलक्षेत्र और संबद्ध भूमि देने की नीति (कैप्टिव नीति), 2016 और प्रमुख बंदरगाहों पर संकटग्रस्त सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं से निपटने के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं। त्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) शुरू किया है। इसका उद्देश्य पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ टगबोट संचालन को अपनाने को प्रोत्साहित कर कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने प्रमुख बंदरगाहों के लिए हरित सागर दिशा-निर्देश और अंतर्देशीय जहाजों के लिए हरित नौका दिशा-निर्देश शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देना है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय वैश्विक समुद्री ● शेष पेज 11 पर

सेवा की बदौलत नीट एंड क्लिन कुशीनगर का सपना हो रहा साकार: राकेश कुमार जायसवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) के तीन वर्ष पूरे होने पर समारोह आयोजित

कुशीनगर।डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) के सफल संचालन की अवधि तीन वर्ष पूरे होने पर नगरपालिका परिषद कुशीनगर के सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने वाले लोगों को अंग वस्त्र और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में नगर को स्वच्छ रखने में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करते हुए नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि नगर को स्वच्छ रखने में स्वच्छता एम्बेसडर, क्लबों, मित्रों ने सराहनीय योगदान दिया है और नगर में स्वच्छता ही सेवा, छठ घाट, पर्वों, अभियानों पर स्वच्छ वातावरण विकसित करने में अपनी महत्ती भूमिका का निर्वाह किया है। आपकी उत्कृष्ट सेवा की बदौलत स्वच्छता के मामले में नीट एंड क्लिन का सपना साकार हुआ है। ईओ अंकिता शुक्ला ने कहा कि रोस्टर के अनुसार नगर के सभी वार्डो की नियमित सफाई स्वच्छता मित्रो द्वारा की जाती है। जो प्रशंसनीय है। इस मौके पर स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के ब्रांड एम्बेसडर दिनेश तिवारी, वाहीद अली, उमेश जायसवाल, स्वच्छता योद्धा ध्रुव कुमार मद्धेशिया, ट्यूलिप इंटर साकेत गोविंद राव, डेडीकेटेड सफाईकर्मी रोहित, मोहित, अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिक अजय सिंह, स्वच्छ चैंपियन मनीष मोदनवाल, स्वच्छ सारथी क्लब से उपेंद्र सिंह, दुर्गेश चतुर्वेदी, अवधेश कुशवाहा, डेडीकेटेड कर्मचारी गोपाल, दिव्येंदु गौतम, रिजवान, अजरूद्दीन, अजय, अभिषेक, कामोद, मुद्रिका को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन नगर के स्वच्छता प्रभारी श्रवण कुमार गौतम ने करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए जन जागरूकता को आंदोलन बनाना होगा। इस दौरान प्रधान लिपिक राजेश कुमार श्रीवास्तव, जल कल प्रभारी उग्रसेन शर्मा, रास बिहारी श्रीवास्तव, रजनीश राव, विजय कुमार सहित नगर कर्मी मौजूद रहे।

सप्ताह भर में अरुण हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो होगा आंदोलन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव। कोरांव थाना क्षेत्र के बैठकवा पटेहरी गांव निवासी अरुण पटेल पुत्र लालचंद पटेल की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज जदयू की प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ शालिनी पटेल ने सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ शुक्रवार को दोपहर बाद दो बजे के आसपास प्रदर्शन कर नामजद सभी आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ को संबोधित एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपा है। जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी पटेल ने कहा है कि अगर सप्ताह भर में नामजद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी का जेल नहीं भेजा गया तो जदयू के कार्यकर्ता एसीपी मेजा कार्यालय पर अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे।

जिसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस और प्रशासन की होगी। ज्ञापन में बताया गया है कि नामजद कुल 6 अभियुक्तों में सिर्फ एक अभियुक्त को अभी तक जेल भेजा गया है। पांच खुले आम पुलिस के संरक्षण में घूम रहे हैं, और आए दिन पीड़ित पक्ष पर सुलह समझौता करने का दबाव बना रहे हैं और डरा धमका रहे हैं। शालिनी पटेल ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए दोषियों पर तत्काल कार्रवाई कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने के दौरान प्रमुख रूप से लक्ष्मीकांत पटेल, अभय राज सिंह समेत जदयू के कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल रहे।

सदर विधायक ने किया कंठी छपरा में सीसी सड़क कार्य का शिलान्यास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पडरौना,कुशीनगर । विधायक निधि 2024-25 के अंतर्गत पडरौना विधानसभा क्षेत्र के बिशनपुर ब्लॉक के ग्राम सभा कंठी छपरा के बाड़ी टोला में महेशी कुशवाहा के घर से मोहन यादव के खेत के बीच तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास आज सदर विधायक मनीष जायसवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है । इस अवसर पर विधायक मनीष जायसवाल ने कंठी छपरा के नवका टोला में 1500 मीटर सीसी सड़क एवं कंठी छपरा के दोपहर टोला में 550 मीटर सीसी कार्य तथा पिच कार्य कराने की घोषणा भी की। जिसे ग्रामीणों ने खूब सराहा। इस मौके पर बिशनपुर मंडल अध्यक्ष राजकुमार चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता, बीडीसी हेमंत कुशवाहा, पूर्व प्रधान गोवर्धन कुशवाहा, जाने माने समाजसेवी अजय लोहिया, हारुन खान, सतीश कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा, होशीला पांडे, बृजभूषण गुप्ता, नित्यानंद पांडे, रामावतार कुशवाहा, नवल किशोर कुशवाहा, नागेंद्र कुशवाहा, धर्मेंद्र कुशवाहा, सिंहासन कुशवाहा, कार्यक्रम संचालक सिद्धार्थ कुशवाहा, पारस, विवेक पांडे समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अनु.जाति समाज पर हो रहे अत्याचार पर सरकार व प्रशासन के निरंकुशता बरतने पर बिगड़ रही कानून व्यवस्था

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। अम्बेडकरवादी बहुजन समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के आवाहन जिले एवं प्रदेश में अनु.जाति समाज खासकर पासी समाज पर हो रहे अत्याचार उत्पीडन, हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर सरकार व प्रशासन द्वारा निरंकुशता बरतने पर बिगड़ रही कानून व्यवस्था के चलते प्रतापगढ़ जिले के थाना रानीगंज के अन्तर्गत दुर्गा बाजार में पासी समाज की बेटी मृतक कोमल सरोज की सामूहिक दुष्कर्म करके निर्मम हत्या कर दिये जाने एवं उक्त मामले में पुलिस प्रशासन द्वारा लीपा पोती कर उल्टे ही पीड़ित परिवार एवं निर्दोष गांव वालों के ऊपर फर्जी मुकदमों में फंसा कर उत्पीड़न किये जाने के विरोध में अखिल भारतीय वीरा पासी सेना के बैनर तले संगठन के अध्यक्ष देशराज पासी के नेतृत्व में दर्जनों बहुजन समाज के लोग जिलाधिकारी रायबरेली कार्यालय पहुंच कर एक दिवसीय प्रदर्शन कर कडा आक्रोश व्यक्त किया। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाये जाने हेतु प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय, मुख्यमंत्री महोदय द्वारा जिलाधिकारी महोदय को सम्बोधित मांग पत्र अतिरिक्त उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन। ज्ञापन सौंपते हुए देशराज पासी नें कहा कि जनपद एवं उ.प्र. में स्थानीय दबंगों, सरहंगों, समान्तवादियों, अराजक तत्वों द्वारा एससी/एसटी बहुजन समाज अम्बेडकरवादी खासकर पासी समाज के लोगों पर अत्याचार, उत्पीड़न कर उनकी जमीनों पर कब्जा करना, हत्या करना एवं समाज की बहन बेटियों के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर जघन्य अपराध किये जा रहे जिसको लेकर उ.प्र. सरकार स्थानीय प्रशासन निरंकुश है। जिससे कानून व्यवस्था बेहाल है इसीक्रम में प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज थाने के अन्तर्गत दुर्गागंज बाजार में अनु.जाति पासी समाज की गरीब विकलांग विधवा महिला की बेटी कोमल सरोज के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गयी है। उक्त मामले में पुलिस प्रशासन लीपापोती कर रही है यहां तक कि पीडित परिवार और गांव वालों के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कर उत्पीडन कर रही है और पीडित परिवार को न्याय नहीं दे रही है जिससे पुलिस की कार्यशैली से पूरे अनु.जाति व पासी समाज में एक आक्रोश व्याप्त है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में पांच बीघे गेहूं की फसल जली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव। कोरांव थाना क्षेत्र के राजपुर बहरिया गांव में जहां बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में पांच बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई, वहीं क्षेत्र के बरौंहा में खलिहान में रखा दो बीघा गेहूं का डांठ भी अज्ञात कारणों से आग लगने से जल कर राख हो गया। राजपुर बहरिया गांव के किसान सुफल सिंह पुत्र हिंछ लाल सिंह तथा मेवालाल केसरी व श्रीधर ने बताया कि गेहूं के खेत से ही बिजली का तार गया हुआ था। शुक्रवार को दोपहर बाद 3 बजे के करीब अचानक शॉर्ट सर्किट होने से बिजली की चिंगारी गिरी और गेहूं की खड़ी फसल में आग लग जाने से 5 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। पांच बीघे जली फसल में दो बीघा सुफल सिंह पुत्र हिंछ लाल सिंह तो दो बीघा मेवा लाल केसरी तथा एक बीघा श्रीधर की गेहूं की फसल जल कर राख हो गई है। किसानों ने मामले की सूचना हल्का लेखपाल को दे दी है। किसानों ने बताया कि जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची तब तक गांव के लोग आग बुझा लिए थे। लेकिन पांच बीघे गेहूं की फसल जल गई है। इसी तरह क्षेत्र के पर बरौंहा गांव में हंसराज सिंह पटेल के दो बीघा गेहूं का डांठ खलिहान में रखा हुआ था शुक्रवार को सायं 4 के आसपास अज्ञात कारणों से आग लग जाने से खलिहान में रखा डांठ जलकर राख हो गया।

विद्यालय में मेधावी छात्रों को मेडल देकर किया गया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के ग्राम सभा जौरा मनराखन के संविलियन विद्यालय गोबिंद टोला में बुधवार को एक सराहनीय पहल के तहत मेधावी छात्रों को प्रगति कार्ड के साथ मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शंभू बरनवाल ने बच्चों को मेडल व प्रगति पत्र देकर सम्मानित किया। इस सम्मान को पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। श्री बरनवाल ने कहा कि यह सम्मान आपके कठिन परिश्रम और लगन का परिणाम है। आप सभी ने न केवल अपने माता-पिता बल्कि अपने विद्यालय और ग्रामसभा का भी नाम रोशन किया है। मैं आप सभी से यही अपेक्षा करता हूं कि आने वाले वर्षों में भी आप इसी तरह मेहनत करते रहें और अपनी प्रतिभा से नई ऊंचाइयों को छुएं। शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्याम नाथ गौड़ ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय के सभी छात्रों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।जो विद्यालय की शिक्षण गुणवत्ता का प्रमाण है। मेडल प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दिए जा रहे हैं ताकि उनमें प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास की भावना प्रबल हो। इस मौके पर शिक्षक रमेश कुमार गुप्ता, नेहा कुशवाहा और किरण देवी भी उपस्थित रहे।

वक्फ बिल और जुमा की नमाज को लेकर रही चौकसी

आज़मगढ़ वक़्फ़ बिल और जुमे की नमाज को लेकर आजमगढ़ में शुक्रवार को सुबह से ही पुलिस फोर्स जगह-जगह तैनात दिखी। वहीं अधिकारीगण स्थिति का जायजा लेते रहे। बता दें कि बीती देर रात तक राज्यसभा में बहस के बाद वक़्फ़ बिल पास हो गया। इसको लेकर पुलिस की तरफ से अलर्टनेस जारी की गई थी। खुद ट्रेड हेमराज मीणा ने भी शहर संवैधानिक क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। वहीं सीओ सिटी गौरव शर्मा भी दलबल के साथ चक्रमण करते दिखाई दिए। एसपी ने बताया कि वक़्फ़ बिल और जुमा की नमाज को लेकर चौकसी थी। पूरे जिले को सेक्टर और जोन में बांट दिया गया था। अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई थी। नमाज सभी जगह सकुशल संपन्न हो गई है। पुलिस की तरफ से धार्मिक गुरुओं से पहले ही इस संबंध में बात कर ली गई थी। इसलिए कहीं कोई परेशानी नहीं हुई सभी जगह शांति व्यवस्था का माहौल कायम है।

दो बाइकों की टक्कर में दोनों बाइक चालक गंभीर रूप से हुए घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव। खीरी थाना क्षेत्र के कौंदी गांव में टवस नदी पर बने पुल के पास शुक्रवार को सायं 5 बजे के करीब दो बाईकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो जाने से दोनों बाइक चालक जहां गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। आसपास के लोगों की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी कोरांव लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक वीरेंद्र मिश्र पुत्र मिठाई लाल मिश्र निवासी नदौरा थाना खीरी प्रयागराज किसी काम से नारीबारी बाजार गए हुए थे। वहां से वे वापस लौट रहे थे की खीरी बाजार की ओर से लवकुश पुत्र रामजग निवासी गोझिया जारी बाजार थाना कौंधियारा नारीबारी की ओर जा रहा था कि कौंदी गांव में टवस नदी के पुल के पास दोनों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद 108 एंबुलेंस के द्वारा सीएचसी कोरांव लाया गया। जहां से दोनों का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

शिक्षक, आजीवन अपने ज्ञान व अनुभव से समाज को नयी दिशा देता है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

*राजापाकड़/ कुशीनगर।किसी भी व्यक्ति के लिए विदाई सबसे भावुक क्षण होता है। जब शिक्षक सेवा में आता है तभी उसका सेवानिवृत की तिथि भी तय हो जाती है। शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होता, वह आजीवन अपने ज्ञान व अनुभवों से समाज को नयी दिशा देता है।ये बातें प्राथमिक शिक्षक संघ के निवर्तमान जिलाध्यक्ष अरविन्द सिंह ने कही। वे शुक्रवार को कपोजिट विद्यालय तमकुही नं 2 में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं विदाई समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानाध्यापिका सैयदा जहां आरा खातून ने अपने कार्यकाल के दौरान अपने कार्यो व विचारों से जो अमिट छाप छोड़ा है उसे भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम को प्राशिसं अध्यक्ष शंभू यादव, मंत्री देवेन्द्र ओझा, पूर्व अध्यक्ष मिनहाज अहमद सिद्दिकी, भाजपा नेता त्रिपुरेश सिंह, अवनीश पटेल, उमेश्वर सिंह पटेल, प्रभू सिंह, बबलू जायसवाल आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में मेधावी छात्रों को मेडल देकर सम्मानित किया। अपने स्वागत से अभिभूत सैयदा जहा आरा खातून ने कहा कि साथी शिक्षकों के सहयोग, स्नेह एवं छात्रों के लगन,निष्ठा को देखकर समय कब बीत गया,पता ही नहीं चला। कार्यक्रम आयोजक प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। संचालन राजू सिंह ने किया। इस अवसर पर जूशिसं अध्यक्ष रामप्रकाश शर्मा, जूनियर शिक्षक संघ मंत्री अंजनी सिंह, पूर्व एनपीआरसी अजय शर्मा, कोषाध्यक्ष कृपाशंकर चौधरी, बिहारी यादव, हरिकेश पांडेय, काशीनाथ चतुर्वेदी, मनीष माहौर, पूर्व एबीआरसी राजेश प्रसाद, पूर्व एमडीएम प्रभारी रजिमुल्लाह अंसारी, घनश्याम प्रसाद, रीतू सिंह, बृन्दा चौधरी, हेमलता गुप्ता, नीलम चौधरी, उम्मे कुलसुम, जय नारायण सिंह, गिरीश पटेल, गोरख राय , यशवंत कुमार, रामेश्वर सिंह, अजय प्रताप सिंह,आदि रहे।

निखर रही सरकारी विद्यालयों के छात्रों की प्रतिभा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राजापाकड़/कुशीनगर। कंपोजिट विद्यालय गुरवलिया में वार्षिकोत्सव, नवीन नामांकन उत्सव, शारदा कार्यक्रम और आशीर्वचन समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इसमें शैक्षणिक, खेलकूद और उपस्थिति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समा बांध दिया।मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अरुणेंद्र राय ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के छात्रों में असीम प्रतिभा होती है, जरूरत सिर्फ सही दिशा देने की है। उन्होंने कहा कि आज सरकारी स्कूलों के बच्चे न केवल पढ़ाई बल्कि अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त बेसिक शिक्षक कल्याण परिषद के जिला मंत्री अभिमन्यु प्रसाद ने कहा कि सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता लगातार बेहतर हो रही है। यहां पढ़ने वाले छात्र शिक्षा के साथ-साथ खेल और विज्ञान के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि नंदलाल विद्रोही ने कहा कि जब विद्यार्थियों को उचित मंच मिलता है, तो वे अपनी प्रतिभा से सभी को चौंका देते हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे किसी से पीछे नहीं हैं, वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। समारोह के दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, आरंभ है प्रचंड, सोशल मीडिया नृत्य और कजरी नृत्य जैसी करीब 25 नृत्य नाटिकाओं की शानदार प्रस्तुतियां हुईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयंत शाही ने की, जबकि संचालन राजीव कुशवाहा और महेश कुमार ने किया। प्रधानाध्यापक विनोद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र श्रीवास्तव, आनंद पाठक, कमलेश उर्फ मनन मिश्र, जूशिसं अध्यक्ष बांकेबिहारी लाल, मंत्री योगेंद्र शर्मा, राजकुमार राय, अनिल चौरसिया, राजेश बौद्ध, सत्यनारायण गुप्ता, बालकृष्ण, सुनील प्रसाद, शैलेंद्र प्रसाद, स्वतंत्र सिंह, राजेश कुमार, समीर सिंह, एजाज अहमद, धनन्जय प्रसाद, आफताब आलम, विजय राय, अंकुर प्रजापति, मुकेश यादव, अखिलेश कुमार, सुनील मद्धेशिया, रुबी, प्रियंका, आफरीन, खुशी और जूली आदि उपस्थित रहे।

सीएचसी परिसर में कई खराब एंबुलेंस में लगी भीषण आग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुराना सामान रखे स्टोर रूम में भी लगी आग

फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर का पाया काबू

मरीजों व डाक्टरों ने ली राहत की सांस

लखनऊ । लखनऊ के मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में खड़े पुराने कंडम वाहनों में शुक्रवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई.देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और स्टोर रूम तक पहुँच गयी.वही अस्पताल प्रशासन व स्थानीय लोगो ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन सफल नही हुए जिसके बाद सूचना अग्निशमन विभाग व पुलिस को दी गई. सूचना पर मौके पर पहुंची अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गनीमत या रही की कोई जनहानि नही हुई.चूंकि घटना के समय सीएचसी में कई मरीज़ भर्ती थे वहीं अगर आग वार्डों तक पहुच जाती हो बड़ा हादसा हो सकता था,आग बुझने के बाद मरीज व डॉक्टरों ने राहत की सांस ली.जानकारी के मुताबिक सीएचसी परिसर में पीछे पड़े कूड़े व घास सहित पास में खड़ी एम्बुलेंस में शुकवार शाम साढ़े तीन बजे के करीब अचानक आग लग गई। आग से एम्बुलेंस के टायर धमाके के साथ फटने लगे जिससे सीएचसी की कालोनी में रहने वाले लोगों व अस्पताल में मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई। सीएचसी परिसर मे लगी आग की सूचना फायर स्टेशन पीजीआई व पुलिस को दी गई।

फायर ब्रिगेड के पहुंचने के पहले ही आग ने कबाड़ से भरे स्टोर रूम को भी अपनी चपेट मे ले लिया था।मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान किसी अनहोनी से बचने के लिए सीएचसी की बिजली बंद कर दी गई जिसे आग बुझने के बाद चालू किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है। आग से कंडम हो चुकीं परिसर में खड़ी कई एम्बुलेंस व गोदाम में रखा कबाड़ जल गया ।

आनंदी माता मंदिर पर जागरण और कवि सम्मेलन रविवार को

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बंथरा। इलाके के उम्मेद खेड़ा, में अनन्दी माता मन्दिर प्रांगण में 6 अप्रैल को 10वां विशाल मां भगवती जागरण एवं विराट कवि सम्मेलन का आयोजन अनन्दी माता मन्दिर सेवा समिति आनन्द नगर बन्थरा लखनऊ द्वारा किया जा रहा है। मंदिर की सेवा समिति द्वारा बताया गया कि अनन्दी माता मन्दिर पर माँ भगवती के पावन पर्व चैत्र नवरात्रि नवमी 6 अप्रैल 2025, दिन रविवार को सभी भक्तजनों द्वारा भव्य जागरण एवं भव्य झांकियों का आयोजन किया गया है। अतः माँ के दरबार में उपस्थित होकर, माँ का आशीर्वाद प्राप्त करें। आगे उन्होंने कार्यक्रम के संबंध ने बताया कि 6 अप्रैल दिन- रविवार को सायं 6 बजे से 9 बजे तक कवि सम्मेलन होगा उसके पश्चात जवाहर जागरण पार्टी कानपुर द्वारा भव्य दरबार व दिव्य झांकियों के साथ रात्रि में मां भगवती के गुणगानो के साथ जागरण का आयोजन होगा। 7 अप्रैल दिन सोमवार को प्रातः 6 बजे से भंडारे का आयोजन होगा जो माता रानी की कृपा तक चलता रहेगा।

तय समर्थन मूल्य पर क्रय केंद्रों में गेहूं की खरीदी प्रारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बंथरा,लखनऊ। इलाके में शुरू है। शुक्रवार को बंथरा स्थित बी पैक्स क्रय केंद्र पर सचिव सुरेंद्र सिंह द्वारा कृषक चंद्रभानु यादव के 35 कुंतल 50 किलो गेहूं की खरीद की गई। इस दौरान पीसीएफ के जिला प्रबंधक निशांत गौरव सिंह भी मौजूद रहे। इसके पहले नारायणपुर क्रय केंद्र पर सचिव अभय सिंह द्वारा ऐन गांव की निवासी राजेश्वरी पत्नी कालीचरण के दो कुंतल गेहूं की खरीद हुई थी। जिला प्रबंधक ने बताया कि क्षेत्र में मौजूद मौंदा व अन्य क्रय केंद्रों पर भी गेहूं की खरीद की जा रही है। सरकार द्वारा किसानों को प्रति कुंतल 2425 रुपए के साथ 20 रुपए प्रति कुंतल सुख-सुविधा के रूप में गेहूं खरीद के 24 घंटे के अंदर उनके खाते में भुगतान किया जा रहा है।

मौजूद सहकारी समितियों (बी पैक्स)पर गेहूं की खरीदारी

विहिप के केंद्रीय संगठन महामंत्री बोले– हर गांव में मनाएं राम उत्सव, हिंदू हित के लिए करें काम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भगवान राम के जीवन को आत्मसात करना सच्ची आराधना है: मिलिंद पराडे

लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थिति अनंदा रिजॉर्ट में विश्व हिंदू परिषद के लखनऊ विभाग के रामोत्सव में राम दरबार का पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंच प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल,संत भास्करानंद जी महाराज संत रमेश आनंद पुरी जी महाराज लखनऊ दक्षिण के जिला अध्यक्ष मनोज मौजूद रहे। मंच का संचालन लखनऊ विभाग के मंत्री योगेश ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अपने वक्तव्य में मिलिंद परांडे ने कहा भगवान राम हमारे आदर्श हैं, उनके जीवन को आत्मसात करना ही सच्ची आराधना है। यह विचार विश्व हिंदू परिषद के में आयोजित रामोत्सव कार्यक्रम में अपने वक्तव्य में कहा। हिंदू समाज के वंचित वर्गों के उत्थान, सामाजिक समरसता, संस्कारों के दृढ़ीकरण और हिंदू समाज पर हो रहे आक्रमणों के प्रति सतर्कता आवश्यक है

भगवान श्रीरामचंद्रजी के कर्तव्यनिष्ठ जीवन से हमें समरसता, शौर्य और सरलता का आदर्श लेना चाहिए, जिससे हमारा पारिवारिक और सामाजिक जीवन सफल हो सके। उन्होंने कहा कि वीर वीरांगनाओं ने बलिदान देकर धर्म और राष्ट्र की रक्षा की है। राम और सीता का जीवन कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है, इसलिए समाज में धर्म और राष्ट्र की रक्षा, कुटुंब व्यवस्था तथा सामाजिक समरसता को बढ़ाने की जिम्मेदारी युवाओं को लेनी चाहिए। बजरंग दल लव जिहाद, धर्मांतरण और गोकशी जैसी घटनाओं के खिलाफ सेवा, सुरक्षा और संस्कार की भावना से समाज में कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में विशिष्ट रूप क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र, प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप,प्रांत मंत्री देवेंद्र मिश्र, प्रांत प्रचार प्रमुख नृपेन्द्र विक्रम सिंह, प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख विभव तिवारी, जिला अध्यक्ष उत्तर अमर सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र राठौर, जिला मंत्री नीरज सिंह, जिला संगठन मंत्री पुष्पेन्द्र कनौजिया, जिला सह मंत्री आशुतोष मिश्रा, जिला गौ रक्षा प्रमुख अरुण सिंह, जिला समरसता प्रमुख अनिरुद्ध सिंह, जिला सेवा प्रमुख धर्मेंद्र मौर्य, महर्षि नगर प्रखण्ड के अध्यक्ष मूल चंद्र मिश्रा,मंत्री पवन बाजपेयी, उपाध्यक्ष राहुल गिरी, जानकीनगर प्रखण्ड के अध्यक्ष सुरेश कुशवाहा एवं प्रांत, विभाग एवं जिले के कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिला परीक्षाफल एवं पुरस्कार, खिले बच्चों के चेहरे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ।गोसाईगंज क्षेत्र के गाँव मलौली के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों का परीक्षाफल वितरण कार्य संपन्न हुआ साथ ही नामांकन मेला एवं वार्षिकोत्सव का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने कार्यक्रम पहुंचे अतिथियों को तिलक लगाकर उनका पुष्प वर्षा करके स्वगत किया । कक्षा 4 के बच्चों के द्वारा प्रस्तुत रंगारंग कार्यक्रम ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे खण्ड शिक्षा अधिकारी राम राज , विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह एवं ग्राम प्रधान धर्मेंद्र कुमार ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की । विद्यालय की प्रधान अध्यापिका सीमा श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर शिक्षक शैलेन्द्र शर्मा, संतोष कुमार, राजकरन सिंह, विनीता वर्मा, नीतू राय, प्रतिष्ठा सिंह ,स्वर्णिका सिंह, आशा सिंह ,कुसुमलता , शोभा देवी उमराव , दीपशिखा गोस्वामी,लाल बहादुर यादव, के साथ साथ अपूर्वा ,आदित्य तिवारी एवं विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

जीएनए यूनिवर्सिटी का लखनऊ में खुला कार्यालय,हुआ भव्य उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी, लखनऊ । पंजाब के फगवाड़ा में स्थित जीएनए यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपना पहला एडमिशन ऑफिस खोला,जिसका भव्य उद्घाटन क्षेत्रीय पार्षद शिवम् उपाध्याय द्वारा फीता काटकर किया गया।इस अवसर पर लखनऊ कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में यूनिवर्सिटी के टेक्निकल मैनेजर नीरज कुमार ने बताया कि जीएनए यूनिवर्सिटी की स्थापना जीएनए ग्रुप द्वारा सन् 2014में हुई थी,यह एक मुख्य ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता है,यूनिवर्सिटी पाठ्यक्रमों में अनुभवात्मक शिक्षा, औद्योगिक प्रशिक्षण, और व्यक्तिगत विकास पर जोर तथा छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुसार तैयार करने पर हमेशा तत्पर रहती है।यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग, प्रबंधन,डिज़ाइन,मास कम्युनिकेशन,होटल प्रबंधन, फार्मेसी,कम्प्यूटेशनल साइंस, व्यवसाय अध्ययन,संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान और शारीरिक शिक्षा सहित अन्य कोर्सो की शिक्षा प्रदान करवाती है।वही यूपी एडमिशन हेड अखिलेश मिश्रा ने कहा कि यूनिवर्सिटी छात्रों को 15 प्रतिशत से लेकर 45प्रतिशत तक स्कॉलरशिप तथा गरीब या मध्यम परिवार के वे छात्र जो पारिवारिक स्थिति सही नही होने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे उनको बिना ऋण के लोन प्रदान करवाया जाता है तथा शिक्षा पूर्ण होने पर शत प्रतिशत नौकरी यूनिवर्सिटी प्रदान करवाती है जो अपने आप में एक अलग रिकॉर्ड है।

वक़्फ़ बोर्ड संशोधन बिल से भ्रष्टाचार खत्म होगा : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वक़्फ़ बोर्ड संशोधन बिल लाना एक ऐतिहासिक निर्णय है। इस बिल से भ्रष्टाचार खत्म होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक और बड़ा सुधार होने जा रहा है। लोकसभा और राज्यसभा से वक़्फ़ बोर्ड संशोधन बिल पास होने पर देश के उन गरीब मुस्लिम परिवारों को बधाई, जिन्हें इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा। जैसे अनुच्छेद 370 और 35ए हटाकर देश को राष्ट्रीय कैंसर से मुक्त किया, श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बनवाया, तीन तलाक़ की प्रथा समाप्त कर मुस्लिम बहनों को न्याय दिलाया, वैसे ही वक़्फ़ बोर्ड संशोधन बिल से भ्रष्टाचार खत्म होगा और जरूरतमंदों को उनका हक़ मिलेगा। उप मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर की पोस्ट में लिखा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में यह एक और बड़ा कदम है।

प्रधान प्रत्याशी मोइन खान ने बचाई गौ माता की जान

काकोरी लखनऊ। काकोरी के ग्राम पंचायत अमेठिया सलेमपुर में कई दिनों से बीमार पड़ी गाय को देख कर गांव के लोगो ने समाज सेवी प्रधान प्रत्याशी मोईन खान को सुचना दी मोईन खान ने गांव के लोगों को आश्वासन दिया के वो गाय का ईलाज कराएंगे मोईन खान ने पशुपालन विभाग में सुचना देकर मोबाईल वेटरिनरी युनिट पशुपालन विभाग को बुलाया और उसका ईलाज करवाया जिसके लिए गाव के लोगो ने मोईन खान को धन्यवाद दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर में लगी आग,गृहस्थी जलकर ख़ाक

बीकेटी,लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता । बख्शी का तालाब थाना अंतर्गत राजापुर इंदौराबाग गांव में एक घर में संदिग्ध परिस्थितियों में लग लग गई, देखते देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे घर को आग की चपेट में ले लिया।वहीं घर के अंदर फंसी दो महिलाओं समेत बच्चों को पड़ोसियों ने छत पर चढ़कर आंगन में सीढ़ी लगाकर उन्हें बाहर निकाला,लेकिन घर की गृहस्थी जलकर खाक हो गई।राजापुर इंदौराबाग निवासी सुरेश सिंह के मुताबिक,शुक्रवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी पान मसाला की दुकान में थे।और उनकी बुजुर्ग मां खागा व उनकी पत्नी उमा सिंह,पुत्री प्रिया,पुत्र विकास घर के कमरे में सो रहे थे।तभी अचानक घर में आग लग गई।जब उनकी पत्नी ने घर में धुंआ उठता देखा तो वह शोर मचाने लगी।आवाज सुनकर आसपड़ोस के लोग दौड़े लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था।उन्होंने बताया कि घर के मुख्य दरवाजे व छत की सीढ़ियों के पास रखखा सामान जल रहा था तो पड़ोसियों ने छत पर चढ़कर आंगन में बांस की सीढ़ी लगाकर आग की लपटों से घिरे परिवार को बाहर निकाला।जिसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी।वहीं मौके पर पहुंची दमकल मशीन व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया।सुरेश के मुताबिक उनकी पूरी गृहस्थी जल जाने के कारण उनका लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

दुपट्टे से गला कसकर पति ने की पत्नी की हत्या

बंथरा कैनविज टाइम्स संवाददाता । इलाके के मवई पडियाना गांव के प्रधान राम प्रकाश गौतम के पुत्र संदीप गौतम ने अपनी पत्नी मोनी गौतम उम्र करीब 25 वर्ष की दुपट्टा से कसकर हत्या कर दी। मृतक मोनी उर्फ मीरा देवी की शादी संदीप गौतम के साथ एक वर्ष पूर्व हुई थी प्राप्त जानकारी के अनुसार मोनी प्रेग्नेंट थी आपस में पति-पत्नी में दोपहर को कुछ बात विवाद हुआ जिसके बाद लगभग शाम 4:30 बजे संदीप घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। जानकारी पाकर पूरी टीम के साथ पहुंची पुलिस मामले के हर पहलू पर जांच पड़ताल कर रही है।

आज इन इलाकों की बिजली रहेगी बाधित

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता । आने वाले गर्मियों के दिनों में किसी भी उपभोक्ता को बिजली की परेशानी ना हो लोगों को निर्बाध बिजली की सप्लाई हो सके इसके मद्देनज़र चौक डिवीज़न के 132 केवी महताब बाग पर विभाग द्वारा मरम्मत व रखरखाव का कार्य किया जाना है जिसके चलते 4 अप्रेल 2025 एवं 5 अप्रेल 2025 को सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक घण्टाघर / विक्टोरिया/महताबबाग का विभाग द्वारा शटडाउन लिया जायेगा। जिसके चलते कासिम अली 2, केजीएमसी स्वच्छता, मोहिनी पुरवा-1 मोहिनी पुरवा-2, नेपियर रोड, एसटीपी, जल निगम, दुर्गादेवी, गुलाब पार्क, काली जी बाजार, नानक नगर, पीर बुखारा, अकबरी गेट, अमृत बाजार, कालीजी मंदिर, लोहिया पार्क, मंसूर नगर, पटनाला, शारगा पार्क, सोंधी तोला से सम्बन्धित क्षेत्रों की बिजली सप्लाई सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

आदमपुर इंद्रवारा प्राथमिक विद्यालय व उप स्वास्थ्य केंद्र में गन्दगी के बीच नौनिहाल पढ़ने व मरीज इलाज कराने को मजबूर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

विद्यालय बना जानवरों का तबेला,

विद्यालय परिसर में दबंग बांध रहे जानवर और डाल रहे गोबर

कई बार शिकायत करने पर भी नही हुई कार्यवाही,

लगातार घटती जा रही बच्चों की संख्या

काकोरी लखनऊ।केंद्र और राज्य सरकार जहां एक तरफ स्वच्छता अभियान के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं।वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्राथमिक विद्यालय व उप स्वास्थ केंद्र आदमपुर इंद्रवारा काकोरी में गंदगी के बीच छात्र पढ़ने को मजबूर हैं।विद्यालय परिसर के प्रागंण में कई गहरे गड्ढा है।जिसमें बरसात का गंदा पानी भरा रहता है।जिसमें मच्छर बिच्छू एवं सांपो की भरमार है।विद्यालय के आसपास रहने वाले लोगों के द्वारा परिसर में ही जानवर बांधे जाते हैं और गोबर डाल कर गंदगी फैलाई जा रही है।जो बरसात में पानी के साथ मिलकर विद्यालय के बरामदे में भी यह गन्दगी पहुंच जाती हैं।वहीं एक ग्रामीण ने तो विद्यालय परिसर में ही दीवार का निर्माण कर दिया है।पूरे परिसर में जानवरों के बांधने के खूंटे गढ़े,गोबर के ढेरों का अंबार लगा हुआ है।इतनी गंदगी के बीच देश के नौनिहालों को शिक्षा दी जा रही है।यहां बच्चों का भविष्य बनाया जा रहा है या उनके साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

डीएम से लेकर जनप्रतिनिधियों तक गुहार लगाने पर भी नहीं हुई सुनवाई

अतिक्रमण के संबंध में ग्राम प्रधान सुमित कनौजिया ने बताया की विद्यालय को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए वह पिछले 4 वर्षों से लगातार खंड शिक्षा अधिकारी,खंड विकास अधिकारी,क्षेत्रीय लेखपाल, जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एसडीएम सरोजननगर,जिलाधिकारी से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से भी लिखित शिकायत कर चुके हैं लेकिन फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई।जबकि विद्यालय की जमीन सरकारी ग्राम समाज एवं चरागाह की है उसके बाद भी लेखपाल की मिलीभगत से यह अतिक्रमण और बढ़ता जा रहा है।इसके कारण गांव के लोग बहुत नाराज हैं और अपने बच्चों को विद्यालय भेजने से अब मना करने लगे हैं।

विद्यालय की चारदीवारी ना होने पर बढ़ी समस्या

विद्यालय परिसर की बाउंड्री वाल ना होने से कब्जेदारों की लगातार दिन प्रति दिन संख्या बढ़ती जा रही है।लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के चलते विद्यालय की जमीन को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जा सका है।यदि एक बार अतिक्रमण हटवाकर विद्यालय परिसर की चहारदीवारी बनवा दी जाए तो विद्यालय परिसर स्वच्छ एवं सुंदर हो जाएगा।बच्चों को खेलने की जगह भी मिल जाएगी और अवैध कब्जा की समस्या भी समाप्त हो जाएगी।

लगातार कम होती जा रही है बच्चों की संख्या

जुलाई 2023 में प्राथमिक विद्यालय आदमपुर इंद्रवारा में कुल 37 बच्चे नामांकित थे।लेकिन विद्यालय परिसर में गंदगी के चलते कई बच्चों के बीमार हो जाने से अभिभावकों ने अपने बच्चों को विद्यालय भेजना कम कर दिया।जिससे लगातार विद्यालय आने वाले बच्चों की संख्या घटती जा रही है।वर्ष 2024 में 31 रह गई।लेकिन इस वर्ष 2025 अप्रैल में 6 लोगों ने अपने बच्चों का नाम कटवाकर दूसरे स्कूल भेजने का निर्णय ले लिया।विद्यालय में दो टीचर और दो शिक्षा मित्र कार्यरत हैं। ग्राम पंचायत ने कई बार दबंगों को जारी किया नोटिस ग्राम आदमपुर इंद्रवारा के प्राथमिक विद्यालय व उप स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण से जानवर बांधने और गोबर डालने वाले दबंगों को कई बार ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा लिखित रूप से अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किया जा चुका है।लेकिन प्रशासन से सहयोग न मिलने से आजतक दबंगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया।

ई-रिक्शा वाहनों का निरन्तर चलाया जा रहा चेकिंग अभियान

जिसमें दैनिक रूप से 29 वाहनों के विरूद्ध एवं दिनांक 5 01.04.2025 से 04.04.2025 तक 81 ई-रिक्शा वाहनों के विरूद्ध भिन्नऽभिन्न अभियोगों में किया गया चलान

ई-रिक्शा वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बिठाये और न ही वाहन को भार वाहन के रूप में करें प्रयोग : माला बाजपेयी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। परिवहन विभाग, सीतापुर द्वारा जनपद में संचालित ई-रिक्शों वाहनों का चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के अन्तर्गत माला बाजपेयी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन / प्रवर्तन) व यात्री / मालकर अधिकारी मजहरूल आबदीन अहमद द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर ई-रिक्शा वाहनों के प्रपत्रों की जॉच की गयी है, जिसमें दैनिक रूप से 29 वाहनों के विरूद्ध एवं दिनांक 5 01.04.2025 से 04.04.2025 तक 81 ई-रिक्शा वाहनों के विरूद्ध भिन्नऽभिन्न अभियोगों में चलान किया गया। एआरटीओ (प्रशासन / प्रवर्तन) माला बाजपेयी द्वारा ई-रिक्शा चालको से अपील करते हुए कहा ई-रिक्शा वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बिठाये और न ही वाहन को भार वाहन के रूप में प्रयोग करें। वाहन चलाते समय बीमा, पंजियन पुस्तिका, फिटनेस, चालक लाइसेंस जैसे प्रपत्रों का वैध होना अनिवार्य है। वाहन का संचालन करते समय धैर्य एवं पूर्ण सजग रहना चाहिये क्योंकि वाहन में बैठी सवारियों को गन्तव्य तक पहुँचाना आपकी जिम्मेदारी है। वाहन हमेशा निर्धारित गति में ही चलाये ।

भाजपा जिला कार्यालय पर आगामी अभियानों से संबंधित कार्यशाला आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर पार्टी के आगामी अभियानों को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई ।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी नीरज सिंह उपस्थित रहे तथा कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा की गई। कार्यक्रम के शुरुवात मे भाजपाइयों द्वारा भाजपा के महापुरुषों दीनदयाल उपाध्याय व श्याम प्रसाद मुखर्जी। के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्राज्जवलन किया गया। तदुपरांत जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा मुख्य अतिथि जिला प्रभारी नीरज सिंह को पुष्पगुच्छ व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिला प्रभारी नीरज सिंह ने अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए पुनः नियुक्त पार्टी जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के आगामी अभियानों में सभी पदाधिकारियों को बढ़ चढ़कर भाग लेना है एवं एक कार्यकर्ता को दूसरे कार्यकर्ता की ताकत बनकर बूथ स्तर से

लेकर जिला स्तर तक अभियान की सफलता का प्रयास करना है उन्होंने बताया कि 2014 से पूर्व देश का माहौल क्या था देश में चारों तरफ हाहाकार मचा था और तुष्टिकरण का दौर चल रहा था ।और 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश निरंतर उन्नति कर रहा है और अपनी सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहरो का संरक्षण कर रहा है। नए भारत में सनातन के सम्मान का विशेष महत्व है। जिला प्रभारी ने आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी से एक होकर संगठन के निर्देशों का पालन करने के लिए आवाहन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने अपने उद्बोधन में आगामी अभियानों जिसमें मुख्य रूप से पार्टी स्थापना दिवस,अंबेडकर जयंती, गांव संपर्क अभियान, वन नेशन वन इलेक्शन पर आधारित कार्यक्रमों पर विस्तार से बताया साथ ही इनको सफलतापूर्वक आयोजित होने के लिए समस्त जिला पदाधिकारीगण एवं मंडल अध्यक्षों व पार्टी पदाधिकारियों को कार्य विधि से अवगत कराया। जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने सभी पदाधिकारी से आगामी 2027 के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को जिले की सभी नौ विधानसभाओं को जीतने के लिए स्वयं को तैयार कर पार्टी के निर्देशों को पालन करने का आवाहन किया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष सुधाकर शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश त्रिपाठी विश्राम सागर राठौर, संजय मिश्रा ,नीरज वर्मा झल्लर, अजय विश्वकर्मा, कंचन प्रभा पांडे, नैमिष रत्न तिवारी,जया सिंह, सुधीर सिंह, रोहित सिंह, राजन गुप्ता, पंकज पांडे, जितेंद्र मेहरोत्रा, इंदू सिंह चौहान अजय भार्गव,अमितदीक्षित, कौशलेंद्र सिंह, तरूण शुक्ला, राम जीवन जायसवाल सहित जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष व मन की बात के प्रभारी उपस्थित रहे।

सीतापुर में कानून-व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिले में कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने शुक्रवार को विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। ड्रोन और सुरक्षा उपकरणों से निगरानी जिलाधिकारी ने काजियार चौराहा और शीशे वाली मस्जिद का दौरा किया, जहाँ उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों को ड्रोन कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, संदिग्ध गाड़ियों की चेकिंग करने और वाट्सएप पर फैलने वाली अफवाहों पर कड़ी नजर रखने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए।

शांति और सौहार्द की अपील

उन्होंने कहा कि जुम्मे की नमाज के दौरान मजिस्ट्रेट और पुलिस बल अपनी

ड्यूटी पर तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे परस्पर भाईचारे को बनाए रखें और शांतिपूर्ण ढंग से त्योहारों का आनंद लें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने भी जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर अपनी कड़ी नजर बनाए रखी और आम जनता से शांति बनाए रखने का अनुरोध किया। उन्होंने सभी से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की, जिससे जिले में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे। सीतापुर प्रशासन द्वारा किए गए इस निरीक्षण का उद्देश्य जिले में शांति और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आम जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। जिलेवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें।

भाजपा सरकार में हर वर्ग का हुआ तेजी से विकास : अचिन महरोत्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी सरकार में हर वर्ग का तेजी से विकास हुआ है। आम जनमानस को बगैर भेदभाव के सरकार की योजनाओं का लाभ दिया गया है। यह बात भारतीय जनता पार्टी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने पर भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने घर-घर संपर्क अभियान के दौरान कहीं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सीतापुर विधानसभा के नगर मंडल के शक्ति केंद्र तानसेनगंज बूथ संख्या 243, 244 पर घर-घर संपर्क किया।

घर-घर दस्तक देने के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों को भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियां के पत्रक वितरण किया। इस दौरान भाजपा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद लोगों में विश्वास जगा है। पारदर्शी तरीके से सरकार की योजनाओं का लाभ निचले

पायदान के अंतिम पंक्ति तक खड़े व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, विकास के ढांचे को मजबूत किया गया है। पूर्व की सरकारों ने प्रदेश को जो बदहाल बनाया था, उसे बदहाली को दूर करने का काम किया गया है। बगैर किसी भेदभाव के सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जा रहा है। बेरोजगार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में भी दवा से लेकर राशन तक की व्यवस्था भाजपा सरकार ने की है। केंद्र की नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार ने हर वर्ग का ध्यान रखा है। सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर सबका विश्वास जीतने का काम भाजपा ने किया है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में दोबारा भाजपा सरकार आई है। जनसंपर्क अभियान के तहत सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। निश्चित ही 2027 के चुनाव में एक बार फिर से उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। लोगों का व्यापक जन समर्थन भाजपा सरकार को मिल रहा है। इस अवसर पर सिद्धू मेहरोत्रा, जितेंद्र कुमार मेहरोत्रा, दीपिल अरोड़ा, अंबुज पांडेय, राजा श्रीवास्तव, प्रशांत मिश्रा, उत्तम पांडेय, रामसेवक पाल, सुशील राठौर आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने प्रस्तुत किए विभिन्न कार्यक्रम

नानपारा, बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। ग्राम पंचायत प्रेम नगर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जो सराहनीय रहा। अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार श्रीवास्तव , शिक्षक दिनेश प्रकाश आर्य, सत्येंद्र प्रताप पांडे पूर्व प्रधानाध्यापक सईद अहमद सिद्दीकी आदि ने बच्चों को परीक्षा फल वितरित किया इसी के साथ छात्रों का विद्यालय में विदाई समारोह भी आयोजित किया गया।

पेज संस्था द्वारा नुक्कड़ नाटक के मध्य लोगों को संविधान के मौलिक अधिकारो की दी जानकारी

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खण्ड पहला के ग्राम पंचायत फिरोजपुर में पेश संस्थान के द्वारा युवा नागरिक नेताओं ने तहरी भोज एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को संविधान के बारे में बताया आप सभी युवा लोग संविधान पढ़ें और संविधान के बारे में लोगों को बताएं संविधान हम सभी को समानता स्वतंत्रता , बंधुता, न्याय अपने मौलिक अधिकार दिलाता है और वही पेस संस्थान के डायरेक्टर थॉमसन व सचिव राजविंदर कौर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की मॉनिटरिंग ऑफिसर ने बताया तहरी भोज के करने का उद्देश्य लोगों मे समानता लाना जाति पाती भेदभाव को दूर करना जिसमे की 20 ग्राम पंचायत के युवा नागरिक नेता शामिल रहे युवा नागरिक नेताओं ने तहरी भोज में अपने-अपने गांव से चावल एवं अन्य खाद्य सामग्री एकत्रित करके स्वयं तहरी बनाने का कार्य किया तथा समाज में सभी जाति वर्ग के लोगों को एक साथ एकत्रित करके उनके साथ सामूहिक भोज किया गया और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही शैलेंद्री जी सहयोगी ऋतिक अवस्थी रहे ।और वही उपस्थित सचिन ,हरीश, अंकित ,नासिर खां,संदीप यादव राम कुमार की युवा नागरिक नेता और वही बच्चे ,महिलाएं, ग्रामवासी सैकड़ो ग्राम वासी हुए शामिल।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बृजबिहारी को डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोआर्डिनेशन एंड मानीटरिंग कमेटी का सदस्य मनोनीत किया

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । मजदूर किसान मंच की जिलाध्यक्ष सुनीला रावत ने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया की श्री बृजबिहारी को केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोआर्डिनेशन एंड मानीटरिंग कमेटी का सदस्य मनोनीत किया है । उन्होने यह भी केन्द्रीय विकास मंत्रालय ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोआर्डिनेशन एंड मानीटरिंग कमेटी मे सामाजिक कार्यकर्ता श्री बृजबिहारी के अलवा पूर्व विधायक श्री अनूप गुप्त , पूर्व विधायक श्री रामहेत भारती और श्रीमती आशुतोष सिंह यादव को भी मनोनीत किया गया है ।

फूलों की बारिश के बीच हिन्दू नववर्ष पर निकली शोभायात्रा झांकियों को देख निहाल हो उठे लोग, प्रशासन रहा एलर्ट

आजमगढ़ कैनविज टाइम्स संवाददाता । आजमगढ़ चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा हिन्दू नव वर्ष के मौके पर आर्यमगढ़ दुर्गा पूजा महासमिति आजमगढ़ द्वारा शोभा यात्रा नगर के मुकेरीगंज स्थित आरके गेस्ट हाउस से निकाली गई। शोभायात्रा में आगे आगे भगवान शिव-पार्वती, राधे कृष्णा, सीता-राम, हनुमान जी, नंदी महाराज आदि देवी-देवताओं की मनमोहक झाकियां को देखकर सभी निहाल हो उठे और प्रसाद आदि लेकर पुण्य के भागी बने। इस दौरान जगह-जगह हो रही फूलों की बारिश ने मंत्रमुग्ध कर दिया। यह यात्रा शहर के पहाड़पुर, पुरानी कोतवाली, चौक, सब्जी मडी, लालडिग्गी होते हुए शंकर जी की मूर्ति होते हुए पुनः चौक होते हुए सीधे आरके गेस्ट हाउस पर पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा में हिन्दू संगठन, भाजपाजन के लोगो ने भारी संख्या में शिरकत किया और एक दूसरे को नववर्ष की बधाई किया। कार्यक्रम के आयोजक अरविन्द मोदनवाल ने कहाकि हिन्दू संस्कृति के लिए नवरात्रि अत्यंत ही पावन है, ऐसे में चैत्र नवरात्रि हमारे नव सवत्सर का नया आगाज होता है इसीलिए यह आयोजन कर सभी हिन्दुओं को ऊर्जा के सूत्र में पिरोने के लिए किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आर्यमगढ़ दुर्गा पूजा महासमिति के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। साथ ही झांकी सूरज मद्धेशिया द्वारा तैयार किया गया था, जिसे देखकर लोग भाव विभोर हो गये वही इस्कान आजमगढ़ के प्रभारी ओजस्वी गोविन्द दास जी ने सहयोग दिया। इस अवसर पर अजय अग्रवाल, जयप्रकाश दुबे, गौरव रघुवंशी, किशन सिंह विनीत सिंह रिशु, ऋतिक जायसवाल, नवरंग, रचित अग्रवाल, मिथुन निषाद, अभिषेक गुप्ता, गोलू मिश्रा, हिमांशु राज, सूरज निषाद, अनिल सोनकर डीएम मौर्या, सूरज मद्धेशिया झांकी ग्रुप, गोलू ढोल इस्कान संकीर्तन समिति, पवन यादव सोनू सिंह आदि शामिल रहे। वहीं सुरक्षा के दृष्टिगत शोभायात्रा शहर कोतवाल शशिमौली पांडेय, सतीश मिश्र आदि पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से जुटा रहा।

आम आदमी पार्टी ने प्रखर श्रीवास्तव को सौंपी प्रदेश प्रवक्ता और विधि प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के संगठन विस्तार के क्रम में प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लखनऊ के प्रखर श्रीवास्तव को विधि प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है।

प्रखर श्रीवास्तव, जो पार्टी के आंदोलन के समय से ही सक्रिय सदस्य रहे हैं, को पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई है। प्रारंभ में उन्हें यूथ का नगर उपाध्यक्ष(लखनऊ) नियुक्त किया गया था, उसके बाद उन्हें लखनऊ मंडल का अध्यक्ष (यूथ) बनाया गया। 2022 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ मध्य विधानसभा का अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद 2023 के नगर निकाय चुनाव में उन्हें लखनऊ जिले का वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष और लखनऊ मध्य विधानसभा का चुनाव प्रभारी बनाया गया। 2024 में प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी मिलने के बाद, 2025 में उन्हें विधि प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस मौके पर प्रखर श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में अधिवक्ता साथियों की आवाज को बुलंद किया जाएगा और पार्टी के लीगल सेल की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया जाएगा। आम आदमी पार्टी प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर मजबूत और प्रभावी आवाज उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, और प्रखर श्रीवास्तव के नेतृत्व में विधि प्रकोष्ठ राज्य में पार्टी के कार्यों को और मजबूत करेगा। पार्टी के इस कदम से उत्तर प्रदेश में जनहित के मामलों में नई दिशा और प्रभावी समाधान की उम्मीद जताई जा रही है।

छात्रा ने विकसित भारत पर विधान सभा में रखे अपने विचार, विद्यालय ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । उत्तर प्रदेश की विधान सभा में दिनांक 28 व 29 मार्च को राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद महो त्सव 2025 में स्थानीय श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज की एम.ए.अंग्रेजी (द्वितीय सेमेस्टर) की छात्रा साक्षी तिवारी ने प्रतिभाग करके गोंडा जनपद सहित महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।ज्ञातव्य हो सरकार की तरफ से प्रदेश के युवाओं का नज़िरया जानने के लिए राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया गया था।जिसमे प्रदेश के युवाओं की विकसित भारत पर अपने विचार रखते हुए अपना एक वीडियो अपलोड करके रजिस्ट्रेशन किया गया था।शास्त्री महा विद्यालय की छात्रा साक्षी तिवारी ने ''मेरे लिए विकसित भारत क्या है'', विषय पर अपना वीडियो अपलोड करके अपना रजिस्ट्रेशन किया।जिला स्तर

पर चयन के पश्चात डॉ.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या से संबद्ध युवाओं मे हुई प्रतियोगिता में 150 युवाओं ने प्रतिभाग किया जिनमे साक्षी तिवारी को ,राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु 10 चयनित युवाओं में स्थान प्राप्त हुआ।राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 24 विश्वविद्यालयों/ संस्थानों से 240 युवाओं ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा योगी आदित्य नाथ,विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, उपसभापति मानवेन्द्र प्रताप सिंह ,शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, की उपस्थित में प्रदेश की विधान सभा में विकसित भारत युवा संसद के लिए अपने अपने विचार रखे ।इन प्रतिभागियों में महाविद्यालय की छात्रा साक्षी तिवारी ने जिसमें पर देश के संविधान के 75 वर्ष की यात्रा, आज की कुछ कठिनायों और आने वाले 25 वर्ष कैसे होगा पर अपने विचार रखकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है ।हमारा संविधान केवल एक किताब नहीं है बल्कि हमारे देश की आत्मा है। और देश के साथ साथ संविधान का भी इस डिजिटल और ग्लोबलाइज्ड दुनिया में विकसित भारत का सपना साकार होगा।यूथ पार्लि यामेंट 2025 के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी ने युवाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा की 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश से आए हुए आप सभी 240 युवाओं का चयन होना बहुत बड़ी बात है।

सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह व वार्षिक उत्सव समारोह का किया गया आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। कंपोजिट विद्यालय अखरी में सेवा दे रहे श्री विनोद कुमार यादव शिक्षक का 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हो गए थे। सेवानिवृत्त शिक्षक विनोद कुमार यादव का सम्मान समारोह व वार्षिक उत्सव समारोह को आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान जन्मेजय सिंह वर्मा व खण्ड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया।मंच का संचालन संदीप कुमार के द्वारा किया गया।और इस कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा स्वागत गीत, सरस्वती वंदना,नाटक जैसे अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई । इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अंकिता मैम,सहायक अध्यापक अजय कुमार सक्सेना और अनुदेशक जयकरन लाल वर्मा के सहयोग से खंड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल के कर कमलो द्वारा स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छा,

अंग वस्त्र और धार्मिक पुस्तक देकर सेवानिवृत्ति हुये शिक्षक विनोद कुमार यादव को सम्मानित किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय परिवार और आये हुए सभी अतिथि शिक्षक भावुक होकर नम आँखों से विदाई दिया । शिक्षा के क्षेत्र में कंपोजिट विद्यालय अखरी में सेवानिवृत्त हुए शिक्षक विनोद कुमार यादव के द्वारा अपने दैनिक जीवन मे शिक्षण कार्य करने में बहुत अच्छी तरीके से नियमों का पालन करते हुए शिक्षण कार्य बड़ी लगन के साथ खूब निभाया ।निर्वतमान इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अंकिता ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्यालय परिवार के प्रति कार्य एवं व्यवहार की प्रशंसा जितनी की जाए उतनी ही कम है उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उपस्थित शिक्षकों को उनके कार्यों से सीख लेने की सलाह दिया।खण्ड शिक्षा

ग्राम प्रधान जन्मेजय सिंह वर्मा व खण्ड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की

अधिकारी उदय मणि पटेल ने संबोधित करते हुए और कहा कि ऐसे सेवानिवृत्त शिक्षक अपने अनुभव को साझा करते रहें ताकि शिक्षा क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन मिलता रहे।सेवानिवृत्त शिक्षक के स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की।उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षकों का सहयोग शिक्षा विभाग को मिलता रहना चाहिए, क्योंकि उनके अनुभव को विभाग को हमेशा आवश्यकता रहेगी।सहायक अध्यापक अजय कुमार सक्सेना ने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते। वे हमेशा समाज को दिशा देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों ने अपने जीवन के अनमोल पल समाज को एक नया आईना देने का काम किया है।विद्यालय के सभी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले और कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को अंकतालिका और पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया।और स्कूल चलो अभियान बैनर तले नवीन नामांकन की शुरुआत भी की गई।इस कार्यक्रम में सुमन देवी,संगीता वर्मा,मो0एहसान,विनयवर्मा,अखिलेन्द्र प्रताप सिंह,सुंदर लाल ,सुनीता मिश्रा,पंकज वर्मा,पंकज मिश्रा, जंग बहादुर यादव,स्वेत निशा कुमार,अंकित सहाय, मंजरी सिंह,श्री राम चौहान, विनोद कुमार ,अशीष वर्मा ,अनामिका ,सहित कई अन्य परिषदीय विद्यालयो के शिक्षक समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिवपुर चकदहा में हुए दोहरे निषाद हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से मिले मंत्री संजय निषाद

गोरखपुर। शुक्रवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद आज जनपद गोरखपुर पहुँचे, उन्होंने विगत दिनों ग्राम सभा शिवपुर चकदहा में दोहरे निषाद हत्याकांड प्रकरण में पीड़ित परिजनों से मुलाक़ात उसके गाँव पहुँचे। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक व क्षेत्राधिकारी चौरी-चौरा से प्रकरण की जानकारी लेते हुए पीड़ित परिजनों से भी प्रकरण की जानकारी ली। मृतका के बेटे और बेटियों ने घटना और घटना के पश्चात मिलने वाली धमकियों को मंत्री जी के समक्ष रखा। मा0 मंत्री जी क्षेत्राधिकारी पुलिस को पीड़ित परिजनों की शिकायत पर आदेशित करते हुए कहा कि एक निश्चित समय अपने आला अधिकारियों से पूछकर एक दिन बताइए कि किस दिनतक सभी आरिपियों की गिरफ़्तारी सुनिश्चित कर ली जाएगी।

मुख्यमंत्री के गृह जनपद में दोहरा निषाद हत्याकांड हो जाता है और पुलिस द्वारा अभी तक सिर्फ़ मुख्य आरोपी को ही गिरफ़्तार किया गया है बाक़ी अन्य आरोपियों की गिरफ़्तारी पुलिस नहीं कर पायी है, ये किस प्रकार की कार्रवाई आप कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्राधिकारी को कहा कि पीड़ित परिजनों के रिश्तेदारों, ग्राम वासियों को धमकाया जा रहा है। ये उचित नहीं है, अगर समय रहते हुए तत्कालीन दरोग़ा व सिपाही ने पीड़ित व आरोपी का समझौता नहीं करवाया होता तो आज ये घटना नहीं घटती किंतु घटना घटित होने के पश्चात भी अगर हत्याआरोपी के परिजन पीड़ित के सहयोगी और परिजनों को धमकी दे रहे हैं इसको तत्काल प्रभाव से बंद करवाइए और धमकी देने वाली को तुरंत गिरफ़्तार करके जेल भेजा जाए। उन्होंने पीड़ित परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा की निषाद पार्टी और डॉ संजय निषाद सपरिवार आपको परिजनों के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़े हैं, मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और किसी भी प्रकार के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश से माफिया/गुंडा/दहशत/अपराध मुक्त बना दिया गया है, आरोपी चाहे कितने भी रसूखदार क्यों ना हो, उसके उसके किए की सजा मिलकर रहेगी।उन्होंने तहसीलदार चौरी-चौरा को आदेशित करते हुए कहा कि पीड़ित को मिलने वाली सभी शासकीय सहायता जल्द से जल्द उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने उपनिदेशक गोरखपुर मंडल (मत्स्य विभाग) को मत्स्य पालक कल्याण कोष व अन्य योजनाओं से पीड़ित परिजनों की हर संभव मदद करने के लिए आदेशित किया। उन्होंने निषाद पार्टी की ओर से पीड़ित परिजनों की आर्थिक सहायता करते हुए, भविष्य में किसी भी प्रकार की आवश्यकता पर मदद का भी आश्वस्त किया।उन्होंने समाजवादी पार्टी सांसद पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी सांसद अगर असल मायने में निषाद समाज से आते हैं तो वो एक बार अयोध्या में हुए निषाद समाज की बेटी के साथ समाजवादी पार्टी के नेताओं द्वारा किए गए अत्याचार, दुराचार और रेप पीड़िता से क्यों नहीं मिलने गये, जबकि उनकी लोकसभा के सबसे नज़दीक अयोध्या ज़िला पड़ता है।

समाजवादी पार्टी के सांसद पहले ये तय करें कि उनका जो घड़ियाली निषाद प्रेम जो है वो बस चौरी-चौरा को देखकर उमड़ रहा है या प्रदेश में उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा किए गए अन्य अत्याचार पर भी कुछ बोलने की ज़िम्मेदारी लेंगे।

पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता थे स्व. गिरीश नारायण पाण्डेय: ब्रजेश पाठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। न्यायमंत्री गिरीश नारायण पाण्डेय व उनकी पत्नी बीना पाण्डेय के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभारी दिनेश प्रताप सिंह कस्बे के पान दरीबा स्थित उनके पैतृक आवास पर दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्माओं की शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना करते हुए प्रतिमाओं पर पुश्प भी अर्पित किये। इस दौरान डिप्टी सीएम ने बताया कि स्व पाण्डेय पार्टी के निश्ठावन व कर्मठ योद्वा थे। उनके निधन से रायबरेली ही नही बल्कि प्रदेश में भी पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने स्व0 मंत्री के परिजनो को ढांढस बंधाते हुए कहा कि विपत्ति के समय पूरी पार्टी आपके साथ हर कदम पर खड़ी है। राज्यमंत्री दिनेश सिंह ने बताया कि स्व पाण्डेय बहुत ही सरल व शांत स्वभाव के नेता थे। गरीब, अमीर सभी को वह समान नजरो से देखते थे। अटल जी के पदचिन्हो पर चलने वाले ऐसे नेता बहुत कम ही देखने को मिलते है जिनमे शादगी कूट-कूट कर भरी थी। इस मौके पर रविनदंन चौहान, मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, एएसपी, एडीएम, विजय प्रताप सह, पप्पू लोहिया, जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल पासी, डॉ. अविनाश सिंह, राजेश फौजी, रामप्रताप सिंह, रमेश सिंह किसान नेता, गोलू पाण्डेय, यतीन चौहान, चंद्रप्रकाश पाण्डेय, पूर्व चेयरमैन नागेंद्र गुप्ता, अनूप पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष का कारावास

एजेंसी

फिरोजाबाद। न्यायालय ने शुक्रवार को नाबालिग से दुष्कर्म के एक दोषी को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। उस पर अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

थाना एका क्षेत्र से 19 जुलाई 2022 को एक युवक एक 16 वर्षीय किशोरी को भगा ले गया था। युवक ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। बाद में पुलिस ने लड़की को बरामद कर लिया। पुलिस ने विवेचना के बाद सचिन पुत्र निरोत्तम, विकास पुत्र राधेश्याम तथा सत्यवीर उर्फ नेता पुत्र इंद्रपाल के खिलाफ नाबालिग को बहला फुसलाकर अगवा करने और उससे दुष्कर्म की धाराओं में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट कोर्ट संख्या 3 राजीव सिंह की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी विशेष लोक अभियोजक कमल सिंह ने की। मुकदमे के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी। कई साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत किए। गवाहों की गवाही तथा साक्ष्य के आधार पर न्यायालय ने सचिन को नाबालिग से दुष्कर्म का दोषी माना। न्यायालय ने उसे 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। उस पर 20,000 रुपया अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में दो अभियुक्तों को दोषमुक्त किया है।

पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक कर डीएम ने दिए कड़े निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गयी।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा जल जीवन मिशन योजना (फ़ेज-4) के अन्तर्गत जनपद उन्नाव में प्रस्तावित कार्यों पर कार्यदायी संस्था मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के कार्यों की प्रगति, पाइप लाइन बिछाए जाने हेतु सड़क पुनस्र्थापना के कार्यो की प्रगति, भूमि उपलब्धता एवं विवादित भूमि की अद्यतन स्थिति, इम्प्लीमेन्टेशन सपोर्ट एजेंसी के कार्य, जनपद में जन जागरूकता हेतु आई0ई0सी0 की गतिविधियों आदि के संबंध में जानकारी ली गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता जल निगम, ग्रामीण अजीत कुमार सिंह एवं कार्यदायी संस्था को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रों में सतही स्त्रोत आधारित पाइप पेयजल परियोजना का कार्य पूर्ण करने की तिथि 26 जनवरी 2025 निर्धारित की गयी थी, जबकि रू0 3322.93 करोड़ लागत की इस महत्वाकांक्षी योजना की भौतिक प्रगति मात्र 31 प्रतिशत देखने को मिल रही है, यह स्थिति अच्छी नही है। उन्होने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को जल्द से जल्द पूर्ण कराएं ताकि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में समुचित गुणवत्ता युक्त सत्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। इस योजना के क्रियान्वयन में पाइप लाइन बिछाए जाने से खराब हुई सड़कों की अविलम्ब पुनस्र्थापना करायी जाए। जन जागरूकता हेतु आई0ई0सी0 की गतिविधियों को बढ़ाया जाए।

बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती संगीता सिंह, एसीएमओ डा0 जे0आर0 सिंह, उप जिलाधिकारी न्यायिक प्रशांत नायक, सूचना अधिकारी सतीश कुमार, जल निगम ग्रामीण के सहायक अभियंता पूनीत कुमार, शशि कुमार, आशीष कुमार, मनोरमा महिला मण्डल के जिला समन्वयक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, बैसवारा शिक्षित बेरोजगार वेलफ़ेयर एसोशियेसन के अध्यक्ष संतोषानन्द अवस्थी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मस्जिदों के आसपास पुलिस तैनात

एजेंसी

झांसी। ग्यारह वर्ष पूर्व बरुआसागर थाना पुलिस ओर क्राइम ब्रांच पर जान से मारने की नियत से तमंचों से फायरिंग करने वाले पेट्रोल पंप लूटकांड के आरोपितों पर आरोप सिद्ध होने पर न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश न्यायालय झांसी शक्तिपुत्र तोमर की अदालत ने दस-दस वर्ष की सजा और दस-दस हजार रुपए अर्थदंड अदा करने का फैसला सुनाया है। अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता तेजसिंह गौर ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 फरवरी 2013 को सेल टैक्स ऑफिस के पास सुबह करीब ग्यारह बजे तीन बाइक सवार बदमाशों ने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से तमंचा अड़ाकर लाखों रुपये की लूटकांड की घटना को अंजाम दिया था। इन लुटेरे की तलाश में पुलिस लगी थी। 24 फरवरी 2013 को क्राइम ब्रांच ओर बरुआसागर थाना पुलिस अपराधियों की धर पकड़ में लगी थी। तभी दो बाइक पर तीन युवक आते दिखे जिन्हें पुलिस ओर क्राइम ब्रांच ने रोकने का प्रयास किया तो तीनो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी ओर भागने लगे। बरुआ सागर पुलिस और क्राइम ब्रांच ने खुद का बचाव करते हुए घेराबंदी कर तीनो बदमाशों को दबोच लिया। पूछताछ में तीनो ने अपने नाम जुगल अहिरवार निवासी दतिया गेट, किशन अहिरवार, मेघराज सिंह ठाकुर बताया। साथ ही पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि सेल टैक्स ऑफिस के पास एक माह पूर्व की गई लूटपाट की घटना को उन्होंने ही अंजाम दिया था। उनके कब्जे से बरामद बाइक और रुपया उसी लूटकांड का है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब दस हजार की नकदी, मोबाइल फोन, दो बाइक ओर दो तमंचे, दो खाली, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू बरामद कर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजते हुए न्यायलय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। न्यायालय में सुनवाई के दौरान गवाही ओर अभियोजन की ओर से ठोस पैरवी के चलते आरोपितों पर आरोप सिद्ध होने पर तीनों को दस दस वर्ष का कारावास और दस-दस हजार रुपए अर्थदंड से न्यायालय ने दंडित किया है।

वक्फ बोर्ड विधेयक के बीच उन्नाव में सुरक्षा कड़ी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। जहां जुमे की नमाज के दौरान पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की। वक्फ बोर्ड से जुड़े प्रस्तावित विधेयक को लेकर संभावित विरोध को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती गई। मस्जिदों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। नई बस्ती, सदर कोतवाली क्षेत्र और शुक्लागंज समेत कई इलाकों में पुलिस की पेट्रोलिंग जारी रही। नमाज के समय ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया। आपको बताते चलें कि एसपी सिद्धार्थ दीपक भूकर ने कई स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को अफवाहों और भड़काऊ गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। खुफिया विभाग को अलर्ट पर रखा गया। सामाजिक संगठनों और धर्मगुरुओं से शांति व्यवस्था के लिए सहयोग मांगा गया। जिला प्रशासन के अनुसार सभी समुदायों ने सहयोग किया और नमाज शांतिपूर्ण रही। पुलिस ने बताया कि आगे भी वक्फ बोर्ड से जुड़े मसले पर सतर्कता जारी रहेगी। अफवाहों से बचने के लिए सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है।

मंत्री की गवाही पर फर्जीवाड़े के दोषी सिपाही को 5 वर्ष का कारावास

झांसी। 26 वर्ष पुराने एक मामले में समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण की मजबूत गवाही पर झांसी के अपर सिविल जज ने फर्जीवाड़े के आरोपित सिपाही राजेश कुमार उपाध्याय को दोषी पाते हुए 5 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनायी है। गौरतलब है कि वर्ष 1999 में राजेश कुमार उपाध्याय 33वीं वाहिनी पीएसी झाँसी में कांस्टेबल के पद पर तैनात था। एक शिकायत के आधार पर 33वीं वाहिनी पीएसी झाँसी के तत्कालीन सेनानायक, आईपीएस असीम अरुण (वर्तमान में मंत्री) ने राजेश के प्रपत्रों की जांच करवायी तो उसकी अंकतालिका फर्जी पाई गई थी। जांच के आधार पर राजेश कुमार के खिलाफ झाँसी में विभिन्न धाराओं में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। उक्त मामले में मंत्री असीम अरुण की गवाही के बाद न्यायालय ने राजेश कुमार को दोषी पाया और 5 वर्ष की सजा सुनाते हुए आर्थिक दंड भी लगाया है।

क्वांटम यांत्रिकी के 100 वें वर्ष पर सीएसजेएमयू मना रहा है उत्सव :कुलपति

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज द्वारा क्वांटम यांत्रिकी के 100 वें वर्ष का जश्न व राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित हुआ है। यह जानकारी शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने दी। कुलपति ने बताया कि आज पहले दिन प्रोफ़ेसर अजय कुशवाहा ने आईआईटी इंदौर से उन्नत अनुप्रयोगों के लिए सामग्रियों के संरचना व गुण संबंध को समझना विषय पर एक व्याख्यान दिया है। क्वांटम सामग्रियों और संबंधित गुणों के मूल सिद्धांतों के बारे में एक वार्ता की है।

कुलपति ने बताया कि 5 अप्रैल को आईआईटी कानपुर के भौतिकी विभाग के प्रोफ़ेसर आनंद झा द्वारा क्वांटम सुपरपोजिशन, क्वांटम उलझाव और क्वांटम टेक्नोलॉजीज नामक विषय पर एक और वार्ता निर्धारित है।

हिन्दू समाज पर हो रहे आक्रमणों के प्रति सतर्कता आवश्यक : मिलिंद परान्डे

लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि हिंदू समाज के वंचित वर्गों के उत्थान, सामाजिक समरसता, संस्कारों के दृढ़ीकरण और हिंदू समाज पर हो रहे आक्रमणों के प्रति सतर्कता आवश्यक है। वह लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थिति अनंदा रिजॉर्ट में विश्व हिंदू परिषद के लखनऊ विभाग के रामोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राम दरबार का पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मिलिंद परांडे ने कहा भगवान राम हमारे आदर्श हैं, उनके जीवन को आत्मसात करना ही सच्ची आराधना है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीरामचंद्रजी के कर्तव्यनिष्ठ जीवन से हमें समरसता, शौर्य और सरलता का आदर्श लेना चाहिए, जिससे हमारा पारिवारिक और सामाजिक जीवन सफल हो सके। उन्होंने कहा कि वीर वीरांगनाओं ने बलिदान देकर धर्म और राष्ट्र की रक्षा की है। राम और सीता का जीवन कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है, इसलिए समाज में धर्म और राष्ट्र की रक्षा, कुटुंब व्यवस्था तथा सामाजिक समरसता को बढ़ाने की जिम्मेदारी युवाओं को लेनी चाहिए। बजरंग दल लव जिहाद, धर्मांतरण और गोकशी जैसी घटनाओं के खिलाफ सेवा, सुरक्षा और संस्कार की भावना से समाज में कार्य कर रहा है। मंच पर प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल,संत भास्करानंद महाराज, संत रमेश आनंद पुरी जी महाराज, लखनऊ दक्षिण के जिला अध्यक्ष मनोज मौजूद रहे। मंच का संचालन लखनऊ विभाग के मंत्री योगेश ने किया। कार्यक्रम में विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र, प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप, प्रांत मंत्री देवेंद्र मिश्र, प्रांत प्रचार प्रमुख नृपेन्द्र विक्रम सिंह एवं प्रांत, विभाग एवं जिले के कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वक्फ संशोधन बिल पास होने से अल्पसंख्यक वर्ग को मिलेगा लाभ: जिलाध्यक्ष

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2025 कैबिनेट की मंजूरी के बाद लोकसभा एवं राज्यसभा में बहुमत के साथ पारित होने पर शुक्रवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुभव कटियार ने मिष्ठान वितरण एवं आतिशबाजी कर आम जनमानस को बधाई दी। जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के तहत अल्पसंख्यक वर्ग के शोषित वंचित पीड़ित तबके को भाजपा ने समानता एवं सामाजिक न्याय दिलाने का काम किया है ।

मोर्चा प्रभारी एवं जिला महामंत्री जितेंद्र शर्मा ने कहा कि वर्षों से चले आ रहे अन्याय और भ्रष्टाचार के युग का अंत हुआ है, इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियाँ अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और न्यायसंगत होने वाली हैं। इससे निश्चित ही मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से क्षेत्रीय मंत्री विनोद पाल, महामंत्री शिवम कुशवाहा, अजय, कार्यक्रम संयोजक अंकित सैनी, मंडल अध्यक्ष अजय राजपूत, धरमू पाल, रोहित सैनी, अमित गुप्ता, मिथुन, अभिषेक पाल, राहुल वर्मा के साथ ओबीसी मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।।

स्थापना दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यालय के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित कर कार्यालय और उसके आस पास स्वच्छता की गई। जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद अवस्थी विधायक पंकज गुप्ता व भाजपा पदाधिकारियों के साथ भाजपा कार्यालय को स्वच्छ किया। अवसर पर जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा, कृष्ण कुमार वर्मा जिला मंत्री रजनीश वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष मनीष जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी समीर शुक्ला आईटी प्रमुख अवनीश शुक्ला, नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष मसवासी सुशील रावत भाजपा नेता संदीप पांडे सुशील तिवारी नवीन सिंह विजय द्विवेदी मनोज निगम कमल बाजपेई सनोज यादव संतोष पाल अश्वनी त्रिपाठी मनोज मिश्रा आदित्य जयसवाल शिसिर अस्थाना नीरज शुक्ला संदीप निगम जसमीत कौर विश्वदीप बृजेश अवस्थी दीपांकर मिश्रा जय सिंह कुशवाहा सुनील राठौर लक्ष्मीकांत पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत आईआईटी बीएचयू के शाखा टोली में शामिल हुए

शाखा टोली में खेलकूद की गतिविधियों को देखा,विद्यार्थियों से संवाद

एजेंसी

वाराणसी । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत पांच दिवसीय काशी प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार अपरान्ह में आईआईटी बीएचयू में आयोजित शाखा में शामिल हुए। अपने बीच संघ प्रमुख को पाकर विद्यार्थियों और शिक्षकों की खुशी देखते ही बन रही थी। आईआईटी के शाखा टोली में शामिल हुए संघ प्रमुख ने शांत चित्त एक किनारे खड़े होकर खेलकूद की गतिविधियों को देखा। इस दौरान वहां सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया था। सुरक्षा के अभेद किलेबंदी के बीच संघप्रमुख ने शाखा टोली से संवाद भी किया। टोली में शामिल विद्यार्थियों ने उनसे सवाल भी पूछे। संघ प्रमुख ने आरएसएस के गठन और कार्यशैली को बताया। उन्होंने कहा कि सनातन समाज (हिन्दू समाज) को मजबूत बनाना है। संघ प्रमुख ने संघ की मूल विचारधारा से भी छात्रों को परिचित कराया।

उन्होंने कहा कि भारतीय सनातनी संस्कृति और उसके सभ्यता के मूल्यों को बनाए रखना आपका भी दायित्व है। उन्होंने छात्रों से सवाल किया कि आरएसएस के बारे में बताए। छात्रों ने बताया कि संघ सनातन की रक्षा करने के साथ हिन्दुत्व की विचारधारा को बढ़ावा देता है। इस दौरान संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल, क्षेत्र कार्यवाह डॉ वीरेंद्र,काशी प्रांत प्रचारक रमेश, सह प्रांत प्रचारक सुनील ,काशी दक्षिण भाग के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इसके पहले संघ प्रमुख ने तुलसीपुर महमूरगंज स्थित निवेदिता शिक्षा सदन में प्रातः काल शाखा में भाग लेने के बाद काशी प्रांत के वरिष्ठ प्रचारकों और पदाधिकारियों के साथ दो बार में बैठक किया। बैठक में संघ के गतिविधियों की जानकारी भी ली।

संघ प्रमुख काशी प्रवास के तीसरे दिन शनिवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद वे काशी के प्रबुद्धजन संग भी अलग-अलग बैठक कर संवाद करेंगे। छह अप्रैल को संघ प्रमुख मलदहिया लाजपत नगर जाएंगे और शाखा में शामिल होंगे। इसके बाद शहर के प्रबुद्ध जनों से मिलेंगे। शाम को प्रांत टोली के साथ बैठक करेंगे। सात अप्रैल को लखनऊ के लिए प्रस्थान करने से पहले काशी प्रांत के अनुभवी कार्यकर्ताओं की टोली के साथ बैठक कर उनका मार्गदर्शन करेंगे। इसके बाद प्रांत टोली के साथ भी बैठक कर सकते हैं। बताते चले आगामी एक अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पूरे होने वाले हैं। इसके पूर्व मोहन भागवत का काशी प्रवास बेहद महत्वपूर्ण है।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एस., उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ. रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**PARKING-LKO-MEM-MX-142-24-1 (Parking Mixed)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.04.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.04.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**PARKING-LKO-CIL-MX-148-24-1 (Parking Mixed)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.04.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.04.2025 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**PARKING-LKO-SKN-MX-147-24-1 (Parking Mixed)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.04.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.04.2025 समय 10:50 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended

वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : E-Auction Module of **www.ireps.gov.in**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1016/2025

प्राइवेट स्कूलों में हो रहा अभिभावकों का आर्थिक दोहन, जमकर हो रही लूट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। सरकारी स्कूलों में पठन पाठन के स्तर को बेहतर बनाने के तमाम प्रयास लक्ष्य से दूर नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि अभिभावक बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाने को विवश हैं। यहां उनका जमकर आर्थिक दोहन होता है। प्रवेश शुल्क से किस्सा शुरू होता है जो मासिक शुल्क, वार्षिक शुल्क, खेलकूद शुल्क,वाहन शुल्क,पिकनिक शुल्क,स्वास्थ्य परीक्षण शुल्क, अभिभावक संगोष्ठी,विज्ञान प्रदर्शनी सहित जाने कितने शुल्क पर जाकर ठहरता है। इसमें सबसे अधिक परेशानी मध्यम वर्गीय अभिभावकों को होती है।समय-समय पर अभिभावक इसे लेकर विरोध भी जताते हैं लेकिन सुनवाई नहीं होती है। स्कूल प्रबंधनों और स्थानीय प्रशासन को भी इन सभी चीजों को लेकर कुछ बदलाव करने की जरूरत है। सरकारी स्कूलों को स्तरीय बनाने के साथ प्राइवेट स्कूलों में भी सस्ती शिक्षा उपलब्ध कराना समय की मांग है।

महंगी किताबें और महंगी पीस डाल रही जेब पर बोझ

प्राइवेट स्कूलों के कोर्स व पीस महंगी होने अभिभावकों की जेब पर भारी बोझ पड़ रहा है। हालात यह है कि नर्सरी केजी कक्षा की किताबों का सेट तीन हजार रुपये से लेकर पांच हजार रुपये, कक्षा चार के छात्र का कोर्स करीब छह हजार रुपये में बिक रही है। जनपद के अधिकांश स्कूलों ने अपने कोर्स एक-एक दुकान पर ही रखवा रखे हैं और वही दुकान फिक्स है।

आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावक यदि पुराना कोर्स लेकर अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते है, तो स्कूल हर साल किताबों के लेखक ही बदल देते हैं। कक्षा आठ व उससे ऊपर की कक्षाओं की एक किताब तेरह हजार रुपये तक की है। अभिभावकों का कहना है कि कोर्स की एक या दो किताबें लेना चाहे, तो दुकानदार नहीं देते हैं। पूरा कोर्स खरीदने पर ही दबाव बनाने हैं। अभिभावको का आरोप है कि कई बार स्कूलों की मनमानी की शिकायत की जा चुकी है,लेकिन शिक्षा और प्रशासनिक अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं।उनका कहना है कि हर दुकान पर कोर्स मिलना चाहिए, ताकि अभिभावक की जेब कटने से बच जाएं।

कक्षा एक में आने पर होता दोबारा प्रवेश

जनपद के अनेकों स्कूलों में यूकेजी पास करने के उपरांत कक्षा एक में प्रवेश के लिए दोबारा प्रवेश प्रक्रिया होती है। उसमें प्रवेश शुल्क लिया जाता है। अभिभावकों का कहना है कि जब नर्सरी में डोनेशन फीस दे दी गई थी, तो कक्षा एक में आने पर नया प्रवेश के नाम पर मोटटीफीस वसूल की जाती है।

कोर्स के साथ कॉपी, पेंसिल व कलर के नाम पर वसूली

नया कोर्स खरीदने पर दुकानदार किताबों का पूरा सेट लगा रहे हैं। सेट में किताबों के साथ कापियों व पेंसिल, कलर आदि सामग्री जबरन लगा रहे हैं। आरोप है कि यह कॉपी, पेंसिल बॉक्स आदि अन्य दुकानों पर सस्ते हैं। कमीशन के फ़ेर में अधिकांश स्कूलों यह खेल कर रहे हैं।

गरीबों की जेब पर पड़ रहा डाका, प्रशासन मौन

शिक्षा के नाम पर जिले में जमकर व्यापार किया जा रहा है एक और तो अभिभावकों से प्राइवेट स्कूल संचालक फीस के नाम से मोटी रकम वसूल कर रहे हैं दूसरी ओर किताबों व ड्रेस के नाम पर अभिभावकों की जेब पर खुलेआम डाका डाला जा रहा है। वही जिला शिक्षा विभाग वह जिला प्रशासन भी इसको लेकर गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पुस्तक विक्रेता अभिभावकों से किताब बेचने के नाम पर भारी भरकम रकम वसूल कर रहे हैं।

आखिर कब बंद होगी पुस्तक विक्रेताओं व स्कूल संचालकों की कमीशनबाजी

इनसेट साफ तौर पर कहय जाए कहीं गरीब अभिभावकों को मन चाही फीस के नाम से लूटा जा रहा है।तो कहीं तो किताबों ड्रेस के नाम पर जिला प्रशासन वह शिक्षा विभाग भी इस पर अपनी चुप्पी साधे बैठा है। बड़ा सवाल आखिर कब बंद होगी पुस्तक विक्रेताओं व स्कूल संचालकों की कमीशन खोरी ? वही अभिभावकों ने स्कूल संचालक व पुस्तक वि क्रेताओं की इस कालाबाजारी पर जमकर नाराजगी जाहि र की है।

वक्फ बिल को लेकर जुम्मे की नमाज पर कड़ी सुरक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । वक्फ संशोधन बिल के संसद से पारित होने के बाद गोंडा में जुम्मे की नमाज के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तर ह सतर्क रहा।पुलिस ने जिले में सभी नमाज स्थलों पर ड्रो न कैमरों से निगरानी की।एसपी विनीत जायसवाल ने खुद मोर्चा संभाला।वह पुलिस बल के साथ शहर में लगातार गश्त करते रहे।चौक बाजार स्थित मस्जिद में उन्होंने मुस्लि म समुदाय से मुलाकात की और शांतिपूर्ण तरीके से नमा ज अदा करने की अपील की।पुलिस ने मिश्रित आबादी वा ले क्षेत्रों और मस्जिदों के आसपास विशेष सुरक्षा व्यवस्था की।साथ ही सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी गई, ताकि कोई अफवाह न फैल सके।एसपी जायसवाल ने बताया कि पूरे जिले में नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कहीं कोई प्रदर्शन या विवाद नहीं हुआ।पुलिस प्रशासन अब भी सोशल मीडिया पर गोण्डा पुलिस नजर बनाए हुए है, जिससे कोई माहौल खराब न कर सके।

सैनिक बंधुओं की समस्याओं का समय से करें निस्तारण : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण बंधुओं की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक का संचालन कर रहे सैनिक कल्याण अधिकारी ने सैनिकों से संबंधित समस्याओं को जिलाधिकारी के सम क्ष प्रस्तुत किया।जिस पर जिलाधिकारी ने एक-एक कर सभी सैनिकों से समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा संबंधित को निस्तारण के निर्देश दिये।

बैठक के दौरान सै निक बंधु के द्वारा अवगत कराया गया कि तहसील तरब गंज के अंतर्गत चन्दहा नाले पर नवनिर्माण कराए गए पुल का अप्रोच मार्ग नीचे बैठ गया है,जिससे आवागमन में ग्रा मीणों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।जि स पर जिलाधिकारी ने संबंधित

विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि तत्काल जांच करके पुल का अप्रोच मार्ग सही काराकर अवगत करायें, ताकि ग्रामीणों के आवा गम न में किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो।उन्होंने कहा है कि सैनिकों के समस्याओं का समाधान तत्काल कर वाया जाय। साथ ही सभी सैनिक बंधुओं से संवाद स्था पित किये तथा उनसे बात करते हुए कहा कि यदि आप लोगों को किसी प्रकार की कोई समस्या होती है तो आप सीधे हमारे सीयूजी नंबर पर बात कर सकते हैं।इस अवस र पर अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सहित सैनिक कल्याण से संबंधित अन्य अधिकारी,कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जेडी ने कार्यवाहक प्रधानाचार्य का रोका वेतन दिये अभिलेख प्रस्तुत कराने के निर्देश

0 श्री गंगा बक्श कनोडिया गाँधी इण्टर कालेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य द्वारा ऑडिट जॉच के लिए अभिलेख उपलब्ध न कराने का मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। संयुक्त शिक्षा निदेशक सप्तम मण्डल गोरखपुर ने जनपद के कप्तानगंज स्थित श्री गंगा बक्श कनोडिया गॉधी इण्टर कालेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया है।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने यह कार्रवाई विभागीय अधिकारियों के लगातार निर्देश के बावजूद कार्यवाहक प्रधानाचार्य द्वारा विद्यालय का अभिलेख व आडिट न कराये जाने के कारण की गयी है। इसके साथ ही एक पखवाड़े के

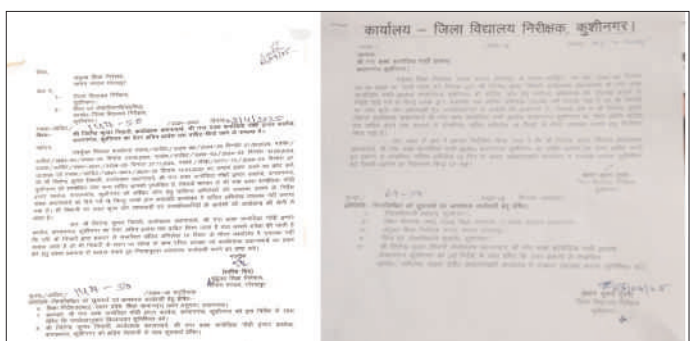

भीतर अभिलेख उपलब्ध न कराने पर संयुक्त शिक्षा निदेशक ने विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता को कार्यवाहक प्रधानाचार्य नियुक्ति करने का निर्देश डीआईओएस को दिया है। संयुक्त शिक्षा निदेशक सप्तम मण्डल गोरखपुर सतीश सिंह द्वारा जारी पत्र संख्या - 147-50/2024-25 दिनांक - 2 अप्रैल-2025 में कहा गया है कि श्री गंगा बक्श कनोडिया गाँधी इण्टर कालेज, कप्तानगंज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी को ऑडिट जॉच के लिए कतिपय अभिलेखों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये थे, किन्तु कार्यवाहक प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी द्वारा अद्यावधि कार्यालय में वांछित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया गया है। श्री त्रिपाठी का उक्त कृत्य घोर लापरवाही एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की श्रेणी में आता है।

प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी, कार्यवाहक प्रधानाचार्य, श्री गंगा बक्श कनोडिया गाँधी इण्टर कालेज, कप्तानगंज का वेतन अग्रिम आदेश तक बाधित किया जाता है। साथ ही इसके संयुक्त शिक्षा निदेशक सप्तम मण्डल गोरखपुर ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया है कि श्री त्रिपाठी द्वारा प्रकरण से सम्बन्धित वांछित अभिलेख 15 दिवस के भीतर कार्यालय में उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो श्री त्रिपाठी के स्थान पर संस्था के अन्य वरिष्ठ प्रवक्ता को कार्यवाहक प्रधानाचार्य का प्रभार देने के लिए संस्था के प्रबन्धक से प्रस्ताव मंगाते हुए नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करे।

ग्राम बोझिया में हल्दी प्रोसेसिंग प्लान्ट का हुआ शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । विकास खण्ड मिहींपुरवा अन्तर्गत सीएससी राज फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा ग्राम बोझिया में स्थापित हल्दी प्रोसेसिंग यूनिट का उप कृषि निदेशक शिशिर कुमार वर्मा ने पंतजलि आयुर्वेद लिमिटेड हरिद्वार के प्रतिनिधि सत्यव्रत के साथ हल्दी ब्यायलिंग, पैकेजिंग व ड्राईंग यूनिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लीड बैंक प्रबन्धक जितेन्द्र कुमार मसंद, नानपारा के एसडीओ कृषि सुधीर कुमार मिश्रा व सदर बहराइच के उदय शंकर सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र नानपारा के कृषि वैज्ञानिक सूर्यबलि व संदीप, बिल मिलिंडा गेट्स फाउण्डेशन टेक्निकल सपोर्ट यूनिट लखनऊ के अरविन्द मिश्रा, प्रत्यूष बायोएनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ प्रियेश चंदन, वीरांगना लक्ष्मी बाई महिला किसान निर्माता कंपनी लिमिटेड के सीईओ विपिन मौर्य व निदेशक मंजू देवी, तथा सीएससी राज किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड के निदेशक अखिलेश प्रताप सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय कृषकगण मौजूद रहे।जनपद के कृषकों द्वारा उत्पादित हल्दी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने तथा उनकी आय में गुणात्मक वृद्धि के उद्देश्य से मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दिशा-निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी मोनिका रानी के प्रयास से 28 दिसम्बर 2024 तहसील एवं ब्लाक मिहींपुरवा के 03 एफपीओ ग्राम गंगापुर की प्रत्यूष बायोएनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड व सीएससी राज फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड तथा ग्राम जरही की वीरांगना लक्ष्मी बाई महिला किसान निर्माता कंपनी लिमिटेड व बाबा रामदेव की कम्पनी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के साथ हल्दी उत्पादन तथा विपणन का एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया था।

डीपीओ केप्रताड़ना से सीडीपीओ ने बच्चो के साथ आत्महत्या करने की दी चेतावनी, मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र कुमार राय के कुकर्म का मामला अभी शान्त नही हुआ कि उनसे जुडा एक और मामला सामने आ गया। कसया की प्रभारी सीडीपीओ ने अपनी विभागीय वाटसप ग्रुप मे (डीपीओ जिसके एडमिन है) अपने बच्चो के साथ आत्महत्या करने की चेतावनी है जो सोशल मीडिया मंच पर चर्चा का विषय बना हुआ है। सीडीपीओ ने डीपीओ शैलेन्द्र कुमार राय व मुख्य य सेविका को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। बताया जाता है कि मामला अवैध धन वसूली का है जिसे सीडीपीओ द्वारा वसूली से मना पर डीपीओ ने सीडीपीओ का सेवा समाप्त कराने खेल शुरु कर दिया। पीडित का आरोप है शैलेन्द्र राय वर्ष 2022 से यह खेल कर रहे है।विभागीय वाटसप ग्रुप में कसया विकास खण्ड की संविदा पर तैनात सीडीपीओ अनुपमा सिंह ने विभागीय वाटसप ग्रुप मे पोस्ट लिखा है कि '' मै आत्म हत्या करने जा रही हू अपने बेटे के साथ, क्योंकि मेरे पास इसके सिवा कोई रास्ता नही है नही बचा है। सीडीपीओ मनोरमा सिंह ने आगे लिखा है कि मेरी मौत की जिम्मेदारी जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र कुमार राय व संविता पर तैनात मुख्य सेविका नीलम तिवारी होगी। क्योकि नीलम तिवारी ही मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगवाकर अपने फायदे के लिए मुझे नौकरी से हटवाया है।

ग्रुप मे डीपीओ से हुई चैट

बताया जाता है कि विभागीय ग्रुप आईसीडीएस कुशीनगरमें डीपीओ शैलेन्द्र कुमार राय और सीडीपीओ अनुपमा सिंह के बीच

बातचीत हुई है। मंगलवार की रात्रि तकरीबन नौ बजकर दो मिनट पर डीपीओ शैलेन्द्र कुमार राय ने पोस्ट लिखा है कि '' आप डायरेक्ट मैम, डीएम सर, सीडीओ मैम से चर्चा कर ले। जिलाधिकारी द्वारा आपके पक्ष को सुनते हुए निदेशालय लिखा गया है और शासन द्वारा निर्णय लिया गया है। आप अपने पक्ष को रखते हुए सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आग्रह डीएम सर, सीडीओ मैम व निदेशालय से कर सकती है। इस पोस्ट के नीचे नौ बजकर पांच मिनट पर डीपीओ शैलेन्द्र कुमार राय अपने पोस्ट को रिवर्स टैग करते अअनुपम सिंह लिखा है। इसके बाद नौ बजकर उन्नीस मिनट पर अनुपमा सिंह ने अपने बच्चो के साथ आत्महत्या करने की चेतावनी देना वाला पोस्ट की है। इसके तत्काल बाद डीपीओ व ग्रुप के एडमिन शैलेन्द्र कुमार राय ने सीडीपीओ अनुपमा सिंह को ग्रुप से रिमूव कर दिया। नतीजतन अनुपमा सिंह रात्रि नौ बजकर चौवन मिनट पर कसया आंगनवाड़ी ग्रुप में आत्महत्या से चेतावनी वाला वह पोस्ट लिखा है जो उन्होने विभागीय ग्रुप आईसीडीएस कुशीनगर में लिखा था।

ऐसी चर्चा है कि सीडीपीओ अनुपमा सिंह द्वारा आत्महत्या की चेतावनी भरा पोस्ट वाटसप के जरिए सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो विभाग मे हड़कंप मच गया। सूत्र बताते है कि जब इसकी जानकारी सीडीओ गुंजन द्विवेदी को हुई तो वह अनुपमा सिंह को गुरुवार को अपने आफिस बुलायी। बताया जाता है कि गुरुवार को अनुपमा सिंह रवीन्द्रनगर विकास भवन स्थित सीडीओ कार्यालय पहुची हुई थी वहा सीडीओ से क्या वार्ता हुई इसकी जानकारी खबर लिखे जाने तक नही हो पायी।

सीडीपीओ ने डीपीओ पर लगाया धन वसूली और प्रताडना का आरोप

सीडीओ कार्यालय पर मीडिया से बातचीत मे बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) अनुपमा सिंह ने कहा कि जब से शैलेन्द्र कुमार राय यहा आये है तब से लगातार उन्हे मानसिक रुप से प्रताड़ित कर रहे है। उन्होंने कहा कि वह अवकाश भी लेती है तो उनका वेतन काट लिया जाता है, मीटिंग मे लेट हो जाती थी तब भी वेतन काट दिया जाता था और लगातार डीपीओ द्वारा धमकी दी जाती थी कि आपका सेवा विस्तार रोक दिया जायेगा। उन्होने कहा कि वह 19 वर्षो से विभाग मे सेवा दे रही है लेकिन आज तक कोई शिकायत नही मिली। सीडीपीओ ने आरोप लगाया कि डीपीओ द्वारा पुष्टाहार पर अवैध धन वसूली के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था वह वसूली करके उनको धन नही दे पा रही थी। इस लिए मेरा सेवा समाप्त कराकर संविदा पर तैनात मुख्य सेविका नीलम तिवारी से वसूली कराते है।

बद्री शाह कान्वेंट स्कूल का हुआ भव्य शुभारंभ

जरवल बहराइच । नगर पंचायत जरवल में बद्री शाह कान्वेंट स्कूल का पुनः हुआ भव्य शुभारंभ, कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी एवं लोकतंत्र सेनानी प्रमोद गुप्ता ने फीता काट कर विद्यालय का शुभारंभ किया।बताते चले सन 1980 में स्थापित बद्री शाह शिशु मंदिर मान्यता प्राप्त विद्यालय जो नगर बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा देने में अग्रणी था। परंतु कोरोना काल में किसी कारणवश यह विद्यालय बंद हो गया था। जिसे अब पुनः इंग्लिश मीडियम बद्री शाह कान्वेंट स्कूल के नाम से शुभारंभ किया गया। आयोजित कार्यक्रम मे ओम प्रकाश अवस्थी, संजय राव ग्राम प्रधान अनिल यादव, संतोष श्रीवास्तव व मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विद्यालय परिवार को आशीर्वाद दिया और विद्यालय की प्रगति के लिए सुझाव भी दिए में विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहन मुरारी यादव ने आये हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम को सुंदर काण्ड का पाठ करके वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ शुरू किया गया। इस अवसर पर कृष्ण कुमार गुप्ता, ग्राम प्रधान नासिरगंज बुधराम यादव,डा.दीपक गुप्ता, उत्तम वर्मा जितेंद्र कसौंधन, मनीष कुमार गुप्ता, सौरभ कसौधन,श्रीओम जायसवाल, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

चार दिन से लापता अनुदेशिका की प्रेम प्रसंग में गला घोटकर हत्या, खरगूपुर में मिला शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। बलरामपुर जिले में तीन दिनों से लापता अनुदेशि का की गला घोट कर हत्या कर दी गई।शव को गोंडा जिले के एक नाले में पुल के नीचे फेंक दिया गया।पति ने एक अप्रैल को पत्नी के गायब होने की गुमशुदगी बलरामपुर जिले के नगर कोतवाली में दर्ज कराई थी।बलरामपुर जिले के एक कंपोजिट विद्यालय में कार्यरत अनुदेशिका की ग ला घोट कर हत्या कर दी गई।शव को खरगूपुर थाना क्षेत्र के गांव गनवरिया के मजरा परसौनी के पास एक पुल के नीचे फेंक दिया।

बलरामपुर पुलिस ने कॉल डिटेल के आ धार पर आरोपी को गिरफ्तार कर बृहस्पतिवार शाम की देर शाम विनीता का शव बरामद किया है।बलरामपुर पुलि स के अनुसार नगर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइंस के रहने वाले मदन ने

पुलिस को सूचना दी की उसकी पत्नी विनीता बाजार गई थी।एक अप्रैल की शाम से वह लापता है।पति ने पुलिस को यह भी बताया कि वह मोबाइल साथ में लेकर गई थी।लेकिन उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।पति की सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू किया।

पुलिस को कॉल डिटेल के आधार पर मिली जानकारी

बलरामपुर जिले की नगर कोतवाली पुलिस और सर्विलांस टीम ने विनीता की कॉल डिटेल खगली तो उमेश कुमार ना म के युवक से बातचीत होने की जानकारी मिली।इस पर पुलिस ने उमेश से पूछताछ शुरू की। शुरुआती दौर में तो वह बातचीत को टालता रहा।बाद में उसने बताया कि वि नीता उसकी नजदीकी थी।आपस में विवाद होने के बाद उसने विनीता की हत्या करके शव को खरगूपुर के गौनरि या के पास एक नाले के किनारे फेंक दिया है।इस सूचना पर बलरामपुर पुलिस ने गोंडा पुलिस को सूचना दी।एसपी गोंडा विनीत जायसवाल ने तत्काल खरगूपुर पुलिस को मौके पर भेजा।बृहस्पतिवार शाम को नाले से शव बरामद किया गया है। इसकी जानकारी बलरामपुर पुलिस को दी गई है।सूचना मिलते ही खरगूपुर थाना प्रभारी प्रदीप सिंह, सीओ सिटी शैलेश सिंह,बलरामपुर सीओ सिटी ज्योति सिंह और फोरेंसिक टीम मौजूद रही। खरगपुर थाना प्रभा री ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत आवेदन की अन्तिम तिथि 7 मई को

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत जनपद में सिविल सेवा परीक्षा, पीसीएस, जेईई, नीट एवं एनडीए/सीडीएस, यूपीएसआई, एसएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु जनपद के विभिन्न केन्द्रों में निःशुल्क प्रशिक्षण कक्षायें संचालित की जा रहीं हैं। उक्त प्रशिक्षण कक्षाओं के शैक्षिक सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु आफलाइन/ऑनलाइन पंजीकरण हेतु इच्छुक छात्र एवं छात्राएं 07 अप्रैल से 07 मई 2025 .तक किसी भी कार्य दिवस में गेंदघर स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी, बहराइच के कार्यालय में अपने समस्त शैक्षिक एवं अन्य प्रमाण पत्रों के साथ ऑफलाइन अथवा अभ्युदय डाट वन पोर्टल पर आनलाईन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये कोर्स कोआर्डिनेटर अवनीश सिंह के मो.न. 6394085751 पर सम्पर्क किया जा सकता है। कर सकते हैं।यह जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय ने बताया कि अभ्यर्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा/काउंसलिंग के आधार पर किया जायेगा। प्रवेश परीक्षा काउंसलिंग का आयोजन माह जून, 2025 के प्रथम सप्ताह में किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि यूपीएससी, यूपीपीसीएस, सीडीएस, जेईई, नीट एवं एनडीए, यूपीएसआई, एसएससी के प्रशिक्षण हेतु चयन आयोग/परीक्षा एजेन्सियों द्वारा मांगी गयी शैक्षिक योग्यता के अनुसार सभी वर्गों के सभी आय वर्ग के अभ्यर्थी आवेदन हेतु पात्र होगें। पात्रता की जानकारी देते हुए सुश्री पाण्डेय ने बताया कि जेईई एवं नीट हेतु कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में अध्ययनरत अथवा उत्तीर्ण, यूपीएससी एवं यूपीपीएससी (सिविल सेवा) परीक्षा के प्रशिक्षण हेतु स्नातक अन्तिम वर्ष के छात्र अथवा उत्तीर्ण, एसएससी व एनडीए परीक्षा हेतु कक्षा 12 में अध्ययनरत अथवा उत्तीर्ण तथा सीबीएस परीक्षा के प्रशिक्षण हेतु स्नातक अन्तिम वर्ष के छात्र अथवा उत्तीर्ण छात्र पात्र होगें।

रक्तदान शिविर के साथ ही ब्लड बैंक व डायलिसिस यूनिट का हुआ शुभारम्भ

नानपारा, बहराइच। नगर के रूपैडिहा रोड स्थित आर0ए0एस0 मेडिसिटी हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर के साथ ही शुक्रवार को विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने ब्लक बैंक का फीता काटकर शुभारम्भ किया एवं डायलिसिस यूनिट का शुभारम्भ चेयरमैन नगर पालिका परिषद अब्दुल वहीद ने किया। इस दौरान विधायक राम निवास वर्मा एवं चेयरमैन अब्दुल वहीद को हास्पिटल के मैनेजिंग डॉयरेक्टर डॉ0 अरशद सिद्दीकी नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ ने बुकें भेंटकर उनका स्वागत किया। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस हॉस्पिटल में वेंटीलेटर, विभिन्न जाँचों के लिए पैथालोजी, अत्याधुनिक उपकरण, आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज एवं आईसीयू जैसी तमाम सुविधायें उपलब्ध है।

दो स्थानों पर लगी आग में खाक हुई 27 बीघा गेहूँ की फसल

बहराइच । उप जिलाधिकारी नानपारा ने बताया कि तहसील नानपारा अन्तर्गत अपरान्ह लगभग 01:30 बजे ग्राम जमालुद्दीन जोत में हुई अग्नि दुर्घटना में लगभग 07 बीघा गेहूँ की खड़ी फसल तथा अपरान्ह लगभग 2.30 बजे ग्राम एलासापुर अगैया में लगभग 20 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जल गई है। उप जिलाधिकारी ने बताया कि राजस्व, पुलिस व अग्निशमन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से मौके पर पहुंच कर आग को नियन्त्रित कर बुझाया गया। उन्होंने बताया कि अग्निकाण्ड में किसी प्रकार की पशु व जनहानि नहीं हुई है। अग्निकाण्ड में हुई क्षति का आंकलन राजस्व कर्मियों से कराया जा रहा है।

डिजिटल कृषि प्रशिक्षण एवं पल्स पोलियो व एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। केएनआईपीएसएस के फरीदीपुर परिसर के कृषि संकाय में दिन शुक्रवार को डिजिटल कृषि प्रशिक्षण एवं पल्स पोलियो व एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता मे सम्पादित हुआ । आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊ के एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम आफिसर अभिषेक ने डिजिटल कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के बहुआयामी पक्षों पर प्रकाश डाला। इन्होंने संस्थान के एन एस एस स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं की राष्ट्रीय पहचान स्थापित करने मे एन एस एस की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। आज एक ही प्लेटफार्म पर एन एस एस से जुड़े युवाओं की बहुपक्षीय जानकारी प्राप्त करने एवं युवाओं के कार्य सम्पादन हेतु सामुदायिक कार्यक्रमों की सूचनाएं बौद्धिक सम्वर्द्धन व रोजगार परक सूचनाएं प्रदान करने के लिए भारत सरकार माय भारत पोर्टल पर युवाओं का डिजिटल रजिस्ट्रेशन करा रही है। कार्यक्रम के दौरान ही इन्होंने विडिओ चलाकर स्वयंसेवको को माय भारत पोर्टल पर नामांकन करने की प्रक्रिया से अवगत कराया। साथ ही साथ ग्रामीण अंचल के किसान सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हों इसके लिए आयोजित कार्यक्रम मे अभिषेक ने संस्थान के एन एस एस स्वयंसेवको को जानकारी दी एवं किसानों को डिजिटली आई डी जनरेट कर लाभान्वित सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वयंसेवको को प्रशिक्षित भी किया। इस मौके पर विज्ञान संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कार्यक्रमाधिकारी डॉ अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि ये दोनों प्रसार कार्यक्रम युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार माय भारत आउटरीच कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। संस्थान मे ये दोनो कार्यक्रम इसी क्रम मे आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी से मिले चेयरमैन, नगर के लिए विशेष पैकेज देने की करी मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर । नगर पालिका परिषद पूरनपुर के अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर नगर पालिका परिषद के विकास के लिए विशेष पैकेज देने की मांग की है। नगर के चौमुखी विकास पर व्यापक चर्चा की मुलाक़ात के दौरान उन्हें अपने कार्यकाल के दो वर्षों में कराये गए सभी विकास कार्यों से सम्बंधित बुकलेट दिखाई जिसकी मुख्यमंत्री ने हार्दिक प्रशंसा की और हमारे कार्यों को देखते हुए आगे भी पूरनपुर नगर पालिका के चौमुखी विकास हेतु विशेष पैकेज देने का आश्वासन भी दिया साथ ही लाइनपार देवी स्थान मंदिर के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण कराये जाने के उपरांत समय रहते प्राप्त हमारे निमंत्रण पर देवी स्थान मंदिर पर आने का भी वचन दिया साथ ही श्री रामलीला मैदान के पुराने नाटक घर के पीछे बनीं अवैध दुकानों को ध्वस्त कराने का भी मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है।

विद्याकलश विद्यालय खानापुर चपरा में बच्चों को स्मार्ट क्लास के साथ समर्पित की गई टॉय ट्रेन

कैनविज टाइम्स संवाददात

अमेठी। विकास खण्ड सिंहपुर के गांव खानापुर चपरा स्थित विद्याकलश हाई स्कूल एवं विद्याकलश प्राइमरी स्कूल में वार्षिक परीक्षा फल वितरित किया गया एवं स्मार्ट क्लास के साथ ही टॉय ट्रेन समर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय बैंड एवं स्काउट व गाइड कलर पार्टी द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे एवं सत्या माइक्रो कैपिटल लिमिटेड नई दिल्ली के सीईओ एवं एमडी विवेक तिवारी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ किया। विद्यालय की छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत किया।

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य नित्यानंद त्रिपाठी ने आये हुये अतिथियों सहित समस्त सम्मानित अभिभावकों का स्वागत अपने भाषण के माध्यम से किया ।विद्यालय के प्रबंधक डॉ आलोक तिवारी ने अतिथियो का स्वागत पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र भेंट किया ।बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों ने सभी अतिथियों को मंत्र मुग्ध कर दिया ।

कार्यक्रम के अगले क्रम में अतिथियों ने विद्याकलश के प्रतिभाशाली बच्चों को मेडल पहना कर सम्मानित किया एवं कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चो को टॉय ट्रेन में बैठा कर राइडिंग के बच्चों को मेडल एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित कर भेजते हुये ट्रेन का उदघाटन किया।विद्यालय के प्रबन्धक डॉ आलोक तिवारी ने बताया विद्याकलश के शिक्षक एवं बच्चे कड़ी मेहनत व लगन के साथ अध्ययन करते हैं ऐसे में बच्चे कभी कभी ट्रेन में बैठ कर लुफ्त उठाते हुये मनोरंजन करेंगे जिससे अध्ययन में उनका मन लगेगा ।अतिथियों ने अगले क्रम में विद्याकलश हाई स्कूल के बच्चों को अंगवस्त्र व मेडल दे कर सम्मानित किया इसके अलावा विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को उनकी प्रतिभा के अनुरूप पुरस्कार दे कर सम्मानित किया। बतौर मुख्य अतिथि विवेक तिवारी ने अपने उदबोधन में बच्चों को लगन एवं निष्ठा से अध्ययन करने की सलाह दी एवं जीवन में सफलता प्राप्त करने के मंत्र दिया।

कार्यक्रम को विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डॉ रामकल्प तिवारी भी संबोधित किया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 आलोक तिवारी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की छात्रा आरज़ू ख़ान एवं अंशिका त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम का समापन विद्यालय गीत के साथ हुआ जिसे सभी शिक्षकों ने एक साथ सस्वर गया। इस मौके पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सिंहपुर के अध्यक्ष सत्येन्द्र तिवारी, कन्हैया लाल त्रिपाठी, परमानंद मिश्रा, डॉ जया त्रिपाठी, राहुल शुक्ला सहित अन्य तमाम अभिभावकगण मौजूद रहे।

तालाब की जमीन पर निर्माण रोकने के लिये डीएम से शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददात

लंभुआ /सुलतानपुर। डीएम सुल्तानपुर से तालाब में हो रहे निर्माण कार्य को रोकने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। विदित हो कि क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा ग्राम सभा मरछा के निवासी रमाशंकर यादव, शिव शंकर यादव सुतगण राजमणि यादव वह शिवम यादव सुत शिव शंकर यादव तालाब गाटा संख्या 400 ग्राम सभा मरछा परगना चांदा तहसील लंभुआ जिला सुल्तानपुर में इन सभी व्यक्तियों द्वारा जबरन नवनिर्माण कार्य किया जा रहा है। क्षेत्रीय लेखपाल ने जब इन सभी व्यक्तियों को इस तरह से अवैधानिक निर्माण को रोकने के लिए कहा गया तो उन्होंने लेखपाल से भी अपनी दबंगई दिखाते हुए कहा कि तुम्हें जो कुछ करना हो कर लो यह निर्माण कर रोकने वाला कोई पैदा नहीं है। इस संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल ने संबंधित थाने में मुकदमा धारा 2/3 दर्ज कराया, इसके बावजूद भी उक्त व्यक्तियों द्वारा नव निर्माण कार्य किया जा रहा है। थकहार कर ग्राम मरछा निवासी ज्ञानेंद्र कुमार मौर्य सुत जंत्री प्रसाद मौर्य ने 4 अप्रैल 2025 को जिलाधिकारी सुल्तानपुर से लिखित रूप में शिकायत की और तालाब की जमीन पर जबरन हो रहे नवनिर्माण को रोकने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। अब देखना यह होगा जिलाधिकारी द्वारा उक्त प्रकरण में क्या कार्यवाही की जाती है। आए दिन इस तरह की शिकायतें देखने को मिल रही हैं कि ग्राम सभा की सुरक्षित जमीनों पर दबंग व्यक्तियों द्वारा कब्जा किया जा रहा है।

हाईवे पर चेकिंग अभियान, 13 ई-रिक्शे सीज दर्जनों के काटे गए चालान

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के दिशानिर्देश के क्रम में यातायात निरीक्षक राम निरंजन दलबल के साथ हाई-वे पर पहुंचकर नियम विरुद्ध फर्राटा भरने वाले ई-रिक्शा की जांच पड़ताल शुरु की। जांच में दर्जनों ई-रिक्शे यातायात नियम की धज्जियां उडाते दिखाई दिए, यातायात पुलिस ने दर्जनों ई-रिक्शे का चालान काटा, साथ ही 13 ई-रिक्शा सीज करते हुए जमा किए गए। इसी क्रम में दो डग्गामार लग्ज़री कार भी सीज की गई, यातायात निरीक्षक राम निरंजन ने बताया कि हाई-वे पर अनाधिकृत तरीके से ई-रिक्शा चल रहा है, जो नियमानुसार सही नही है, यातायात पुलिस हाई-वे पर चलने वाले ई-रिक्शे के विरूद्ध विशेष अभियान चला रही है साथ ही उन्हें जागरूक भी कर रही है कि हाई-वे पर ई-रिक्शा ना चलाए, यातायात नियमों का पालन करें, जिससे आपकी यात्रा मे व्यवधान उत्पन्न न हो। अभियान में यातायात निरीक्षक राम निरंजन, यातायात उप निरीक्षक नरेंद्र बहादुर सिंह, परवेज आलम, काजी हुजूर आलम, मुख्य आरक्षी अरविंद कुमार यादव सहित गार्ड व पीआरडी जवान मौजूद रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी तहसील स्तर पर नहीं करते रात्रि विश्राम मुख्यमंत्री के निर्देशों की उड़ा रहे हैं धज्जियां

पुरनपुर। मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। कि ब्लॉक स्तर और तहसील स्तर के अधिकारी रात्रि विश्राम वही पर करे लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देसो की जमकर उड़ाई जा रही धज्जियां। खंड शिक्षा अधिकारी प्रतिदिन बरेली से अपडाउन करते हैं। बरेली की दूरी पूरनपुर से 100 किलोमीटर से अधिक है। खंड शिक्षा अधिकारी का प्रतिदिन आवागमन होता हैं ।एक दिन भी रात्रि विश्राम तहसील स्तर पर नहीं किया है। इस संबंध में पूर्व में जनपद के गन्ना मंत्री संजय सिंह गंगवार ने पूरनपुर तहसील मुख्यालय पर भरी बरसात के बीच अधिकारियों के आवास पर छापा मारा था। इस दौरान एसडीएम और तहसीलदार गायब मिले थे। दोनों अधिकारी अपनी तहसील छोड़कर जिला मुख्यालय शहर में मौजूद होने की बात फोन पर कही गई थी। अधिकारियों के ऐसे रवैये से नाराज मंत्री संजय सिंह गंगवार ने डीएम को फोन करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस आदेश को याद दिलाया जिसमें स्पष्ट आदेश है। कि तहसील मुख्यालय पर कार्यरत अधिकारी रात्रि में तहसील मुख्यालय पर ही निवास करेंगे। राज्य मंत्री ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव को बताई थी। कि रात्रि में तहसील मुख्यालय पर अधिकारी निवास नहीं करते हैं। लेकिन अधिकारी हैं। कि सुधारने का नाम नहीं ले रहे हैं।और लगातार मुख्यमंत्री के निर्देश की अनदेखी कर रहे हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी ने नगर मे निकाला फ्लैग मार्च

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी द्वारा नवरात्रि, आगामी त्योहार रामनमवी एवं वक्फ संसोधन विधेयक आदि के दृष्टिगत जनपद में शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना सुनगढ़ी व कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत मुख्य बाजार में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। नगर क्षेत्र स्थित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर तैनात पुलिस बल को कड़ी निगरानी एवं पूर्ण सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए,मुख्य बाजार में आमजन के सुगम आवागमन व यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु समुचित प्रबन्ध करने के निर्देश दिए गए नागरिकों से शांति बनाये रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति या घटना की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को देने की अपील की गयी ताकि समय पर आवश्यक कार्यवाही की जा सके। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, क्षेत्राधिकारी नगर दीपक चतुर्वेदी,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली राजीव सिंह, प्रभारी निरीक्षक सुनगढ़ी पवन पाण्डेय सहित पुलिस बल मौजूद रहा हैं।

पंडित जियालाल स्कूल में टॉपर्स को किया गया पुरस्कृत

पूरनपुर। सपहा स्थित पंडित जियालाल स्कूल में बच्चों को परीक्षाफल वितरित किया गया। इस मौके पर सभी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कई बच्चों का चयन आश्रम पद्धति स्कूल व नवोदय विद्यालय में होने पर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सुबह कार्यक्रम का शुभारंभ वार्षिक परीक्षाफल वितरण से हुआ। प्रबंध समिति के सतीश मिश्र व रामनाथ मिश्र, प्रधानाचार्य महेशचंद्र मिश्र व अतिथियों ने बच्चों को प्रगति पत्र दिए। क्लास में पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने वाले बच्चों को मोमेंटो दिए गए और पुरस्कार राशि भी घोषित की गई। क्लास 9 के रुद्रांश शर्मा 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय के टापर रहे। आशीष मिश्रा की 2 बेटियां अनन्या व तान्या और गंगाधर के 3 बच्चे अनमोल, सौरभ व मांडवी अपने कक्षाओं में प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे। सत्यम सिंह पुत्र महेंद्र सिंह निवासी ग्राम बहादुरपुर का चयन आश्रम पद्धति आवासीय विद्यालय भोजीपुरा बरेली में हो गया है। उन विद्यालय प्रबंध कमेटी द्वारा उत्साहवर्धन किया गया। कक्षा 3 में सुमित मिश्रा का पुत्र आयुष दूसरे स्थान पर रहा। प्रबंधक व प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में बच्चों को आशीर्वचन देते हुए और अधिक मेहनत से पढ़ाई करने को कहा। कार्यक्रम का संचालन सचिन तिवारी व अलका सिंह ने किया। इस मौके पर कई अभिभावक व शिक्षक मौजूद रहे।

गर्मी और हीट वेव से बचाव की तैयारी में जुटी नगर पालिका

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जलवायु परिवर्तन होने के बाद इस बार गर्मी अधिक होने की संभावना है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉक्टर आस्था अग्रवाल ने कर्मचारियों को हीट वेव से बचाव के लिए शहर में छिड़काव करने का निर्देश दिए है। नगर पालिका कर्मचारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष के निर्देशों का पालन करते हुए नगर के विभिन्न स्थानों पर छिड़काव किया है। जलवायु परिवर्तन में हो रहे बदलाव को देखते हुए इस बार गर्मी अधिक पड़ने की संभावना दिखाई दे रही है। इन सबको ध्यान में रखते हुए नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉक्टर आस्था अग्रवाल ने सभी कर्मचारियों को बचाव की तैयारी में जुट जाने के दिशा निर्देश दे दिए हैं।

जल जीवन मिशन योजना में भ्रष्टाचार को लेकर युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। जल जीवन मिशन में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भूख हड़ताल और आमरण अनशन करने की बात कही है।युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम सिंह ने कहा कि जल जीवन मिशन को लेकर डबल इंजन की सरकार लगातार अपनी पीठ थपथपा रही है वहीं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जल निगम विभाग की लापरवाही के कारण गांव की सड़के क्षतिग्रस्त कर दी गई है और पानी आपूर्ति हो पा रही है सिर्फ जनता को गुमराह किया जा रहा है। युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम सिंह ने कहा कि यह अमेठी के जनमानस के जनहित का मुद्दा है और जनहित के मुद्दे की आवाज लगातार उठाता रहूंगा।यही नहीं आगे उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई लड़ने की बात कही आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन सिर्फ कागजों पर आंकड़े दिखा रही है धरातल पर सब शून्य है आने वाले दो महीने बाद बरसात में लोगों को इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा।जल निगम और जल जीवन मिशन की कार्यदाई संस्थाएं मनमानी तरीके से काम कर रही हैं।उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन पानी की टंकियो के पास गांव गांव जाकर कर इस भ्रष्टाचार के मामले को जन जन तक पहुंचाने का भी कार्य करेंगे।जिला अध्यक्ष शुभम सिंह के साथ युवक कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं नेताओ ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश प्रताप सिंह, विजेंद्र सिंह, अंशु तिवारी नितेश कुमार, दिवस प्रताप सिंह, राहुल पासवान सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

अवैध तमंचा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

तिलोई,अमेठी,थाना शिवरतनगंज पुलिस ने एक अदद तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवक के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अयोध्या प्रसाद पुत्र गुरू प्रसाद दीक्षित निवासी मांठागांव मजरे महिया सेन्दुरिया थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब पैंतीस वर्ष को गांव गोड़हरी के पास से गिरफ्तार किया गया।

भीखीपुर में लगी आग सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। थाना इन्हौना क्षेत्र की ग्राम पंचायत भीखीपुर के साथ ही पूरे पवार मजरे यूसुफ नगर में शुक्रवार को दोपहर को अज्ञात कारणों से गेहूं की फसल में भीषण आग लग गई।तेज हवा की वजह से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और सैकड़ो बीघा फसल जलने लगी। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। जब तक आग बुझाई जाती करीब दर्जनों किसानों की सैकड़ो बीघा से अधिक फसल जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही हल्का लेखपाल ने स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी है। थाना क्षेत्र के गांव भीखीपुर में गेहूं के खेतों में लगी आग से गांव में अफरातफरी मच गई।अग्निशमन विभाग को सूचना देने के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण खेतों की ओर दौड़े और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।ग्रामीणों ने गेहूं की फसल को पत्तो व पानी धूल आदि से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलते ही हल्का लेखपाल निर्मल मौर्या एवं मानस शुक्ला ने घटना स्थल पर पहुंच कर नुकसान का आकलन किया। हल्का लेखपाल मानस शुक्ला मानस शुक्ला ने बताया कि मोहम्मद इश्तियाक,अब्दुल,आलम, आजाद, मेंहदी, लल्लन, इलियास, फहीम व शबनम बानो के साथ ही अन्य कई किसानों की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई है। इस सम्बंध में उपजिलाधिकारी अमित सिंह ने बताया कि राजस्व कर्मियों की टीम बनाकर मौके पर भेजी गई है। उन्होंने बताया कि राजस्व टीम द्वारा क्षति का आकलन कर रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाई जायेगी।

राजापुर रजबहा में पानी होता तो बुझ सकती थी आग

तिलोई अमेठी। थाना इन्हौना क्षेत्र के गांव भीखीपुर और पूरे पवार में सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल जलकर राख होने की खबर मिलते ही ग्रामीण जब बाल्टी लेकर दौड़े तो उनको माइनरों में धूल उड़ती नजर आई। क्षेत्रीय किसानों की माने तो अगर इस अग्नि काण्ड के दौरान राजापुर रजबहा में पानी चल रहा होता तो आग पर बड़ी ही आसानी से काबू पाया जा सकता था लेकिन सिंचाई विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के चलते नहरों में धूल उड़ रही है और ग्राम पंचायतों में स्थित तालाब सूखे पड़े हुये हैं

ठाकुरद्वारा मंदिर से नगर मे निकाली जाएगी रामनवमी की भव्य शोभायात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। चैत्र रामनवमी के पावन अवसर पर 6 अप्रैल, रविवार को भव्य श्री राम शोभायात्रा निकाली जाएगी।रामनवमी के अवसर पर प्रत्येक साल की तरह इस साल भी शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में शहर के हजारों लोग शामिल होंगे।शहर वासियों को इस शोभायात्रा में बड़ चढ़कर हिस्सा लेने के अपील की है। श्री सनातन धर्म ठाकुर द्वारा मंदिर कमेटी अनुसार यात्रा रविवार दोपहर 2 बजे ठाकुर द्वारा मन्दिर सीमेंट रोड से शुरू होगी शोभायात्रा का मार्ग सीमेंट रोड पूरनपुर से प्रारंभ होगा। यह मुख्य मार्गो से होते हुए स्टेशन चौराहा पहुंचेगी। इसके बाद मैन बाजार से होकर श्री सनातन धर्म ठाकुर द्वारा मन्दिर पर समाप्त होगी श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है आयोजक समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने की अपील की है।

बुलडोजर से नाइंसाफी

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे-कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। जिसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए। ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं। यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगायी थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत-फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे-बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

वक्फ संशोधन बिल: भारत की संपत्तियों का स्वाधीनता दिवस

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 व 2013 में संशोधन कर वक्फ संपत्तियों के विनियमन और प्रबंधन में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों का समाधान कर वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार लाना है। अब ये विधेयक संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया है। इस कानून में संशोधन कानून की जड़ में विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा देश की संपत्तियों को कट्टरपंथी जमात के अवैध कब्जे से रोकने के प्रति उसके 30 वर्ष की सतत साधना का भी एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह साधना क्या है और कैसे 123 की मुक्ति का यह अभियान देश की करोड़ों संपत्तियों को स्वाधीन कर गया, यह जानना जरूरी है।

30 मार्च को वर्ष प्रतिपदा और वित्तीय वर्ष 2025-26 का प्रारंभ होते ही देश की संसद ने एक ऐसा कानून पारित कर दिया जिसे यदि भारत की संपत्तियों का स्वाधीनता दिवस कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 व 2013 में संशोधन कर वक्फ संपत्तियों के विनियमन और प्रबंधन में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों का समाधान कर वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार लाना है। अब ये विधेयक संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया है। इस कानून में संशोधन कानून की जड़ में विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा देश की संपत्तियों को कट्टरपंथी जमात के अवैध कब्जे से रोकने के प्रति उसके 30 वर्ष की सतत साधना का भी एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह साधना क्या है और कैसे 123 की मुक्ति का यह अभियान देश की करोड़ों संपत्तियों को स्वाधीन कर गया, यह जानना जरूरी है। एक शताब्दी पूर्व सरकार द्वारा अधिगृहित सम्पत्तियों का भूस्वामी, स्वयं सरकार द्वारा क्षणभर में बदल दिया जाएगा, कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। तत्कालीन यूपीए की केन्द्र सरकार ने सोचा कि सौ वर्षों से ज्यादा पुराना विवाद 3 मार्च 2014 को जल्दी में बुलाई गई केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक के माध्यम से सुलझा लिया जाएगा। इसी दिन दिल्ली के अति-महत्वपूर्ण स्थानों की 123 भू-सम्पत्तियों को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) व सरकार के लैण्ड एण्ड डेवलपमेंट ऑफ़िस (एलएनडीओ) के कब्जे से छुड़ा कर दिल्ली वक़्फ़ बोर्ड को सौंप दिया गया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संबन्ध में सरकारी अधिसूचना या गजट नोटीफ़िकेशन 5 मार्च 2014 को ठीक उसी दिन जारी हुआ जिस दिन चुनाव आयोग ने देश की 16वीं लोकसभा के चुनाव की घोषणा की। इनमें से कई सम्पत्तियाँ अति सुरक्षा वाले उप राष्ट्रपति भवन के साथ-साथ राजधानी के बेहद संवेदनशील क्षेत्रों में भी हैं। इन सभी सम्पत्तियों के सम्बन्ध में गत 40 वर्षों से अधिक समय से विविध न्यायालयों में वाद चल रहे थे किन्तु वोटों की बिसात आखिर क्या-क्या गुल खिलाती है, किसी से छिपा नहीं है। मामले में थोड़ा और पीछे चलते हैं। बात वर्ष 1970 की है जब अचानक दिल्ली वक़्फ़ बोर्ड ने एकतरफा निर्णय लेते हुए इन सभी सम्पत्तियों को एक नोटिफ़िकेशन जारी कर वक़्फ़ संपत्तियाँ घोषित कर दिया। भारत सरकार ने इस मामले में तुरन्त हस्तक्षेप करते हुए इस निर्णय के विरुद्ध बोर्ड को प्रत्येक सम्पत्ति के लिए नोटिस जारी कर इन्हें वक़्फ़ सम्पत्ति मानने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, सरकार ने बोर्ड के विरुद्ध न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया और सभी 123 संपत्तियों के लिए 123 वाद न्यायालय में दायर किए। मसला यह था कि ये सभी संपत्तियाँ तत्कालीन भारत सरकार ने आजादी से पूर्व वर्ष 1911 से 1915 के दौरान उस समय अधिगृहित की थीं जब अंग्रेजों ने दिल्ली को पहली बार अपनी राजधानी बनाने का निर्णय किया था। बाद में इनमें से 62 को डीडीए को दे दिया था। अधिकांश संपत्तियाँ दिल्ली के कनॉट प्लेस, मथुरा रोड, लोधी कॉलोनी, मानसिंह रोड, पण्डारा रोड, अशोक रोड, जनपथ, संसद मार्ग, करोलबाग, सदर बाज़ार, दरियागंज व जंगपुरा जैसे वीवीआईपी क्षेत्रों में स्थित हैं जिनका मूल्य व महत्त्व आसानी से समझा जा सकता है, जो आज अरबों-खरबों में है। वर्ष 1974 में भारत सरकार ने एक हाईपावर कमेटी का गठन कर इन सम्पत्तियों से जुड़े मामले का अध्ययन कर उसे रिपोर्ट देने का निर्णय लिया। किन्तु सरकार ने जिन्हें इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया वे श्री एसएमएच वर्नी, पहले ही वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष थे। जिससे कमेटी की निष्पक्षता पर पहले दिन से प्रश्नचिह्न लग गया। रिपोर्ट में इन्होंने स्वयं लिखा कि इस कमेटी को दो सम्पत्तियों में घुसने तक नहीं दिया गया जिनमें से एक उप-राष्ट्रपति भवन और दूसरी देश के अतिसंवेदनशील वायरलेस स्टेशन के अन्दर थी। इसके बावजूद जैसा कि पूर्व निर्धारित था, कमेटी ने इन सभी सम्पत्तियों को वक़्फ़ सम्पत्तियाँ घोषित कर दिया। इसके बाद औपचारिकता पूरी करते हुए इंदिरा गांधी की तत्कालीन केंद्र सरकार ने उस वर्ष के आम चुनाव से ठीक पहले 27 मार्च 1984 को जारी ऑफिस आदेश संख्या रू20011/4/74.1-क्रक के माध्यम से इन सभी संपत्तियों को एक रुपए प्रति एकड़ प्रति वर्ष के पट्टे पर वक़्फ़ बोर्ड को देने का निर्णय कर लिया। विहिप ने देखा कि मुस्लिम तुष्टीकरण में आकंठ डूबी केंद सरकार मजहबी कट्टरपंथियों के समक्ष कैसे आत्मसमर्पण कर चुकी है और राजनैतिक दल इस पर अपनी चुप्पी साधे बैठे हैं। तब उसने जून 1984 में जनहित याचिका संख्या डब्(ए) 1512/1984 के माध्यम से दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने न सिर्फ़ सरकारी आदेश पर रोक संबन्धी स्थगन आदेश पारित किया बल्कि सरकार से बार-बार पूछा कि क्या सरकार की कोई ऐसी नीति है कि वह किसी मजहब विशेष को अपनी मजहबी मान्यताओं की पूर्ति हेतु कोई संपत्ति पट्टे पर दे सके। किन्तु, सरकार के पास ऐसी कोई नीति नहीं थी इसलिए कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं आया। दिनांक 26अगस्त 2010 को भारत के तत्कालीन अतिरिक्त महाधिवक्ता श्री पराग पी त्रिपाठी न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए और कहा कि सरकार चार सप्ताह के अन्दर इस संबन्ध में कोई नीतिगत निर्णय लेकर सूचित करेगी। किन्तु, चार सप्ताह की बात तो दूर पूरा वर्ष 2010 बीत जाने पर भी जब सरकार नहीं लौटी तो 27 वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद 12 जनवरी 2011 को उच्च न्यायालय ने विहिप, दिल्ली की याचिका का निस्तारण यह कहकर कर दिया गया कि ल्लभारत सरकार इस मसले पर पुनर्विचार कर छह माह के अन्दर निर्णय ले और तब तक न्यायालय का स्थगन आदेश जारी रहेगा। जिस मसले के समाधान के लिए माननीय उच्च न्यायालय बार-बार कह कर थक गया किन्तु सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी, चुनावी डंके की चोट कानों में पड़ता देख आनन-फ़ानन में यूपीए-2 की मनमोहन सिंह की सरकार की अन्तिम कैबिनेट बैठक में एक बार फ़िर इन सभी 123 सम्पत्तियों को वक़्फ़ बोर्ड को देने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इतना ही नहीं, इस अफ़रातफ़री में सरकार शायद यह भूल गई कि इस संबन्ध में भारत राजपत्र संख्या 566 व कार्यालय आदेश संख्या 661(क) ठीक उसी दिन (यानी 5 मार्च 2014) जारी कर दिया गया, जिस दिन आम चुनाव की घोषणा भारत के चुनाव आयोग ने की थी। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने पहले तो 1995 के वक्फ कानून में वर्ष 2013 में खतरनाक संशोधन किए और फिर उसी को ढाल बना कर सौ वर्ष से अधिक पुरानी सम्पत्तियों को चुनावी वोटबैंक की भेंट चढ़ा दिया था। किन्तु, विहिप यहाँ भी कहाँ हार मानने वाली थी। वह इस निर्णय के विरुद्ध सरकार द्वारा मॉडल कोड ऑफ कन्डक्ट के गंभीर उल्लंघन की शिकायत लेकर चुनाव आयोग पहुँच गया। यहाँ चुनाव आयोग के सरकार का वह आदेश निरस्त कर केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनावों में सत्ताधारी दल करारी हार के बाद जनता की गाढ़ी कमाई से अर्जित संपत्तियों को यूँ फ्री में मुस्लिम वक्फ बोर्ड को दिए जाने के विरुद्ध इन्द्रप्रस्थ विश्व हिन्दू परिषद् एक बार फिर उच्च न्यायालय की शरण में पहुंचा और केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद माननीय न्यायाधीश ने मामले को नई सरकार के समक्ष रखने का आदेश जारी कर दिया। उसके बाद विहिप का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मण्डल केंद्र सरकार से मिला जिसके बाद सरकार ने सभी संपत्तियों का सर्वे कराकर सभी संबंधित पक्षकारों को बुलाया और इन संपत्तियों का कब्जा अपने हाथ ले लिया। जब यह 123 संपत्तियों का विवाद और उससे जुड़ी मुस्लिम तुष्टीकरण की सरकारी नीति को विहिप जनता के बीच ले गई तो जनता को भी लगा कि कहीं न कहीं हमारी व्यक्तिगत, सामाजिक व धार्मिक संपत्तियों को भी तो वक्फ बोर्ड हड़प रहा है। इसके बाद देशभर में वक्फ के नाम पर हो रही अंधेरगर्दी और विधिक भू स्वामियों के अनवरत उत्पीड़न के समाचारों की बाढ़-सी आ गई। पीड़ित पक्षकार जागने लगे और उन्हें भी लगा कि शायद हमारी संपत्तियाँ भी वक्फ बोर्ड के अनधिकृत कब्जे से मुक्त हो जाएं। किन्तु वक्फ अधिनियम में 2013 के संशोधन उनकी राह के रोड़े थे। बात चाहे तमिलनाडु के थिरुचेंथुरई गांव के एक किसान की जमीन की हो या बिहार के गोविंदपुर गांव में बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड द्वारा पूरे एक गांव पर दावे की हो, केरल के एर्नाकुलम जिले के लगभग 600 ईसाई परिवारों की अपनी पुश्तैनी जमीन की हो या कर्नाटक के विजयपुरा में 15,000 एकड़ जमीन को वक्फ भूमि के रूप में नामित किए जाना हो या फिर हजारों सरकारी संपत्तियों को वक्फ घोषित करने के बात हो। कहना होगा कि देशभर में वक्फ बोर्ड एक ऐसा भस्मासुर बन चुका था जो किसी भी संपत्ति पर हाथ रख देता था वह उसी पल उसकी हो जाती थी। किन्तु, पीड़ित पक्षकार उसके विरुद्ध न्यायालय का दरवाजा तक नहीं खटखटा सकता था। पुलिस शासन व प्रशासन सब असहाय थे। 1995 तथा 2013 के वक्फ संशोधनों के माध्यम से उसे इतने असीमित अधिकार दे दिए गए थे जो अभी भारत के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के पास भी नहीं हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की तो हजारों संपत्तियों को तो इसने पहले से ही घेरा हुआ है। और तो और, महाकुंभ के पावन अवसर पर प्रयागराज में त्रिवेणी के पावन तट, संसद भवन, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जैसे देश के अनेक आस्था, विश्वास व गौरव के केंद्र, स्मारक व प्रमुख स्थानों को भी कट्टरपंथी उलेमा व मौलवी अपनी वक्फ संपत्ति बताने लगे थे। विहिप ने इन सबके विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद कर सरकारों को चेताया। ऐसे में वक्फ अधिनियम में संशोधन कर यदि बोर्ड में दो महिलाओं, मुस्लिम वर्ग के वंचित समाज को, दो विशेषज्ञों को और क्षेत्र के जिलाधीश को शामिल कर दिया तो क्यों बवाल होने लगा। यदि किसी भी पक्षकार को न्यायालय जाने की अनुमति दे दी गई, जो अभी तक पीड़ित पक्षकार को नहीं थी, तो क्या यह संवैधानिक नहीं। यदि बोर्ड की संपत्तियों को कब्जे मुक्त कर उनका डिजिटल पंजीयन हो जाए तो क्या अच्छा नहीं। यदि वार्षिक अंकेक्षण हो और संपत्तियों की आय के लाभार्थी गरीब मुसलमान भी हो जाएं तो क्या ठीक नहीं। वक्फ यदि सही मुस्लिम व्यक्ति द्वारा, सही दस्तावेजों के आधार पर, सहमति से हो तो उसमें क्या गलत है। फिर इस अधिनियम के पारित होने से पूर्व जुलाई 2024 से अप्रैल 2025 तक 9 माह से अधिक देशव्यापी गंभीर बहस हुई जिसमें करोड़ों सामान्य देशवासियों, बुद्धिजीवियों, राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक व विधिक कार्यों से जुड़े व्यक्तियों संगठनों व प्रतिनिधियों को संयुक्त संसदीय समिति ने प्रत्यक्ष, परोक्ष व डिजिटल रूप से ना सिर्फ सुना अपितु व्यक्तिगत भेंट कर उनसे सुझाव लिए जो कि शायद भारत के संसदीय इतिहास में एक अभूतपूर्व कदम है। अब आशा की जानी चाहिए कि ये संशोधन देश के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी साबित होंगे और इस बारे में झूठ फैलाकर देश में अशान्ति व अस्थिरता का वातावरण निर्माण करने वालों पर अंकुश लगेगा। वैसे, इस बारे में गृहमंत्री के उस वक्तव्य को बार-बार सुनना चाहिए कि वक़्फ़ कानून को मानोगे कैसे नहीं, कानून भारत सरकार का है, इसे मानना ही पड़ेगा।''

संसार को रामकथा का सार समझना होगा

योगेश कुमार सोनी

परसों यानी 06 अप्रैल को रामनवमी है। धार्मिक मान्यता है कि चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को रामनवमी का पर्व मनाया जाता है। इस त्योहार का देश ही नहीं दुनिया में रह रहे हिन्दुओं और रामभक्तों को बेसब्री से इंतजार रहता हैं। संसार के पालनहार भगवान विष्णु के सातवें अवतार प्रभु श्रीराम हैं। भगवान श्रीराम का आचरण त्याग व तपस्या का प्रतीक है। श्रीराम के चरित्र से सत्य, दया, करुणा, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। विषम परिस्थितियों में भी किस तरह मानव को अपने जीवन को संचालित करना चाहिए यह समझने के लिए भगवान राम का चरित्र मार्गदर्शक है। विडंबना यह है कि हम नई पीढ़ी यह नहीं समझा पा रहे हैं। युवा पीढ़ी क्रोध और कुछ भी न सहने की क्षमता से ग्रसित है। इससे समाज का ताना-बाना छिन्न-भिन्न हो रहा है । वह खुलेपन के नाम पर नग्नता और बेशर्मी करने पर आमादा हैं। यह देखकर देश का भविष्य भी खतरे में लगने लगा है। श्रीराम और माता सीता के वनवास को लोग सिर्फ सुनते हैं लेकिन उसके पीछे का मर्म नहीं समझना चाहते। आजकल युवाओं को तो छोड़िए शादीशुदा दंपत्ति तक एक-दूसरे को दगा देने में लगे हुए हैं। बीते दिनों मेरठ में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। इस घटना के बाद ऐसी खबरों का आना लगातार जारी है। सौ टके का सवाल यह है कि क्या हम अपनी युवा पीढ़ी को भगवान, देवी-देवताओं और संतों के संदेश समझाने में इतने विफल हो चुके हैं कि वह अपने जीवन को संभाल नहीं पा रहे। धर्म और अध्यात्म को लेकर जितना प्रचार-प्रसार हो रहा है क्या उसका एक प्रतिशत भी लोग अपने जीवन में उतार पा रहे हैं। शायद नहीं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि हम ऐसे अंधकार की ओर बढ़ रहे है जहां केवल रुसवाई है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि बच्चों को धर्म से जोड़ें और उसका पालन करना सिखाएं। आज के हाईटेक दौर में मस्तिष्क में ठहराव नाम की चीज खत्म होती जा रही है। इससे लोगों में सहने की क्षमता कम हो गई और युवा आक्रोश में आकर गलत निर्णय ले लेते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में सबसे ज्यादा डिप्रेशन के मरीज बढ़े हैं जिसका कारण यहां अव्यवस्था बताई जा रही है। अव्यवस्था से अभिप्राय यह है कि युवा तरक्की के दौड़ में भागते हैं और धर्म, ज्ञान व संस्कार अर्जित करने के लिए के उनके पास समय नहीं होता। वह विफल होने पर डिप्रेशन में चले जाते हैं।इस वजह से किसी भी घटना व रिश्तों को समझ नहीं पाते। भारत में डिप्रेशन के मरीजों की संख्या कई कारणों से बढ़ने कारण तेज भागदौड़ भरी जिंदगी, मानसिक तनाव, काम का दबाव, सामाजिक और आर्थिक बदलाव, अकेलापन, और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी वजह भी है। लेंसेट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 19.73 करोड़ लोग विभिन्न तरह की मानसिक समस्याओं से ग्रस्त हैं। इनमें 5 करोड़ लोग डिप्रेशन और 6 करोड़ लोग तनाव से ग्रसित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि स्ट्रेस या तनाव का दायरा इस आंकड़े से कहीं ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक तनाव और डिप्रेशन से परेशान रहने वाले ज्यादातर लोग वे शहरी युवा होते हैं जो कॉरपोरेट जगत में काम करते हैं। इस कारण 1990 के बाद भारत में सभी तरह के मानसिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। चिंता की बात यह है कि अधिकांश लोग तनाव और अवसाद को गंभीरता से नहीं लेते। उन्हें लगता ही नहीं कि यह कोई बीमारी है। एक्सपर्ट का कहना है कि जिस तरह शरीर की बीमारियां होती हैं, उसी तरह मन की भी बीमारियां होती हैं। मन की बीमारियां जीवन की गुणवत्ता को बहुत खराब कर देती हैं। यदि महानगरों के संदर्भ में एक घटना से समझें तो बहुत कुछ समझ में आ जाएगा। यदि दो वाहनों की आपस में छोटी सी टक्कर भी हो जाती है तो वह एक-दूसरे पर इस तरह से लड़ते हैं मानो उन्होंने आपस में जायदाद छीन ली हो। पार्किंग विवाद में मर्डर तक कर देते हैं। ऐसी घटनाओं से यह तो तय हो जाता है कि मानव जीवन पर संकट का स्तर बहुत बड़ा होता जा रहा है। आज धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए देशभर में रामकथा हो रही है। रामकथा सुनने लाखों लोग पहुंचते हैं। वह कथा के सार को समझने का प्रयास तो करते हैं पर उसका पालन नहीं करते, लेकिन हमें आने वाली पीढ़ी को सुधारने के लिए उन्हें रामकथा का सार समझाना होगा।

सेहत मंत्र

जिम जाने वाले जरूर खाएं बीन्स की सब्जी मसल्स और हड्डियां होती हैं मजबूत

हरी बीन्स को स्ट्रिंग बीन्स के रूप में भी जाना जाता है और यह आसानी से मार्केट उपलब्ध होता है। इसकी पोषक सामग्री में फाइबर, विटामिन, खनिज और बहुत कम कार्बोहाइड्रेट शामिल हैं। इनमें प्रोटीन, कैल्शियम, आहार फाइबर, आयरन और कई अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी होते हैं। हरी बीन्स में एंटीऑक्सिडेंट की प्रभावशाली मात्रा होती है और यहां तक कि हृदय संबंधी लाभ भी प्रदान करते हैं। हरी बीन्स ओमेगा -3 वसा का भी एक समृद्ध स्रोत हैं। हरी बीन्स के कैरोटीनॉयड और फ्लेवोनोइड सामग्री एंटी इंफ्लामेशन का लाभ प्रदान करते हैं। इसमें मौजूद प्रोटीन, काबोहाइड्रेट और आयरन जैसे पोषक तत्व मसल्स को तेजी से बढ़ाते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं। जो लोग जिम करते हैं उनके लिए हरी बीन्स बहुत फायदेमंद हो सकता है। आप इसकी सब्जी बनाकर खा सकते हैं। बीन्स में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियों के क्षरण को रोकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन ए, के और सिलिकॉन भी हड्डियों के लिए फायदेमंद होते हैं। इन पोषक तत्वों की कमी होने पर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। हरी बीन्स में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो डायबिटीज को बढ़ने से रोकते हैं। इसमें पर्याप्त मात्रा में डायट्री फाइबर्स और कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं। मधुमेह के मरीजों के लिए इसे आदर्श सब्जी माना जाता है। हरी बीन्स में पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जिससे इम्यून सिस्टम बेहतर बनता है। ये कोशिकाओं की क्षति को ठीक करके नई कोशिकाओं के बनने को प्रोत्साहित करता है। हर रोज हरी बीन्स के सेवन से एक खास किस्म के कोलोन कैंसर के होने का खतरा कम हो जाता है। बीन्स के नियमित सेवन से पेट भी स्वस्थ रहता है। इनके सेवन से पाचन संबंधी समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है और गैस, कब्ज और मरोड़ की परेशानी नहीं होती है!

धर्म मंत्र

पराशक्ति और सर्वोच्च देव हैं माता दुर्गा

देवी दुर्गा का निरूपण सिंह पर सवार एक निर्भय स्त्री के रूप में किया जाता है। वे आठ भुजाओं से युक्त हैं जिन सभी में कोई न कोई शस्त्रास्त्र होते है। उन्होने महिषासुर नामक असुर का वध किया। हिन्दू ग्रन्थों में वे शिव की पत्नी दुर्गा के रूप में वर्णित हैं। जिन ज्योतिर्लिंगों में देवी दुर्गा की स्थापना रहती है उनको सिद्धपीठ कहते है। ऐसी मान्यता है कि वहां किये गए सभी संकल्प पूर्ण होते है। हिन्दुओं के शाक्त साम्प्रदाय में भगवती दुर्गा को ही दुनिया की पराशक्ति और सर्वोच्च देवता माना जाता है क्योंकि शाक्त साम्प्रदाय ईश्वर को देवी के रूप में मानता है। वेदों में भी दुर्गा का व्यापक उल्लेख है, किन्तु उपनिषद में देवी का उमा हैमवती अर्थात हिमालय की पुत्री, उमा के रूप में उनका वर्णन किया गया है। पुराण में दुर्गा को आदिशक्ति माना गया है, क्योंकि उन्हें शिव की पत्नी कहा गया है जो आदिशक्ति का एक रूप हैं। शिव की उस पराशक्ति को प्रधान प्रकृति, गुणवती माया, बुद्धितत्व की जननी तथा विकार रहित बताया गया है। एकांकी यानि एक रूप होने पर भी देवी अपनी माया शक्ति से संयोगवश अनेक हो जाती हैं। उस आदि शक्ति देवी ने ही सावित्री ब्रह्मा जी की पहली पत्नी, लक्ष्मी, और पार्वती और सती के रूप में जन्म लिया और ब्रह्मा, विष्णु और महेश से विवाह किया था। यानि तीन रूप होकर भी दुर्गा आदि शक्ति एक ही हैं। देवी दुर्गा के स्वयं कई रूप हैं जो सावित्री, लक्ष्मी और पार्वती से अलग हैं। उनका मुख्य रूप गौरी है, जो शान्तिमय, सुन्दर और गोरा माना जाता है। उनका सबसे भयानक रूप काली है।

पर्यटन

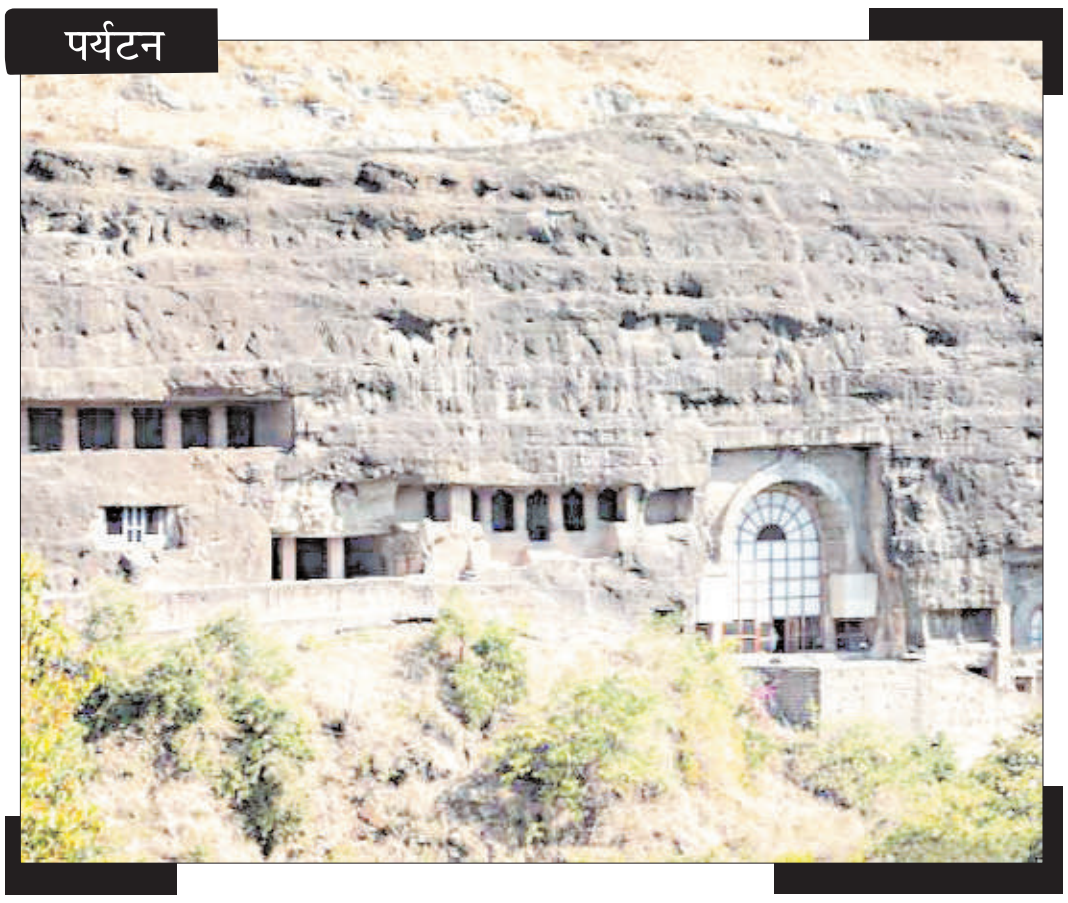

शिल्प और सौंदर्य दोनों में ही बेजोड़ हैं अजंता की गुफाएं

अजंता की गुफाएं 56 मीटर ऊंचाई पर हैं और 550 मीटर के दायरे में फैली हैं। गुफा नंबर आठ सबसे नीची तो गुफा नंबर 29 पहाड़ की चोटी पर स्थित है। कुल मिलाकर यहां 29 गुफाएं देखने को मिलती हैं। इनमें गुफा नंबर 9,10,26, 29 पूजास्थल की तरह हैं तो बाकी विहार के लिए मशहूर हैं। मध्य रेल के स्टेशन भुसावल या जलगांव से यहां सीधे पहुंचा जा सकता है। इन स्टेशनों से अजंता की दूरी 70 किमी. के लगभग है। दूसरा रास्ता औरंगाबाद से होकर आता है। यहां से अजंता की दूरी अधिक लगभग 101 किमी. है। सीएनजी बसों से अजंता घाटी के नीचे पहुंचने और करीब 70 मीटर चढ़ाई चढऩे के बाद आंखों के सामने वह विस्तार था जिसकी कीर्ति हमें यहां तक खींच लाई थी। चारों तरफ हरियाली और ऊंचे पेड़ों से घिरी पहाड़ी में घोड़े की नाल के आकार वाले विस्तार में फैली गुफाओं के दरवाजे अब हमें दिखने लगे थे। बाघोरा नदी, जिसमें अब केवल बरसात और उसके कुछ महीनों में ही पानी रहता है, के किनारे चट्टानों को काटकर इन गुफाओं को बनाया गया है। शिलाखंड़ों को तराशकर एक विशालकाय घाटी के मार्ग में ये गुफाएं आरंभिक बौद्ध वास्तुकला, गुफा चित्रकारी और शिल्पकला का बेजोड़ उदाहरण हैं। मौर्य, वाकाटक, राष्ट्रकूट राजवंशों के अलग-अलग कालखंडों में इन गुफाओं का निर्माण किया गया। 1819 में एक अंग्रेज शिकारी जॉन स्मिथ ने इन्हें खोज निकाला। हमारा सामना सबसे पहले गुफा नंबर एक से हुआ। बौद्ध विहार होने के कारण सभी को गुफा के बाहर ही जूते उतार देने को कहा गया। गुफा के अंदर अंधेरा था। गुफा नंबर एक बीस स्तंभों पर बना बड़ा हॉल है। पूरे हॉल की दीवार और छतों पर चित्रकारी की गई है। इस चित्रकारी को देखने के लिए साथ में टॉर्च जरूरी है। यह टिकट खिड़की से भी कुछ रुपये अदाकर किराए पर ली जा सकती है। इसके बिना चित्रों को देख पाना संभव नहीं है।

भगवत भजन से बदलेंगे विचार सार्थक होगा जीवन : पंकज जी महाराज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था, मथुरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत पंकज जी महाराज 57 दिवसीय शाकाहार-सदाचार, मद्यनिषेध जनजागरण यात्रा के क्रम में अट्ठारहवें दिवस ग्राम शहजादपुर पहुंचे।यहां आयोजित सत्संग समारोह में पंकज जी महाराज ने मानव शरीर के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा इसे हिन्दू महात्माओं ने हरि मन्दिर, मुसलमान फकीरों ने कुदरती काबा, ईशा मसीह ने इसे जिन्दा भगवान का घर बताया। यह इसलिये सबको मिला है कि इसमें विराजमान जीवात्मा को जगाकर अपना आत्म कल्याण कर लें। इसके निमित्त इस कलियुग में सन्तों का अवतरण हुआ जिन्होंने दया करके सुरत-शब्द योग (नाम-योग) साधना का सरल मार्ग आत्म कल्याण हेतु जारी किया और बताया कि सारी आत्मायें शब्द, आकाशवाणी पर उतार कर लाई गयी है। उस शब्द से आत्मा का सम्बन्ध टूट गया अब उसे यह बोध नही रहा कि वह कहाँ से आयी और उसका सच्चा पिता कौन और कहाँ है? प्रभु को पाने वाले सन्त, महापुरूष जब मिल जायेंगे तब रास्ता बता देंगे। साधना और गुरू कृपा से आत्मा में विराजमान दिव्य दृष्टि (तीसरा नेत्र) तीसरा कान खुल जायेगा और आप प्रकाश के चौड़े मैदान में खड़े हो जायेंगे, त्रिकालदर्शी हो जायेंगे। जीवन सार्थक हो जायेगा।संस्थाध्यक्ष ने कहा अभी अपने गुनाहों की भगवान के सामने माफी मांगने का समय है। आप सभी से हाथ जोड़कर अपील है कि मांस, मछली, अण्डा,शराब का खाना पीना छोड़कर जीवन को सात्विक बनायें। अन्यथा भारी संकट में फंसकर खाई और खन्दक में जा गिरेंगे। सभी दुःख भगवान के भजन से जाएंगे।

उन्होंने जयगुरुदेव आश्रम बाईपास, मथुरा में बने बरदानी जयगुरुदेव मंदिर की महिमा पर प्रकाश डालते हुये बताया कि यहाँ बुराईयाँ चढ़ाने पर मनोकामना पूरी होती है। इसी प्रकार भव्य मन्दिर बाबा जयगुरुदेव जी जन्मभूमि खितौरा धाम जिला-इटावा (उ.प्र.) में बना है। जहां सभी धर्म जातियों के लोग आते हैं। शांति व्यवस्था में पुलिस प्रशासन का सहयोग रहा। इस अवसर पर रामचन्द्र यादव, बिहारी लाल, सुखदेव प्रसाद, रामकेश रावत प्रधान, अरविंद कुमार प्रधान, हेमराज, रामानन्द विश्वकर्मा, बबलू वर्मा, वेद प्रकाश, राम गुलाम, रामरतन आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद जनजागरण यात्रा अगले पड़ाव ग्राम रसूलपुर ब्लाक सिद्धौर के लिये प्रस्थान कर गई।

नमाज के बीच अलर्ट रहा प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपर बाराबंकी । वक्फ बिल संशोधन कानून सरकार द्वारा पास किए जाने के बाद प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। शुक्रवार को जुमा की नमाज के दौरान क्षेत्र की सभी मस्जिदों के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई।

कस्बा बदोसराय, किंतूर और मरकामऊ सहित क्षेत्र की मस्जिदों पर पुलिस और राजस्व विभाग की टीमें तैनात रहीं। तहसीलदार शरद सिंह, बदोसराय के कोतवाल संतोष कुमार और लेखपाल संदीप वर्मा सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

उप जिलाधिकारी सिरौली गौसपुर प्रीति सिंह ने भी पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया और कस्बा इचौली की मस्जिद पर उपजिलाधिकारी मौजूद रहीं। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त के बीच जुमा की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

रामसनेहीघाट तहसील में चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं भगवान भरोसे

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने का दावा भले ही सरकार करे, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा राम भरोसे है। कहीं चिकित्सक तो कहीं चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है।ग्रामीणों को इलाज के लिए कोसो दूर भटकना पड़ता है। विकास खंड बनीकोडर के अंतर्गत दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्हौर व पठकनपुरवा में कोई 75000 आबादी के इलाज का दायित्व है। लेकिन यहां पर फार्मासिस्ट व लाइव टेक्नीशियन के सहारे ही अस्पताल चल रहे है। चिकित्सक न होने के चलते ग्रामीणों को फार्मासिस्ट से इलाज कराना पड़ रहा है। कुछ मरीजों को जिला और सी एच सी अस्पताल तक की लम्बी दूरी तय करनी पड़ती है। पठकनपुरवा में फार्मासिस्ट तेजप्रताप वर्मा तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्हौर में लैब टेक्नीशियन संदीप पटेल उपस्थित मिले। कुछ देर बाद दो मरीज पहुंचे तो फार्मासिस्ट ने उनका इलाज किया। प्रसव के लिए तैनात एएनएम भी मौके पर मौजूद नहीं थी। अस्पताल पर इलाज कराने आए मरीजों ने बताया कि चिकित्सक न होने से गंभीर बीमारियों का इलाज कराने के लिए जिला या सी एच सी व जिला अस्पताल पर जाना पड़ता है।

ब्रेक फ़ेल रोडवेज बस पलटी, बाल बाल बचे यात्री

बनीकोंडर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना जैदपुर अंतर्गत अहमदपुर टोल प्लाजा प्रांगण में आज शुक्रवार को सुबह अवध डिपो की बस यूपी 70 एफ टी 0424 का ब्रेक फ़ेल हो जाने से बस लेन नंबर 9 पर पलट गई। टोल प्लाजा मैनेजर रंजीत सिंह के संदेश पर चौकी प्रभारी सौम्य जायसवाल टीम समेत मौके पर पहुंचे और लगभग 25 यात्रियों को बस से बहार निकाला और कुछ चोटिल यात्रियों को उपचार के लिए सीएचसी बनीकोडर भेजा । बस चालक मनोज मिश्रा ने बताया कि अचानक बस का ब्रेक फ़ेल हो गया जिससे बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर में टकराने से बस का टायर फट गया और बस पलट गई।

सीएम योगी दो दिवसीय भ्रमण पर पहुंचे देवी पाटन

बलरामपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के लिए शुक्रवार को बलरामपुर स्थित देवीपाटन मंदिर पहुंचे हैं। रात्रि विश्राम के बाद शनिवार की सुबह कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे और फिर प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री योगी राजकीय हेलीकॉप्टर से आज शाम 5:35 बजे शक्तिपीठ मंदिर देवीपाटन द्वारा संचालित आदिशक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल भावनियापुर हैलीपेड पर उतरा। यहां से मुख्यमंत्री का काफिला सुरक्षा व्यवस्था के बीच देवीपाटन मंदिर पहुंचा है। सुरक्षा कारणों से मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से रोका गया। मुख्यमंत्री के मंदिर प्रवेश के बाद श्रद्धालुओं का आवागमन पुनः शुरू कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी मंदिर में विश्राम के बाद शनिवार को दुर्गा अष्टमी के अवसर पर मां पाटेश्वरी के दर्शन और पूजन करेंगे। गौशाला में गोवंशों को हरा चारा खिलाएंगे। इसके साथ संभावना जताई जा रही है कि वे अष्टमी पूजा भी देवीपाटन में ही कर सकते हैं।

उप्र में भू-माफ़ियाओं के कई 'कमिश्नरेट' बन गये हैं : अखिलेश यादव

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। संसद में वक्फ संशोधन बिल पास होने पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व सांसद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना गुस्सा निकाला है। शुक्रवार को अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि सिर्फ़ गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ या कानपुर ही नहीं सच में देखा जाए तो भाजपा राज में पूरे उप्र में भू-माफ़ियाओं के कई 'कमिश्नरेट' बन गये हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि धर्मार्थ भूमि हो या तालाब अगर इन पर भाजपा संरक्षित, प्रायोजित और पोषित स्थायी भू-माफ़िया सक्रिय हैं तो अवैध खनन या जंगलों की कटाई में अस्थायी भू-माफ़िया दिनदहाड़े ग़ैरक़ानूनी काम कर रहे हैं। 'भारतीय ज़मीन पार्टी' के राज में ज़मीन पर अवैध क़ब्ज़ों का रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाया जा रहा है।

वाराणसी में युवक को बीएचयू के सीटीवीएस विभाग में मिला जीवनदान,जटिल हृदयरोग से था ग्रसित

वाराणसी। जन्म से ही जटिल हृदयरोग से ग्रसित एक 18 वर्षीय युवक को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) स्थित चिकित्सा विज्ञान संस्थान सर सुंदर लाल चिकित्सालय के सीटीवीएस विभाग में नया जीवन मिला है। विभाग में वरिष्ठ चिकित्सक प्रो. सिद्धार्थ लखोटिया के अनुसार एक जटिल ऑपरेशन में मरीज के खराब एरोटिक वाल्व को कृत्रिम वाल्व से बदला गया। और वेंट्रीकुलर सेप्टत डिफ़ेक्ट को सिंथेटिक पैच द्वारा बंद किया गया। अब युवक की स्थिति अच्छी है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हालांकि अब भी वह इन डॉक्टरों की देख रेख में है और कृत्रिम वाल्व के कारण उसको आजीवन दवाइयों पर निर्भर रहना पड़ेगा। प्रो. सिद्धार्थ लखोटिया ने कहा कि वी.एस.डी. रोग हृदय में जन्मजात विकृति है जो रोगियों में जन्म से ही होती है। यदि इसका समय पर इलाज न किया जाए तो कई रोगी समय के साथ फेंफड़ों में उच्च रक्तचाप के शिकार हो जाते हैं। जिसके कारण वी.एस.डी. जैसी बीमारियों मे रक्त का बहाव उलट जाता है। आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रोफ़ेसर एस एन संखवार ने पहली बार की गई इस जटिल सर्जरी के लिए पूरी टीम को बधाई दी है।

ऑपरेटिंग टीम के सदस्य डॉ. नरेंद्र नाथ दास ने बताया कि युवक को बचपन से ही जटिल समस्याएं थीं । जैसे सांस फूलना, सीने में दर्द एवं घबराहट आदि। जब लड़के की जांच कराई गई तो रिपोर्ट में वेंट्रीकुलर सेप्टल डिफ़ेक्ट (हृदय में छेद) एवं लीकेज की बीमारी पाई गई। इस कारण से महाधमनी के वाल्व गंभीर रूप से लीक कर रहे थे । इस स्थिति को आइसेनमेंगर सिंड्रोम कहा जाता है। इस मरीज का समय पर इलाज न होने से एरोटा के लीफलेट प्रोलाप्स ने वी.एस.डी. को लगभग पूरी तरह से बंद करके फेंफड़ों में उच्च रक्तचाप होने से रोक दिया, परंतु वाल्व खराब हो गया। समय पर डॉक्टर से सलाह लेने से यह समस्या सिर्फ हृदय के छेद बन्द करने से ठीक हो सकता थी, लेकिन देर से हॉस्पिटल आने के कारण वाल्व बदलने की भी जरूरत पड़ी। इस ऑपरेशन टीम के सदस्य डॉ. अरविंद पांडे, डॉ. संजीव कुमार, दिनेश मैती, बैजनाथ, ओमप्रकाश, विकास, राहुल, उमेश, अरविंद एवं आशुतोष पांडे रहे।

रोजगार मेलों के लिये नवीन एसओपी तैयार करने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता डॉ. हरिओम की अध्यक्षता में शुक्रवार को कौशल विकास मिशन कार्यालय में समीक्षा बैठक की गयी। इस बैठक में उ.प्र.कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रगति की वार्षिक समीक्षा की गई तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्य-योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने उ.प्र. कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सम्बन्ध में अधिकारियों द्वारा तैयार प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया तथा आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु निर्धारित रणनीति का संज्ञान लिया। प्रमुख सचिव द्वारा मिशन के कार्य क्षेत्र को विस्तारित करने तथा मुख्यालय में कार्मिकों की संख्या में वृद्धि व उनकी क्षमता निर्माण किए जाने पर सहमति व्यक्त की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता में वृद्धि करने के उद्देश्य से डॉ. हरिओम ने प्रत्येक जनपद में एक मास्टर ट्रेनर तैनात करने तथा प्रत्येक त्रैमास में मुख्यालय पर उनकी ट्रेनिंग कराने पर जोर दिया। इसके लिए रिसोर्स पर्सन की सूची तैयार करने के निर्देश प्रदान किये गये। प्रमुख सचिव ने विभिन्न प्रकार घरेलू कामगारों के कौशल विकास और उनके रोजगार को बढ़ावा देने हेतु हर जनपद में इसके लिए डोमेस्टिक हेल्प कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने हेतु निर्देश दिए। डोमेस्टिक हेल्प कौशल प्रशिक्षण केंद्र में संचालित किये जाने वाले उपयोगी पाठ्यक्रमों को भी निर्धारित करने के निर्देश दिये गये।

प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने ऐसे प्रशिक्षण प्रदाताओं को हटाने के निर्देश दिये, जो विगत तीन वर्षों अथवा उससे अधिक समय से अक्रियाशील हैं तथा ऐसे प्रशिक्षण प्रदाता, जिनकी विगत तीन वर्षों की प्रगति असंतोषजनक श्रेणी में है, के आबद्धीकरण को समाप्त किये जाने के निर्देश दिये। उ.प्र.कौशल विकास मिशन में प्रभावशाली संस्थाओं को आबद्ध किये जाने के लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिये। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने उ.प्र. कौशल विकास मिशन द्वारा आयोजित किए जाने वाले रोजगार मेलों के लिये नवीन एसओपी तैयार करने के निर्देश दिये तथा मेलों के आयोजन के लिये सेवा प्रदाता एजेंसी को आबद्ध करने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये।संयुक्त निदेशक द्वारा प्रोजेक्ट प्रवीण योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग को जोड़े जाने के सुझाव पर भी प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम द्वारा सहमति व्यक्त की गई तथा प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम द्वारा ग्रीन एनर्जी सेक्टर में उ.प्र. कौशल विकास मिशन द्वारा प्रदान किया जा रहे विशिष्ट प्रशिक्षण की परियोजना के भौतिक निरीक्षण जनपद इकाइयों से करने के निर्देश भी दिए गए ताकि इसकी गुणवत्ता को बनाए रखा जा सके।बैठक में मिशन निदेशक अभिषेक सिंह, अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह, संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार, वित्त नियंत्रक संदीप कुमार, सहायक निदेशक डॉ. एम. के. सिंह तथा आशीष कुमार के साथ-साथ समस्त प्रबन्धक व सहायक प्रबन्धक मैनेजर उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने की मनमोहक प्रस्तुति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी।विकास खंड के जमुआ स्थित जूनियर हाई स्कूल में शुक्रवार को आयोजित वार्षिकोत्सव संग परीक्षा फल वितरण आयोजन हुआ।उत्सव मे नन्हे मुन्नो ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर मनमोह लिया। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत नामांकन प्रक्रिया भी गतिमान रही और एसएमसी के सदस्यों तथा अभिभावकों ने बच्चों का स्वागत किया तथा बच्चों के नामांकन बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।इस मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान शरद कुमार शुक्ल, प्रधान जमुआ महेश गुप्ता, सुरेश चंद्र कश्यप, प्रधानाध्यापक जमुआ मनोज कुमार, सहायक अध्यापक आसिया रिज़वी, राम चंद्र, सुमंत्र कुमार, देवाशीष मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार व अभिभावक गण

नगराम : सूरज आत्महत्या मामले में युवती समेत पिता व चाचा पर मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम , लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के पालखेड़ा गांव के समीप बीते मंगलवार की रात एक सूरज (22) का शव नीम के पेड़ की डाल से संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला था । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। वहीं युवक के परिजन मामला गांव में ही प्रेम प्रसंग का होने के चलते युवक की हत्या कर शव पेड़ से लटकाए जाने का आरोप प्रेमिका के परिजनों पर लगाते हुए मामला दर्ज कराया है । थाना नगराम थाना क्षेत्र पालखेड़ा मजरा पतौना निवासी रामकिशोर का 22 वर्षीय पुत्र सूरज मंगलवार की दोपहर लगभग 3 बजे से घर से लापता था । रात लगभग 11:30 बजे गांव के ही समीप सूरज (22) का शव नीम की डाल से संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला था , पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रात को ही पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया था। वहीं परिजनों ने गांव निवासी जंगली की पुत्री से प्रेम प्रसंग के चलते बेटे को प्रताणित करती थी , वहीं जंगली पर भी जान से मारने का आरोप है । मामले में नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था , पीएम रिपोर्ट मे आत्महत्या का मामला सामने आया है। मामले में युवती छाया समेत जंगली व जगदीश पर प्रताड़ना समेत जान से मारने की धमकी में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मंदिर परिसर में वृक्षारोपण भानु ने रोपा कल्पवृक्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। चन्दनापुर ग्राम के श्रीदुर्गा मंदिर परिसर में मां दुर्गा वाटिका की स्थापना की गई।मुख्य अतिथि भाजपा नेता अमित सिंह ने नीम का पौधा रोपा जबकि पर्यावरण प्रेमी कुंवर मोनू भास्कर ने कल्पवृक्ष और पारिजात का पौधा लगाया।इस पुण्य कार्य में समाजसेवी श्रीकांत शुक्ला सहित अन्य भक्त ग्रामीण शामिल रहे।क्षेत्रीय वन अधिकारी अल्पना पांडेय ने सभी को श्यामा तुलसी का पौधा भेंट किया।इस दौरान परिसर में नीम पीपल कदंब तुलसी बेल अशोक गुड़हल और पारिजात के पौधे रोपे गए व सुरक्षा में आयरन गार्ड भी लगाए गए।कार्यक्रम में रामनगर रेंज से डिप्टी रेंजर मोहित श्रीवास्तव वन दरोगा श्याम लाल तुषार कुमार रामतिलक वन रक्षक सत्येंद्र व दुर्गेश यादव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कहीं पुस्तक वितरण तो कहीं वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दरियाबाद बाराबंकी।कम्पोंजिट विद्यालय अवशेरगढ़ में पुस्तक वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री दद्दू सिंह, प्रधानाध्यापक साकिब खान, श्रवण कुमार ,ब्लॉक अध्यक्ष श्री सुनील त्रिपाठी संकुल प्रभारी आलोक पाण्डेय,ज्योति सिंह,अमित गुप्ता, मनोज कुमार, मंजू देवी, बीना सिंह व विद्यालय के बच्चे और समस्त विद्यालय परिवार सम्मिलित हुएद्य कक्षा 1 के नये छात्रों को मिठाई खिला कर उन्हे प्रोत्साहन स्वरूप कापियां, पेन देकर उनका उत्साह वर्धन किया।प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में कक्षा- 5 के बच्चों का विदाई समारोह और वार्षिकउत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गयाद्य कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दद्दू सिंह जी , प्रधानाध्यापक सुशील तिवारी ,सुनील त्रिपाठी जी, आलोक पाण्डेय जी, ज्योति सिंह,और अभिभावकगढ़ उपस्थित रहे द्य उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़नपुर मे कक्षा 8 के बच्चों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे प्रधानाध्यापक राम विलास , आदिल खान और अभिभावक उपस्थित रहे।

मेट्रो यात्रियों के सुखद और सुरक्षित यात्रा के लिए किए गए हैं जरूरी प्रबंध : सुशील कुमार

कानपुर। कानपुर मेट्रो में यात्रियों के सुखद, सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए सभी जरूरी प्रबंध किए गए हैं। सभी स्टेशन पूरी तरह से बनकर तैयार हैं। सीएमआरएस से एनओसी मिलने पर जल्द से जल्द पांच नए स्टेशनों पर यात्री सेवाएं आरंभ कर दी जाएंगी। मोतीझील से कानपुर सेंट्रल तक यात्री सेवा विस्तार से शहरवासियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। शहर के प्रमुख विद्यालय, विश्वविद्यालय, अस्पताल, बस स्टैण्ड और रेलवे स्टेशन मेट्रो नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। यह जानकारी शुक्रवार को यूपीएमआरसी प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने दी।

कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के कॉरिडोर-एक (आईआईटी से नौबस्ता) के अंतर्गत मोतीझील से कानपुर सेंट्रल तक यात्री सेवाओं के विस्तार का शुभारंभ जल्द ही होने की संभावना है। शुरू होने जा रहे सभी पांच स्टेशनों के अंडरग्राउंड होने के बाद भी आपने इनके प्रवेश द्वार के ऊपर या इनके निकट बनी ऊंची इमारत पर जरूर गौर किया होगा। यह इमारत अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन की एन्सलेरी बिल्डिंग यानी अनुषंगी या सहायक इमारत कही जाती है।

पंजाब और राजस्थान के मुकाबले में जायसवाल की फॉर्म पर रहेगी निगाह

एजेंसी

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी तो सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल पर टिकी रहेगी जो मैदान के बाहर की घटनाओं के बजाय अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरना चाहेंगे। जायसवाल हाल में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने मुंबई की टीम के अपने एक सीनियर साथी के साथ कथित मतभेदों के कारण घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलने का फैसला किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज आईपीएल में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने दिन मैच में केवल 34 रन बनाए हैं जिसका उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। जायसवाल की खराब फॉर्म का एक कारण उनका मैच

अभ्यास की कमी है क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में वनडे क्रिकेट में पदार्पण के बाद वह आईपीएल से पहले किसी प्रतिस्पर्धी मैच में नहीं खेले थे। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से भी बाहर कर दिया गया था। सैमसन की उंगली में चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को पहले तीन मैच के लिए कप्तान नियुक्त किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि जायसवाल को यह फैसला नागवार गुजरा या नहीं। लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि जायसवाल आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं लेकिन अभी उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में फॉर्म बद से बदतर होने में देर नहीं लगती। रियान पराग की कप्तानी में नेतृत्व कौशल की अनुभवहीनता स्पष्ट नजर आई लेकिन इस बीच उसकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया जिससे उसके खिलाड़ी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जमा कर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया है। वह लंबे शॉट खेलने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। इसका सबूत यह है कि उन्होंने अभी तक केवल दो मैच में 13 छक्के लगाए हैं। अय्यर ने आईपीएल 2024 में 16 मैच में इतने छक्के लगाए थे। यही नहीं अय्यर ने अपने कप्तानी कौशल का भी शानदार नमूना पेश किया है। उन्होंने पहले दो मैच में जिस तरह से ग्लेन मैक्सवेल का स्पिन गेंदबाज के रूप के रूप में इस्तेमाल किया, वह सराहनीय है।

मोटी धनराशि मिलने का मतलब यह नहीं है कि मुझे हर मैच में रन बनाने होंगे: वेंकटेश

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर का मानना है कि उन्हें 23.75 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने का यह मतलब नहीं है कि उन्हें प्रत्येक मैच में बड़ा स्कोर बनाना होगा तथा उन्होंने कहा कि उनका ध्यान टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करने पर है। केकेआर ने मेगा नीलामी में राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके वेंकटेश को फिर से अपनी टीम से जोड़ा था लेकिन वह पहले दो मैच में केवल नौ रन बना पाए थे। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंद पर 60 रन की पारी खेल कर अपनी टीम की 80 रन से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेंकटेश ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, '' मैं झूठ नहीं बोलूंगा, थोड़ा दबाव है। आप लोग इसको लेकर इतनी चर्चा कर रहे हैं। लेकिन (केकेआर में) सबसे अधिक धनराशि पाने वाला खिलाड़ी होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे हर मैच में रन बनाने होंगे। उन्होंने कहा, ''यह इससे जुड़ा है कि मैं टीम के लिए कैसे मैच जीत सकता हूं और मैं क्या प्रभाव डाल सकता हूं। इसको लेकर दबाव नहीं है कि मुझे कितनी धनराशि मिल रही है या मैं कितने रन बना रहा हूं। मुझ पर इस तरह का दबाव कभी नहीं रहा। यह पूछे जाने पर कि क्या केकेआर में सबसे अधिक धनराशि पाने वाले खिलाड़ी होने का दबाव आखिरकार हट गया, वेंकटेश ने मुस्कुराते हुए उल्टा सवाल दाग दिया। उन्होंने कहा, ''आप ही मुझे बताएं। मैं आईपीएल के शुरू से कह रहा हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको 20 लाख या 20 करोड़ मिल रहे हैं। मैं टीम का एक खिलाड़ी हूं जो टीम की जीत में योगदान देना चाहता है। वेंकटेश ने कहा, ''कभी-कभी हमें मुश्किल परिस्थितियों का भी सामना करना होगा जहां मेरा काम कुछ ओवर खेलना होगा, और अगर मैं ऐसा करता हूं और रन नहीं बनाता हूं, तो भी मैंने अपनी टीम के लिए योगदान दिया। कोलकाता के बल्लेबाज पहले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उनमें आक्रामकता का अभाव दिखा लेकिन वेंकटेश ने कहा कि उनकी टीम सोची समझी आक्रामकता पर विश्वास करती है।

संक्षिप्त समाचार

विशेषज्ञों ने खिलाड़ियों को 'हर्बल सप्लीमेंट' के लापरवाह सेवन के प्रति चेताया

पटियाला। शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने यहां नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में हाल में संपन्न एक सम्मेलन में खिलाड़ियों को 'हर्बल सप्लीमेंट' के सेवन में लापरवाही बरतने के प्रति चेतावनी दी। दो दिन के सेमीनार में 'हार्मोनाइजिंग मूवमेंट : शानदार प्रदर्शन के लिए योग को खेल विज्ञान के साथ एकीकृत करने' के बारे में खेल विज्ञान के कई विषयों पर चर्चा की गई। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के हाई परफोरमेंस निदेशक (एथलेटिक्स) वजीर सिंह फोगाट ने बताया कि एथलीट अकसर ताकत, सहनशक्ति, प्रतिरक्षा और उबरने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए 'हर्बल सप्लीमेंट' का सहारा लेते हैं। साई की एक विज्ञप्ति में फोगाट के हवाले से कहा गया, ''आमतौर पर इन सप्लीमेंट को पारंपरिक तौर पर प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जाता है। साई की वैज्ञानिक अधिकारी (पोषण) वाणी भूषणम गोला ने भी अनुचित उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ''कई खिलाड़ी सही मार्गदर्शन के बिना 'हर्बल सप्लीमेंट' का सेवन करते हैं जिसके अधिक सेवन के कारण विषाक्तता या हार्मोनल असंतुलन हो सकता है। वहीं अपर्याप्त सेवन से कोई लाभ नहीं मिलता है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में स्वस्थवृत्त के प्रमुख शिवकुमार हरती ने इस बात पर जोर दिया कि 'हर्बल सप्लीमेंट' में विशिष्ट औषधीय गुण होते हैं और इन्हें एथलीट के व्यक्तिगत लक्ष्यों, ट्रेनिंग के स्तर और उनके शरीर के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए और इन पर निगरानी रखी जानी चाहिए। विशेषज्ञों ने नींद और योग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. सतबीर सिंह खालसा ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की रिकवरी के लिए नींद बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए नींद के बारे में जागरूकता खेल शिक्षा का एक अभिन्न अंग होना चाहिए। भारतीय महिला टीम की पूर्व हॉकी कप्तान रानी रामपाल भी सिंह की बात से सहमत थीं। उन्होंने कहा, ''योग आपके दिमाग को नियंत्रित करने में मदद करता है और दबाव की स्थिति में यह आपको नियंत्रण में रखता है। अब खेलों में दिमाग पर नियंत्रण कौशल या शारीरिक क्षमता से कम महत्वपूर्ण नहीं है।

'उपभोक्ता इंटरनेट स्टार्टअप' की आलोचना करना आसान: गोयल की आलोचना पर जेप्टो के सीईओ

नयी दिल्ली। जेप्टो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदित पालीचा ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की भारतीय स्टार्टअप परिवेश तंत्र और इसकी नवाचार प्राथमिकताओं पर की गई टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को भारतीय स्टार्टअप समुदाय से कहा था कि वे अपना ध्यान किराना सामान की आपूर्ति और आइसक्रीम बनाने से हटाकर सेमीकंडक्टर, मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे उच्च प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्र पर लगाएं। मंत्री ने पूछा था ल्क्या हमें आइसक्रीम या चिप्स बनाना है? पालीचा ने उनकी कंपनी के रोजगार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में योगदान का हवाला देते हुए इसका पुरजोर बचाव किया और इसे ''भारतीय नवाचार में चमत्कार'' करार दिया। प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार को बढ़ावा देने में 'उपभोक्ता इंटरनेट कंपनियों' द्वारा निभाई गई भूमिका को रेखांकित करते हुए पालिचा ने तर्क दिया कि स्टार्टअप परिवेश तंत्र, सरकार तथा भारतीय पूंजी के बड़े वर्ग के मालिकों को इन स्थानीय कंपनियों के निर्माण में सक्रिय रूप से समर्थन करने की जरूरत है, ''न कि उन दलों को पीछे धकेलने की, जो वहां पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 'उपभोक्ता इंटरनेट कंपनियों' से तात्पर्य ऐसी कंपनियों से हैं जो इंटरनेट के जरिये उपभोक्ताओं को उत्पाद या सेवाएं मुहैया कराती हैं पालीचा ने पेशावेर मंच लिंक्डइन पर लिखा, ''भारत में उपभोक्ता इंटरनेट स्टार्टअप की आलोचना करना आसान है, खासकर जब आप उनकी तुलना अमेरिका/चीन में विकसित की जा रही गहन प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता से करते हैं। वास्तविकता यह है कि आज लगभग 1.5 लाख लोग जेप्टो से आजीविका कमा रहे हैं। एक ऐसी कंपनी जो 3.5 साल पहले अस्तित्व में नहीं थी। गोयल ने स्टार्टअप महाकुंभ में कहा था, '' क्या हम डिलिवरी बॉय बनकर खुश रहेंगे३ क्या यही भारत की नियति है३ यह स्टार्टअप नहीं है, यह उद्यमिता है३ दूसरी तरफ क्या हो रहा है रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, 3डी विनिर्माण और अगली पीढ़ी के कारखाने आदि। पालीचा ने कहा कि जेप्टो अब भी एक महान इंटरनेट कंपनी बनने से बहुत दूर है जो वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सके, लेकिन ''वहां पहुंचने के लिए दिन-रात काम कर रही है। उन्होंने कहा, '' मैं वादा कर सकता हूं कि इस व्यवसाय से हम जो भी पूंजी जुटाएंगे (और ईमानदारी से ऐसा लगता है कि हम जुटाएंगे) उसका निवेश भारत में दीर्घकालिक नवाचार और मूल्य सृजन के लिए किया जाएगा।''

आईईएक्स का कारोबार वित्त वर्ष 2024-25 में 19 प्रतिशत बढ़कर 121 अरब यूनिट पर

नयी दिल्ली। बिजली खरीद-बिक्री मंच इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का कारोबार वित्त वर्ष 2024-25 में वार्षिक आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 121 अरब यूनिट रहा। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में यह जानकारी दी। समीक्षाधीन वित्त वर्ष में कंपनी ने कुल 178 लाख अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) का कारोबार हुआ, जो सालाना आधार पर 136 प्रतिशत अधिक है। एक्सचेंज में अगला आरईसी कारोबार सत्र नौ से 30 अप्रैल निर्धारित किया है। आईईएक्स ने मार्च 2025 में 1121.5 करोड़ यूनिट का सर्वाधिक मासिक बिजली कारोबार किया। यह मार्च 2024 की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान कुल 13 लाख आरईसी का कारोबार हुआ, जो मार्च 2024 की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मार्च तिमाही में ऋण में 12.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही के लिए उसका ऋण 12.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12.3 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीओबी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले साल इसी तिमाही में उसका कुल कर्ज 10.9 लाख करोड़ रुपये रहा था। बैंक का कुल जमा 10.25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14.7 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13.35 लाख करोड़ रुपये था। बैंक का कुल कारोबार 11.4 प्रतिशत बढ़कर मार्च तिमाही के अंत में 27.03 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही के बाद 24.25 लाख करोड़ रुपये था। इस बीच, सार्वजनिक क्षेत्र के एक अन्य ऋणदाता बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने पिछले वित्त वर्ष (2024-25) का ऋण चौथी तिमाही के अंत में 13.59 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 5.85 लाख करोड़ रुपये था।

दिल्ली कैपिटल्स को कड़ी चुनौती पेश करने को तैयार सीएसके

एजेंसी

चेन्नई। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुश्किल मुकाबले में जीत के साथ शुरुआत करने के बाद घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले में आत्मविश्वास से भरी दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी। लगातार दो हार के बाद भी सीएसके को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं दिल्ली अपने पिछले दो मैच जीत कर लय हासिल कर चुकी है। पांच बार की विजेता सीएसके के सामने सबसे बड़ी समस्या टीम के संयोजन और संतुलन को सही करना है। शीर्ष क्रम पावर प्ले में विकेट बचाने और अन्य टीमों की तरह तेजी से रन बनाने में विफल रहा है। यह भी चिंता का विषय है कि सीएसके को बीच के ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शीर्ष क्रम अभी तक अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाया है। टीम प्रबंधन ने पहले दो मैचों में विफल रहे दीपक हुड्डा की जगह राहुल त्रिपाठी को जगह दी लेकिन वह भी मौके का फायदा उठाने में विफल रहे। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और रचिन रवींद्र को छोड़कर, शीर्ष क्रम सीएसके को परेशान कर रहा है। रुतुराज ने पिछले तीन मैचों में लगातार तीन टॉस जीते थे और पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना था। इस बात पर कोई सवाल नहीं है कि उन्होंने पहले मैच में गेंदबाजी करने का फैसला किया क्योंकि यह एक नया संस्करण था, नई लाइन अप और नई विकेट थी और वह यह नहीं समझ पाए कि यह कैसा व्यवहार करेगा। बीच के ओवरों में विकेटों का गिरना चिंता का विषय रहा। अगर मुंबई इंडियंस ने 15 से 20 अतिरिक्त रन बनाए होते, तो घरेलू मैदान पर जीत का पीछा करना और भी मुश्किल हो जाता। हालांकि, जीत की शुरुआत के बाद लगातार दो हार ने टीम की लय को रोक दिया है। टीम घरेलू मैदान पर आरसीबी से बड़े अंतर से हार गई थी, जिससे आरसीबी ने चेन्नई में पहली जीत दर्ज करने का 17 साल पुराना मिथक तोड़ दिया। इसके बाद, राजस्थान रॉयल्स से करीबी अंतर से मिली हार ने टीम प्रबंधन को अपनी रणनीति में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। चेन्नई के लिये जरुरी है कि शीर्ष क्रम को फिर से फॉर्म में आये। इसके अलावा फॉर्म में चल रहे रचिन रवींद्र के साथ डेवोन कॉनवे को शामिल करना अधिक विवेकपूर्ण होगा। टीम प्रबंधन को अधिक संतुलित मध्यक्रम के मुद्दे पर भी ध्यान देना चाहिए, जो खराब शॉट चयन के कारण विकेट खोने के बजाय बीच के ओवरों में स्ट्राइक रोटेट करेगा, जिसकी वजह से टीम को पिछले दो मुकाबलों में भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। तेज गेंदबाज खलील अहमद पावरप्ले में सफलता दिलाने में माहिर हैं, उन्होंने आईपीएल में अब तक 25 से अधिक विकेट लिए हैं, जबकि जेमी ओवरटन के अपनी जगह बरकरार रखने की संभावना है। स्पिन विभाग अनुभवी ऑफ स्पिनर आर. अश्विन और रवींद्र जडेजा के हाथों में है, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद अपनी शानदार विविधताओं के साथ पर्पल कैप तालिका में शीर्ष पर हैं।

प्रणवी जोबर्ग ओपन में संयुक्त चौथे स्थान पर

जोहानिसबर्ग। भारत की प्रणवी उर्स ने जोबर्ग महिला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दौर के शुरुआती 13 होल में पांच अंडर का स्कोर बनाया। जब खेल रोका गया तब कई खिलाड़ी पहले दौर को पूरा नहीं कर पाए थे। प्रणवी पांच होल शेष रहते हुए संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। इंग्लैंड की मिमी रोड्स 18 होल पूरे करने में सफल रहीं। वह अभी आठ अंडर 65 के स्कोर के साथ सबसे आगे चल रही हैं। प्रणवी ने दसवें होल में बोगी के साथ शुरुआत की, लेकिन फिर बैक नाइन पर शेष आठ होल पर पांच बर्डी के साथ अच्छी वापसी की। उन्होंने इसके बाद दूसरे होल में भी बर्डी बनाई। प्रणवी के अलावा अन्य भारतीय खिलाड़ियों में दीक्षा डागर (71) ने अपना राउंड पूरा किया था और वह संयुक्त 21वें स्थान पर हैं। अवनी प्रशांत और त्वेसा मलिक का दिन खराब रहा। दोनों ने चार ओवर 77 का स्कोर किया और वे संयुक्त 107वें स्थान पर हैं।

सर्राफा बाजार में बड़ी गिरावट, 1,190 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी 4,900 रुपये टूटी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी में जबरदस्त गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,090 रुपये से लेकर 1,190 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 4,900 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 91,640 रुपये से लेकर 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 84 हजार रुपये से लेकर 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आई गिरावट के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 99 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 84,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 84 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 84,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है।

निर्यातकों ने अमेरिकी शुल्क पर खरीदारों के साथ बातचीत शुरू की

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका के नौ अप्रैल से भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद घरेलू निर्यातकों ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने इन उच्च दरों को वहन करने के तरीके तलाशने के लिए अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय आपूर्तिकर्ताओं और अमेरिकी खरीददारों के बीच बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है, क्योंकि इन शुल्क से निर्यात तथा रोजगार सृजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, '' हमें इस अभूतपूर्व स्थिति से निपटने के बारे में उनसे बात करनी होगी। लुधियाना स्थित हैंड टूल (इंजीनियरिंग क्षेत्र की वस्तु) निर्यातक ने कहा कि घरेलू बाजार में इस्पात की उच्च लागत के कारण यह क्षेत्र उच्च शुल्क को वहन करने में सक्षम नहीं होगा। रल्हन ने कहा, इस पर सरकार सुरक्षा शुल्क लगाने पर विचार कर रही है, उन्हें इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। अमेरिकी शुल्क मांग को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ इस्पात की कीमतें पिछले पांच दिन में ही 50,000 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से बढ़कर 55,000 अमेरिकी डॉलर प्रति टन हो गई हैं। चमड़ा क्षेत्र के एक निर्यातक ने कहा कि उन्होंने इस मामले पर अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। भारत के प्रमुख जूता-चप्पल निर्यातक एवं फरीदा समूह के चेयरमैन रफीक अहमद ने कहा, '' शुल्क से अमेरिका में चमड़े के सामान की मांग प्रभावित होगी। खरीदार चाहते हैं कि हम उनके नुकसान को साझा करें। अमेरिकी खरीदारों ने हमसे कुछ समय के लिए उत्पादन रोकने को कहा है। वर्तमान में अमेरिका करीब 10 प्रतिशत शुल्क लगाता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय में इस क्षेत्र के लिए अमेरिकी बाजार का आकार छोटा हो जाएगा क्योंकि मांग में कमी आएगी।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की आंच से झुलसा विश्व, दुनिया के 500 अमीरों को लगा 17.73 लाख करोड़ रुपये का चूना

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिका समेत विश्व के ज्यादातर देशों के स्टॉक मार्केट बड़ी गिरावट का शिकार हो गए हैं, जिसकी वजह से दुनिया के सबसे अमीर 500 लोगों को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार ग्लोबल लेवल पर बाजारों में आई जोरदार गिरावट के कारण विश्व के टॉप 500 अमीरों की दौलत में 20.80 हजार करोड़ डॉलर यानी करीब 17.73 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। बताया जा रहा है कि कोरोना महामारी के बाद एक दिन में दौलत में आई ये सबसे बड़ी गिरावट है, जबकि पिछले 13 साल के इतिहास में एक दिन में ये चौथी सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के

बाजार की गिरावट के बावजूद अडाणी की बढ़ी दौलत

आंकड़ों के अनुसार बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण सबसे अधिक नुकसान मेटा (फ़ेसबुक) के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को हुआ है। उनकी दौलत 1 दिन में ही करीब 17.9 अरब डॉलर यानी करीब 9 प्रतिशत घट कर 189 अरब डॉलर के स्तर पर आ गई। इस साल जनवरी से लेकर फरवरी के मध्य तक मेटा के मार्केट कैप में करीब 35 हजार डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन फरवरी के दूसरे पखवाड़े से लेकर अभी तक यह कंपनी लगातार गिरावट का सामना कर रही है। इस अवधि में मेटा के शेयर करीब 28 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। दुनिया भर के बाजारों में आई गिरावट के कारण नुकसान झेलने वालों में दूसरा स्थान

अमेजॉन के फाउंडर जैफ बेजॉस का है। अमेजॉन के शेयर गुरुवार के कारोबार में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गए। अप्रैल 2022 के बाद अमेजॉन के शेयर में एक दिन में ये सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण जैफ बेजॉस की दौलत एक दिन में ही 15.9 अरब डॉलर घटकर 201 अरब रह गई। अमेजॉन के शेयर इस साल फरवरी में अपने सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गए थे, लेकिन उसके बाद से लेकर अभी तक ये शेयर करीब 25 प्रतिशत टूट चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू की गई नई टैरिफ पॉलिसी से उनके करीबी सहयोगी और दुनिया के सबसे दौलतमंद व्यक्ति एलन मस्क भी नहीं बच सके हैं। गुरुवार की गिरावट में दौलत गंवाने वालों में एलन मस्क तीसरे स्थान पर रहे हैं। बाजार में आई कमजोरी के कारण एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर 5.5 प्रतिशत तक टूट गए, जिसकी वजह से मस्क की संपत्ति 11 अरब डॉलर कम होकर 322 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। स्टॉक मार्केट्स में गुरुवार को चली आंधी के कारण दुनिया के पांचवें सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अर्नॉल्ट की दौलत 6.22 अरब डॉलर घट कर 163 अरब डॉलर के स्तर तक आ गई। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के तहत यूरोपीय यूनियन पर 20 प्रतिशत का फ्लैट टैरिफ लगाया गया है। इसकी वजह से लग्जरी गुड्स और अल्कोहल का निर्यात भी काफी प्रभावित हुआ है। नई टैरिफ व्यवस्था के कारण फ्रांस में लिस्टेड क्रिश्चियन डियोर, बुल्गारी और लोरो पियाना के शेयरों को करारा झटका लगा है।

वक्फ का प्रमुख पहलू धार्मिक नहीं बल्कि संपत्ति-केंद्रित प्रशासन : अल्पसंख्यक मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का कहना है कि भारत में वक्फ प्रणाली को लंबे समय से धार्मिक चश्मे से देखा जाता रहा है। वक्फ का प्रमुख पहलू इसके धार्मिक अर्थों में नहीं बल्कि इसके संपत्ति-केंद्रित प्रशासन में निहित है।

मंत्रालय के अनुसार कानूनी प्रावधानों, न्यायिक व्याख्याओं और नीतिगत विकास की एक नजदीकी जांच यह स्पष्ट करती है कि वक्फ मुख्य रूप से धार्मिक अभ्यास के बजाय संपत्ति प्रबंधन, प्रशासन और शासन का मामला है। वक्फ अधिनियम, 1995 बाद के संशोधनों के साथ, वक्फ संपत्तियों के विनियमन, उनके उचित प्रशासन और उपयोग को सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। वक्फ अधिनियम, 1995, वक्फ को इस्लामी कानून द्वारा पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए मुस्लिम व्यक्ति द्वारा चल या अचल संपत्ति के स्थायी समर्पण के रूप में परिभाषित करता है। हालांकि, वक्फ का प्रमुख पहलू इसके धार्मिक अर्थों में नहीं बल्कि इसके संपत्ति-केंद्रित प्रशासन में निहित है। वक्फ अधिनियम की धारा 96 केंद्र सरकार को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और कल्याणकारी मामलों को कवर करते हुए वक्फ संस्थानों की धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों को विनियमित करने का स्पष्ट रूप से अधिकार देती है। केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) और राज्य वक्फ बोर्ड (एसडब्ल्यूबी) संरक्षक और नियामक के रूप में कार्य करते हैं, वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। भारतीय अदालतों ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन एक धर्मनिरपेक्ष कार्य है, जो धार्मिक प्रथाओं से अलग है। कई मामले इस सिद्धांत की पुष्टि करने में महत्वपूर्ण मिसाल के रूप में काम करते हैं, जिनमें शामिल हैं: सैयद फजल पूकोया थंगल बनाम भारत संघ (केरल उच्च न्यायालय, 1993): निर्णय में स्पष्ट किया गया कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है, न कि मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधि। इसकी प्राथमिक भूमिका वक्फ संपत्तियों के उचित प्रशासन को सुनिश्चित करना है।

हाफिज मोहम्मद जफर अहमद बनाम यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड (इलाहाबाद उच्च न्यायालय): अदालत ने फैसला सुनाया कि वक्फ संपत्ति में एक मुतवल्ली (वक्फ प्रशासक) का कोई मालिकाना हित नहीं है, जिससे यह पुष्ट होता है कि वक्फ प्रशासन पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष है।

तिलकायत श्री गोविन्दलालजी महाराज बनाम राजस्थान राज्य (सर्वोच्च न्यायालय, 1964): सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मंदिर की संपत्तियों का प्रबंधन एक धर्मनिरपेक्ष कार्य है, जो वक्फ संपत्तियों पर लागू एक मिसाल कायम करता है।

भारत में वक्फ संपत्ति प्रबंधन कुप्रबंधन, अतिक्रमण और पारदर्शिता की कमी से ग्रस्त है। वामसी पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, 58,898 से अधिक वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण है। कई मामले वक्फ भूमि के दुरुपयोग और अवैध अधिग्रहण को उजागर करते हैं: बिहार के गोविंदपुर में (अगस्त 2024) बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने एक पूरे गांव के स्वामित्व का दावा किया, जिससे कानूनी लड़ाई हुई।

केरल में (सितंबर 2024) लगभग 600 ईसाई परिवारों ने अपनी पैतृक भूमि पर वक्फ बोर्ड के दावे का विरोध किया।

सूरत नगर निगम मुख्यालय को सरकारी भवन होने के बावजूद मनमाने ढंग से वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया।

ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां गैर-मुस्लिम संपत्तियों को मनमाने ढंग से वक्फ की संपत्ति घोषित किया गया था, जिससे अनियंत्रित प्रशासनिक शक्ति के बारे में चिंता बढ़ गई थी:

तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने पूरे तिरुचेंथुराई गांव पर दावा किया, जिससे निवासियों के संपत्ति अधिकार प्रभावित हुए।

132 संरक्षित स्मारकों को उचित दस्तावेज के बिना वक्फ संपत्तियों के रूप में घोषित किया गया था।

इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, वक्फ प्रशासन में अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता लाने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया गया था। प्रमुख प्रावधानों में शामिल हैं:

धारा 40 का उन्मूलन, जिसने वक्फ बोर्डों को एकतरफा किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति दी। वक्फ अभिलेखों का डिजिटलीकरण, बेहतर संपत्ति ट्रैकिंग को सक्षम करना और अवैध दावों को कम करना। विवादों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए वक्फ न्यायाधिकरणों को सुदृढ़ करना।

जवाबदेही बढ़ाने के लिए वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना है।

वक्फ प्रणाली, जबकि ऐतिहासिक रूप से धार्मिक बंदोबस्ती है, भारतीय कानून के तहत एक संपत्ति प्रबंधन इकाई के रूप में कार्य करती है। वक्फ को नियंत्रित करने वाला कानूनी ढांचा, न्यायिक फैसले और प्रशासनिक संरचनाएं इसकी धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को रेखांकित करती हैं। वक्फ प्रबंधन में चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यवस्थित सुधारों की आवश्यकता है, जैसा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रस्तावित है। पारदर्शिता, जवाबदेही और कानूनी निरीक्षण सुनिश्चित करके, वक्फ संपत्तियां गैर-मुसलमानों और अन्य हितधारकों के अधिकारों का उल्लंघन किए बिना अपने इच्छित धर्मार्थ उद्देश्यों की पूर्ति कर सकती हैं।

पेज एक का शेष

राज्यसभा...

क्योंकि आप (कांग्रेस) ने इतने लंबे समय तक देश में राज करने के बावजूद मुसलमानों की चिंता नहीं की। वक्फ संपत्ति में कोई दखल नहीं दिया जा रहा है। यह एक वैधानिक निकाय है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल में 22 मेंबर होंगे। एक्स ऑफिशियो मेंबर को मिला कर 4 से ज्यादा गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होंगे। वक्फ बोर्ड के 11 सदस्यों में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम नहीं होंगे। यह साफ तौर पर बताया जा चुका है।

संशोधन विधेयक पर विपक्षी दलों के रुख की आलोचना करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ''वे सच स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि विपक्ष वक्फ बिल को असंवैधानिक बता रहा है लेकिन असंवैधानिक क्यों है? इसके पीछे तर्क नहीं दे पा रहे। इसलिए मैंने उम्मीद छोड़ दी है कि वो लोग समझेंगे। किरेन रिजिजू ने कहा कि एक बार वक्फ बन जाने के बाद आप इसे उलट नहीं सकते। यदि कोई वक्फ किसी संपत्ति की घोषणा करता है, तो आपको इसके बारे में सावधानीपूर्वक सोचना चाहिए। क्योंकि एक बार यह घोषित हो जाने के बाद आप इसकी स्थिति को नहीं बदल सकते। उन्होंने कहा कि सीएए पर भी इसी तरह का दुष्प्रचार किया गया था लेकिन बाद में किसी का कोई नुकसान नहीं हुआ। इसके बावजूद दुष्प्रचार करने वाले किसी ने माफी नहीं मांगी। यह वक्फ संशोधन विधेयक देश के मुसलमानों के तरक्की और हित में है, इसलिए सदन के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि इसे पास करने में सहयोग करें।

इससे पहले, गुरुवार दोपहर को सदन में बिल पेश करते समय किरेन रिजिजू ने कहा कि इस पर तार्किक और सार्थक चर्चा होनी चाहिए। कुछ सदस्यों का कहना है कि संयुक्त संसदीय समिति में जितनी चर्चा होना चाहिए थी, वह नहीं हुई लेकिन देशभर में सभी स्टेक होल्डर्स और धार्मिक संस्थाओं आदि से चर्चा के बाद इसे संसद में लाया गया। जेपीसी ने इस पर अत्यंत व्यापक काम किया। कुल मिलाकर 284 संगठनों, स्टेक होल्डर्स ने ज्ञापन दिया। एक करोड़ लोगों ने इस पर अपना मंतव्य दिया। राज्य सरकारों से भी इस पर विचार-विमर्श किया गया। गुरुवार तड़के इसे लोकसभा से पारित किया गया। उसके बाद आज इसे राज्यसभा में पेश किया जा रहा है।

'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' के साथ इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए 'मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2025' लाया गया है। नए विधेयक का नाम अंग्रेजी में यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट इंपावरमेंट इफिशिएंट एंड डेवलपमेंट बिल (उम्मीद बिल) रखा गया है। हिन्दी में यह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा।

संसद...

पेश किया गया। सत्र के पहले हिस्से में दोनों सदनों में बजट पर सामान्य चर्चा हुई। लोकसभा में 16 घंटे 13 मिनट चर्चा हुई, जिसमें 169 सदस्यों ने हिस्सा लिया तथा राज्यसभा में 17 घंटे 56 मिनट चर्चा हुई, जिसमें 89 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

सत्र के दूसरे भाग में रेल, जलशक्ति और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालयों की अनुदान मांगों पर चर्चा और मतदान किया गया। विनियोग विधेयक भी 21 मार्च को ही लोकसभा में पारित किया गया। 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों के अंतिम बैच, 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों और मणिपुर राज्य के संबंध में 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों तथा 2025-26 के लिए लेखानुदान मांगों संबन्धी विनियोग विधेयकों को भी लोकसभा में पारित किया गया। वित्त विधेयक 2025 भी लोकसभा द्वारा 25 मार्च को पारित किया गया।

राज्यसभा में शिक्षा, रेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा की गई। सदन ने 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों के दूसरे और अंतिम बैच 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों और मणिपुर राज्य के संबन्ध में 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों तथा वर्ष 2025-26 के लिए लेखानुदान मांगों से संबन्धित विनियोग विधेयकों को 18 मार्च को लौटा दिया। 2025-26 के लिए केंद्र की अनुदान मांगों संबन्धी विनियोग विधेयक और वित्त विधेयक 2025 को भी राज्यसभा ने 27 मार्च को लौटा दिया। इस तरह दोनों सदनों में वित्तीय कार्य 31 मार्च से पहले पूरा कर लिया गया।

मणिपुर के सम्बन्ध में 13 फरवरी को लगाए गए राष्ट्रपति शासन अनुच्छेद 356 (1) की उद्घोषणा का अनुमोदन करने वाले सांविधिक संकल्प को भी दोनों सदनों ने 3 और 4 अप्रैल को स्वीकृत कर दिया। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को भी दोनों सदनों से पारित किया गया तथा मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 को भी निरस्त किया गया। इन दोनों बिलों को पारित करने के लिए दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) क्रमशः 15 और 17 घंटे से अधिक बैठे, जो अभूतपूर्व है। त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक 2025, आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक 2025, बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक 2025 पारित किए गए।

इस सत्र के दौरान कुल 11 विधेयक (लोकसभा में 10 और राज्यसभा में 1) पुरःस्थापित किए गए। 16 विधेयक लोकसभा द्वारा पारित किए गए तथा 14 विधेयक राज्यसभा द्वारा पारित किए गए/लौटाए गए। इस प्रकार दोनों सदनों द्वारा पारित/ लौटाए गए विधेयकों की कुल संख्या 16 है। इस बजट सत्र में लोकसभा की उत्पादकता करीब 118 प्रतिशत और राज्यसभा की उत्पादकता करीब 119 प्रतिशत रही। एक सवाल के जवाब में रिजिजू ने बताया कि वक्फ बिल पर मत विभाजन के दौरान कुछ गैर भाजपा दलों के सदस्यों ने अंतरात्मा के आवाज पर बिल के पक्ष या विपक्ष में वोटिंग की थी।

प्रधानमंत्री...

(निरसन) विधेयक का पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के लिए हमारी सामूहिक खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इससे विशेष रूप से उन लोगों को मदद मिलेगी जो लंबे समय से हाशिये पर हैं।

अलविदा ...

का हिस्सा बना। मनोज के माता-पिता ने भारत को चुना और दिल्ली आ गए। मनोज कुमार ने बंटवारे के दर्द को अपनी आंखों से देखा है। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शौक रहा। वह अशोक कुमार, दिलीप कुमार और कामिनी कौशल के बहुत बड़े प्रशंसक रहे।

वह कालेज के दिनों में रंगमच से जुड़ गए और एक दिन दिल्ली से मुंबई पहुंच गए। उन्होंने अभिनय की शुरुआत 1957 में आई फिल्म 'फैशन' से की। इसके बाद 1960 में उनकी फिल्म 'कांच की गुड़िया' रिलीज हुई। इस फिल्म में उनकी नायक की भूमिका को लोगों ने सराहा। मनोज कुमार ने उपकार, पत्थर के सनम, रोटी कपड़ा और मकान, संन्यासी और क्रांति जैसी कमाल की फिल्में दीं। अधिकतर फिल्मों में मनोज कुमार का नाम भारत कुमार रहा।

मनोज कुमार के राजनेताओं से भी अच्छे संबंध रहे। 1965 में भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ था और इस युद्ध के बाद ही मनोज कुमार ने लाल बहादुर शास्त्री से मुलाकात की। शास्त्री ने उनसे युद्ध से होने वाली परेशानियों पर एक फिल्म बनाने का आग्रह किया। मनोज कुमार ने लाल बहादुर शास्त्री के नारे जय जवान-जय किसान को केंद्र में रखकर 'उपकार' फिल्म बनाई। इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

इमरजेंसी का विरोध करने से खफा हो गईं इंदिरा गांधी

मनोज कुमार के लिए इमरजेंसी का दौर काफी मुश्किलों भरा रहा। हालांकि इंदिरा गांधी के साथ उनके संबंध अच्छे थे। अभिनेता मनोज ने इमरजेंसी का विरोध कर उन्हें नाराज कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि मनोज कुमार जब अपनी सुपरहिट फिल्म 'शोर' को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज करने जा रहे थे। उससे पहले ही यह फिल्म दूरदर्शन पर आ गई। इसके अलावा, फिल्म 'दस नंबरी' को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बैन कर दिया।

अमृता प्रीतम से बोले-अंदर का लेखक मर गया क्या

ऐसा कहा जाता है कि सरकार ने मनोज कुमार को इमरजेंसी पर केंद्रित एक वृत्तचित्र को डायरेक्ट करने का प्रस्ताव दिया था। इसकी कहानी अमृता प्रीतम ने लिखी थी। उन्होंने इसके लिए मना कर दिया। मनोज कुमार ने अमृता प्रीतम को फोन किया और कहा कि क्या आपने अपने भीतर के लेखक को मार दिया है। अमृता प्रीतम इस बात से शर्मिंदा हुईं। मनोज कुमार ने उनसे कहा कि स्क्रिप्ट फाड़ कर फेंक दें।

बजट सत्र...

भाजपा सदस्यों ने सत्ता पक्ष में होते हुए सदन में हंगामा शुरू कर दिया। इस तरह भाजपा लोकतंत्र का बेसिक प्रिंसिपल तोड़ रही है। तिवारी ने एक समय पर प्रधानमंत्री के थाइलैंड और गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ के दौरे पर जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मणिपुर में पिछले दो साल से हिंसा हो रही है, जब मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने जा रहे हैं तो इस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। राज्यसभा में मणिपुर पर चर्चा के लिए तीन घंटे निर्धारित थे, लेकिन सिर्फ 50 मिनट में ही चर्चा को खत्म कर दिया गया। ऐसे में आप सभी अंदाजा लगा लीजिए कि मणिपुर पर क्या चर्चा हुई होगी।

उन्होंने कहा कि यह एक परंपरा है कि लोकसभा में राज्यसभा के सदस्यों का जिक्र नहीं होता है। कोई इल्जाम नहीं लगाया जाता है, क्योंकि वो खुद के बचाव के लिए वहां उपस्थित नहीं होते हैं। इस परंपरा की अनदेखी करते हुए कंग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे पर आधारहीन आरोप लोकसभा में लगाए गए। उसका हमारे सदस्यों ने विरोध किया तो उसे कार्यवाही से निकालना पड़ा। राज्यसभा में खरगे ने इस बात को चुनौती दी, तो सभी ने गलत माना। भाजपा अगर परंपरा नहीं निभा सकती, तो कम से कम नियम तो फॉलो करे।

लोकसभा में कंग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि अमेरिका ने जो 27% टैरिफ भारत के एक्सपोर्ट पर लगाया है, उसे लेकर हम एडजर्नमेंट मोशन की मांग कर रहे थे। एक बार भी माइक की अनुमति नहीं मिली, हम अपनी बात रिकॉर्ड पर नहीं ला पाए। आज लोकसभा में कंग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी का उल्लेख किया गया। उन्होंने बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस से प्रधानमंत्री की मुलाकात की भी आलोचना की।

सेना...

पूर्वी थिएटर में अपनी पहली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) रेजिमेंट की स्थापना की है। यह रेजिमेंट लड़ाकू जेट, यूएवी, सब सोनिक और सुपरसोनिक मिसाइल आदि जैसे दुश्मन के हवाई खतरों से भारत की रक्षा करेगी।? इस रेजिमेंट को डीआरडीओ ने स्वदेशी रूप से विकसित मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली हथियार प्रणाली से लैस किया है।

राष्ट्रपति मुर्मु ...

था। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय यात्राओं का आदान-प्रदान हुआ है। ऐसे समय में जब हम अपने राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे कर रहे हैं, यह यात्रा हमारी मित्रता को अगले स्तर पर ले जाएगी। भारत-पुर्तगाल संबंध भारत-यूरोपीय संघ संबंधों को और मजबूत बनाते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु 7-8 अप्रैल तक पुर्तगाल की यात्रा पर रहेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु पुर्तगाल के अपने समकक्ष मार्सेलो रेबेलो डी सूसा से मिलेंगी और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वह पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको से भी मिलेंगी। भारतीय राष्ट्रपति की यह 27 वर्षों बाद पुर्तगाल यात्रा है। भारत और पुर्तगाल राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। पिछली राजकीय यात्रा 1998 में हुई थी। उस समय राष्ट्रपति केआर नारायणन पुर्तगाल गए थे।

मुर्मु 9-10 अप्रैल तक स्लोवाकिया की भी यात्रा करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु स्लोवाक की राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष रिचर्ड रासी से भी मिलेंगी। यह 29 वर्षों के बाद भारतीय राष्ट्रपति की स्लोवाकिया की यात्रा होगी।

देश...

की महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेल्वि ने वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि एरो इंडिया 2025 में हंसा-3(एनजी) का सफल उड़ान प्रदर्शन सीएसआईआर की स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ये प्रयास राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

उल्लेखनीय है कि हंसा-3(एनजी) दो-सीटर प्रशिक्षण विमान की लाइसेंसिंग पायनियर क्लीन एंप्स प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है। हंसा-3(एनजी) विमान एक डिजिटल डिस्प्ले (ग्लास कॉकपिट) प्रणाली से लैस है और इसे एक उन्नत ईंधन-कुशल रोटैक्स 912 आईएससी 3 स्पोर्ट्स इंजन द्वारा शक्ति मिलती है। विमान में 43 इंच की कैबिन चौड़ाई के साथ एक बबल कैनोपी और विद्युत संचालित फ्लैप हैं, जो आधुनिक उपयोगकर्ता आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। यह 620 समुद्री मील की दूरी, 7 घंटे का सहनशीलता और 98 नॉट्स कैलिब्रेटेड एयरस्पीड की अधिकतम क्रूज़ स्पीड के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदान करता है।

डेढ़...

अनंत नगर परियोजना के निकट में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक्सप्रेस वे और लखनऊ रिंग रोड है। इस योजना में शैक्षणिक संस्थानों, ऊंची आवासीय इमारतों और किफायती आवास भूखंडों के लिए जगहों को एलडीए ने चिन्हित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना में डेढ़ लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराने की योजना है। दस हजार फ्लैटों और भूखंडों वाले सात सेक्टर का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और निम्न आय वर्ग (एलआईजी) श्रेणियों में पांच हजार आवास इकाइयां 25 हजार से अधिक लोगों को लाभान्वित करेंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन हजार मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। टाउनशिप के हिस्से के रूप में 130 एकड़ का पार्क और एडुटेक सिटी बनाने की भी योजना बनाई गई है। वहीं भूखंडों और आवासों के आवंटन में मध्यस्थ या दलाल को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। लखनऊ विकास प्राधिकरण परियोजना के पारदर्शी कार्यान्वयन की देखरेख करेगा।

अर्थव्यवस्था के लिए अनंत योजना को आवश्यक बताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बड़े स्तर पर आवास योजना से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उत्तर प्रदेश राज्य को एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। आशा है कि ये पहल लोगों के जीवन में बदलाव भी लाएगी, उन्हें बेहतर आवास और अधिक आरामदायक जीवन शैली प्रदान करेंगी। इस योजना के अत्यधिक लोकप्रिय होने की उम्मीद है।

मुफ्त....

जाता है। यही कारण है कि एनीमिया समेत कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के जड़ से निराकरण के लिए फोर्टिफाइड राइस एक प्रभावी कदम साबित हो सकता है। प्रदेश के सभी जिलों में उचित दर की दुकानों के माध्यम से फोर्टिफाइड चावल वितरित किया जा रहा है। योगी सरकार ने मिड-डे मील योजना के तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए भी फोर्टिफाइड चावल को शामिल किया है। यह निर्णय राज्य के लाखों स्कूली बच्चों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रहा है। पोषक तत्वों से भरपूर चावल बच्चों में कुपोषण की समस्या को कम करने में मदद कर रहा है। उचित पोषण बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। यह चावल एनीमिया (खून की कमी) जैसी समस्याओं से बचाव करता है।

फोर्टिफाइड चावल का वितरण गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं की माताओं और बुजुर्गों के लिए भी बेहद फायदेमंद है। फोलिक एसिड शरीर में नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, जबकि विटामिन बी12 नर्वस सिस्टम को सही ढंग से काम करने में मदद करता है। योगी सरकार प्रदेश में गरीबों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत निःशुल्क राशन वितरण कर रही है। इसमें चावल, गेहूं, दाल, चीनी, नमक और तेल शामिल है। अब इसमें फोर्टिफाइड चावल भी जोड़ा गया है। ताकि गरीबों को सिर्फ खाना ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक पोषण भी मिल सके।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार प्रदेश के 15 करोड़ से अधिक गरीबों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न, 1 किलोग्राम दाल, साबुत चना, आयोडाइज्ड नमक, रिफाइन्ड ऑयल का निःशुल्क वितरण कर रही है। इसके अलावा अन्त्योदय राशन कार्डधारकों के लिए प्रति माह 1 किलोग्राम चीनी भी निःशुल्क दे रही है। यही नहीं प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 1.86 करोड़ से अधिक परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया है। होली और दीपावली पर योगी सरकार को 02 एलपीजी सिलेंडर का भी निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में कोई भूखा न सोए इसके लिए बेघरों तथा कचरा उठाने वाले नागरिकों को राशन कार्ड की सुविधा प्रदान की है। यही नहीं डोर स्टेप डिलीवरी की व्यवस्था से लोगों तक राशन पहुंचाया जा रहा है।

बंदरगाहों...

भारत शिखर सम्मेलन, सागरमाथन, चिंतन शिविर, बजट के बाद उद्योग सम्मेलन और हितधारक परामर्श जैसे उच्च स्तरीय आयोजनों के माध्यम से समुद्री नीतियों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम विधियों के साथ जोड़ता है। यह नीति निर्माताओं, उद्योग और जमीनी स्तर के समुदायों के बीच संवाद को बढ़ावा देता है। वैश्विक समुद्री दिग्गजों के साथ नियमित जुड़ाव और अंतराष्ट्रीय मंचों में भागीदारी यह सुनिश्चित करती है कि भारत की नीतियां वैश्विक मानकों के अनुरूप हों, जिससे भारत समुद्री क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित हो।

भारी बारिश के कारण चारमीनार का एक मीनार का प्लास्टर झड़ा

हैदराबाद। कल यानी गुरुवार को भारी बारिश के चलते राजधानी हैदराबाद और तेलंगाना के चंद जिलों में आम जनता को परेशानी तो हुई ही। इस बीच हैदराबाद की पहचान चारमीनार के एक मीनार का प्लास्टर गिर गया, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएँ तो पैदा हुई । प्रत्यक्दर्शियों के अनुसार गुरुवार शाम को अचानक हुई भारी बारिश के दौरान मीनार से चूना-गारा (प्लास्टर) का एक बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया। चारमीनार का एक हिस्सा के मीनार ऐतिहासिक भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पास चूना-गारा का प्लास्टर गिर गया। इस से मंदिर के परिसर में या बाहर कोई यात्री के घायल नहीं हुए।

इस घटना शाम करीब 4.30 बजे हुई, जिससे आसपास के इलाकों में हल्का तनाव फैल गया। स्थानीय निवासियों ने तुरंत मलबा हटा दिया। नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (द्ब्द्ग्थ्दद्ध)के संयोजक सज्जाद शाहिद ने कहा है कि संरचनात्मक क्षति नहीं हुआ और सुरक्षित है। उन्हों ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसी घटना हुई है। वर्ष 2019 में भी ऐसी ही घटना हुई थी, जब सजावटी प्लास्टर के काम से चूना-गारा का एक बड़ा हिस्सा अलग होकर गिर गया था, जिससे आसपास के निवासियों में काफी चिंता पैदा हो गई थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (इट्टक्र) ने 434 साल पुरानी ऐतिहासिक चारमीनार का 2021 में मरम्मत का काम पूरा किया था।

जूनोटिक संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए शुरू होगा वैज्ञानिक अध्ययन

नई दिल्ली । पशुओं से मानव में होने वाली बीमारियां यानि जूनोटिक संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए एक अग्रणी अंतर-मंत्रालयी वैज्ञानिक अध्ययन शुरू होने जा रहा है। इस व्यापक शोध का उद्देश्य पक्षी अभयारण्य के कर्मचारियों और आस-पास के निवासियों में जूनोटिक रोगों का पता लगाना है। इसके साथ उनका निदान करने के लिए वास्तविक समय निगरानी मॉडल विकसित करना है। शुक्रवार को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुख्यालय में ल्ल्वन हेल्थ दृष्टिकोण का उपयोग करके पक्षी-मानव संपर्क से जूनोटिक संक्रमण का पता लगाने के लिए एक निगरानी मॉडल का निर्माण-स्टडी एट सिलेक्टिड बर्ड सेंचुरिज एंड वेटलैंड्स शीर्षक से अध्ययन शुरू करने की घोषणा की गई। यह अनूठा अध्ययन सिक्किम, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में चुनिंदा पक्षी अभयारण्यों और आर्द्रभूमि में किया जाएगा।

इस अवसर पर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि जिस तरह समय पर और सटीक कार्रवाई के लिए एक मजबूत रडार प्रणाली आवश्यक है, उसी तरह उभरते स्वास्थ्य खतरों का शीघ्र पता लगाने और रोकथाम के लिए मजबूत निगरानी प्रणाली महत्वपूर्ण है। इस निगरानी 'रडार' को मजबूत करने के लिए अनुसंधान को आगे बढ़ाने में वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। नेशनल वन हेल?थ मिशन (एनओएचएम) सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों का अनुमान लगाने और उन्हें कम करने के लिए विश?व के अत्याधुनिक विज्ञान का लाभ उठाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के निदेशक डॉ. रंजन दास ने कहा कि जूनोटिक स्पिलओवर के लिए जिम्मेदार तंत्र और चालकों को समझना जरूरी है, ताकि समय पर और समन्वित कार्रवाई की जा सके। एनसीडीसी इस महत्वपूर्ण पहल का स्वागत करता है, जो जूनोटिक खतरों का पता लगाने, उन्हें रोकने और उनका निराकरण करने की हमारी राष्ट्रीय रणनीति के अनुरूप है। मानव-पशु-पर्यावरण इंटरफ़ेस पर निगरानी को मजबूत करने से भविष्य में होने वाले प्रकोपों ??के लिए भारत की तैयारी में काफी सुधार होगा।

आंद्रेई स्टेनिन प्रेस फोटो प्रतियोगिता प्रदर्शनी के 11वें संस्करण का उद्घाटन

नई दिल्ली। रोसिया सेगोदन्या मीडिया समूह और स्पुतनिक हब के आंद्रेई स्टेनिन इंटरनेशनल प्रेस फोटो प्रतियोगिता प्रदर्शनी का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया। नई दिल्ली के एआईएफएसीएस गैलरी में आयोजित प्रदर्शनी के 11वें संस्करण में दुनिया भर के युवा फोटो पत्रकारों की तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत कुमार सहगल मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य संपादक ऋषभ गुलाटी, आंद्रेई स्टेनिन अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता के कार्यकारी निदेशक एलेक्जेंडर श्टोल भी मौजूद रहे।

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि ग्राम पंचायत ढका जा पूरनपुर की स्वीकृत कार्ययोजना के आधार पर ग्राम पंचायत की वित्तीय वर्ष 2025-2026 को प्राप्त होने बाले 15 वां बित्त टाईड एवं अनटाइड फण्ड,पंचम राज्य बित्त, आरजीएसए, मनरेगा योजनान्तर्गत तथा वित्तिय वर्ष 2025-26 में अन्य मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि के अंतर्गत कराए जाने बाले कार्यों हेतु जैसे इंटरलाकिंग कार्य व सीसी रोड नव निर्माण एवं मरम्मत,नाली निर्माण नव निर्माण एवं मरम्मत पंचायत भवन का कायाकल्प व जन सेवा केन्द्र के कच्छ का निर्माण विद्यालयों का कायाकल्प, सामुदायिक शौचालयों का कायाकल्प रिसोर्स रिकवरी सेंटर में मरम्मत कार्य एसएलडब्लूएम योजना के अंतर्गत कराए गए कार्यों का मरम्मत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत में सफाई कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्रो का कायाकल्प,लाइब्रेरी निर्माण के अंतर्गत कच्छों का कायाकल्प,नवनिर्माण हैण्डपम्प रिबोर व मरम्मत, पंचायत भवन में फर्नीचर क्रय व अन्य सामग्री व्यय, ह्यूम पाइप क्रय, स्ट्रीट लाइट व सोलर लाइट क्रय व मरम्मत, सीसी रोड निर्माण नव निर्माण एवं मरम्मत डस्टबिन क्रय,ठेली व ई रिक्शा क्रय एवं मरम्मत कार्य,मिट्टी कार्य विभिन्न सरकारी बिल्डिंगों में शौचालय मरम्मत एवं नव निर्माण कार्य,ग्राम पंचायत में फांगिंग कार्य एवं ग्राम पंचायत में होने वाले अन्य कार्य हेतु ईंट प्रथम श्रेणी, इंटरलॉकिंग,बजरी, सीमेंट, सरिया, मोरंग, लोहा, टाइल्स, पाइप, टोटी, प्रचार प्रसार, बोर्ड, स्टेशनरी, मिट्टी ठेली, पी.पी. किट, मास्क सफाई किट कूड़ा दान फांगिंग मशीन, कैमरा,फर्नीचर, बर्तन, प्लास्टिक बेस्ट मैनेजमेंट यूनिट हेतु मशीन क्रय व अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सीलबंद निविदायें कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय ढका जा पूरनपुर में दिनांक 5/4/2025 को समय 10 बजे से दिनांक 10/04/2025 को समय 10 बजे तक आमंत्रित कि जाती हैं।जो कि 10/04/2025 को अपराहन 2:00 बजे खोली जायेगी ग्राम पंचायत कार्यालय को निविदा को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

ग्राम प्रधान मुन्नी बेगम
ग्राम पंचायत अधिकारी सुबोध कुमार
ग्राम पंचायत ढकाजा पूरनपुर
विकासखंड पूरनपुर जिला पीलीभीत

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि ग्राम पंचायत बैजूनगर की स्वीकृत कार्ययोजना के आधार पर ग्राम पंचायत की वित्तीय वर्ष 2025-2026 को प्राप्त होने बाले 15 वां बित्त टाईड एवं अनटाइड फण्ड, पंचम राज्य बित्त, आर जी एस ए, मनरेगा योजनान्तर्गत तथा वित्तिय वर्ष 2025-26 में अन्य मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि के अंतर्गत कराए जाने बाले कार्यों हेतु जैसे इंटरलाकिंग कार्य व सीसी रोड नव निर्माण एवं मरम्मत,नाली निर्माण नव निर्माण एवं मरम्मत पंचायत भवन का कायाकल्प व जन सेवा केन्द्र के कच्छ का निर्माण विद्यालयों का कायाकल्प, सामुदायिक शौचालयों का कायाकल्प रिसोर्स रिकवरी सेंटर में मरम्मत कार्य एसएलडब्लूएम योजना के अंतर्गत कराए गए कार्यों का मरम्मत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत में सफाई कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्रो का कायाकल्प, लाइब्रेरी निर्माण के अंतर्गत कच्छों का कायाकल्प, नवनिर्माण हैण्डपम्प रिबोर व मरम्मत, पंचायत भवन में फर्नीचर क्रय व अन्य सामग्री व्यय, ह्यूम पाइप क्रय, स्ट्रीट लाइट व सोलर लाइट क्रय व मरम्मत, सीसी रोड निर्माण नव निर्माण एवं मरम्मत डस्टबिन क्रय, ठेली व ई रिक्शा क्रय एवं मरम्मत कार्य,मिट्टी कार्य विभिन्न सरकारी बिल्डिंगों में शौचालय मरम्मत एवं नव निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत में फांगिंग कार्य एवं ग्राम पंचायत में होने वाले अन्य कार्य हेतु ईंट प्रथम श्रेणी, इंटरलॉकिंग,बजरी, सीमेंट, सरिया, मोरंग, लोहा, टाइल्स, पाइप, टोटी, प्रचार प्रसार, बोर्ड, स्टेशनरी, मिट्टी ठेली, पी.पी. किट, मास्क सफाई किट कूड़ा दान फांगिंग मशीन, कैमरा,फर्नीचर, बर्तन, प्लास्टिक बेस्ट मैनेजमेंट यूनिट हेतु मशीन क्रय व अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सीलबंद निविदायें कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय बैजूनगर में दिनांक 5/04/2025 को समय 10 बजे से दिनांक 10/04/2025 को समय 10 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। जो कि 10/04/2025 को अपराह्न 2 बजे खोली जायेंगीग्राम पंचायत कार्यालय को निविदा को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

ग्राम प्रधान सरोज कुमार
ग्राम पंचायत अधिकारी धर्मपाल
ग्राम पंचायत बैजूनगर
विकासखंड पूरनपुर जिला पीलीभीत

चारधाम यात्रा: डीएम ने ली तैयारियों की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। चारधाम यात्रा सीजन को सरल, सुगम व व्यवस्थित तरीके से संचालन के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। यह निर्देश जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह ने चार धाम यात्रा तैयारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए दिये। उन्होंने कहा कि चारधामन यात्रा को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाये, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। ऋषिकुल मैदान में पंजीकरण केन्द्र खोला जाये तथा पंजीकरण के लिए 25-25 कार्मिकों की तैनाती की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि आवश्यकता पड़ने पर 03 शिफ्टों में पंजीकरण की सभी तैयारियां सुनिश्चित की जायें। उन्होंने कहा कि ऋषिकुल मैदान में संचालित होने वाले पंजीकरण केंद्र की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं साथ ही पेयजल, विद्युत, साफ-सफाई और मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था चाक चौबंद हो। उन्होंने सभी क्षेत्रों की व्यवस्थाओं के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित करने तथा ऋषिकुल मैदान, नारसन, चमगादड़ टापू और बैरागी कैंप में साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा तथा आपदा कन्ट्रोल रूम के लिए सेन्ट्रालाईज्ड कन्ट्रोल रूम स्थापित करने तथा सभी पार्किंग स्थलों सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर चारधाम यात्रा कन्ट्रोल रूम तथा आपदा कन्ट्रोल रूम का नम्बर चस्पा करने एवं सार्वजनिक करने के निर्देश दिये। उन्होंने सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम हेतु मीरा रावत को नोडल अधिकारी नामित किया। उन्होंने यात्रा सीजन के दौरान फूड सेफ्टी टीम को समय-समय पर विशेष रूप से औचक छापेमारी करने के निर्देश के साथ होटलों, ढाबों, रेस्टोरेन्ट आदि में रेट लिस्ट चस्पा कराने को कहा। एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने यात्रा के दौरान संचालित होने वाले चेक पॉइंट और होल्डिंग प्वाइंट के साथ ही यात्रा रूट की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी होल्डिंग प्वाइंट और ऋषिकुल मैदान में सीसीटीवी कैमरा भी लगवाए जाएं। यात्रियों द्वारा ऑनलाइन बुकिंग में होने वाली ठगी को रोकने के लिए ठगी करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करते हुए तुरंत मुकदमा दर्ज किया जायेगा। बैठक का संचालन जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नोटियाल ने किया। इस दौरान मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार, एसपी जितेंद्र मेहरा, पंकज गैरोला, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, सीएमओ आरके सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, एसडीएम अजयवीर सिंह, डीएसओ तेजबल सिंह, एआरटीओ पंकज श्रीवास्तव, ईई यूपीसीएल दीपक सैनी, ईजीएम रोडवेज विशाल चंद्रा, आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

साधक को अमोघ फल प्रदान करती है मां भगवती की आराधना: रोहित गिरि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

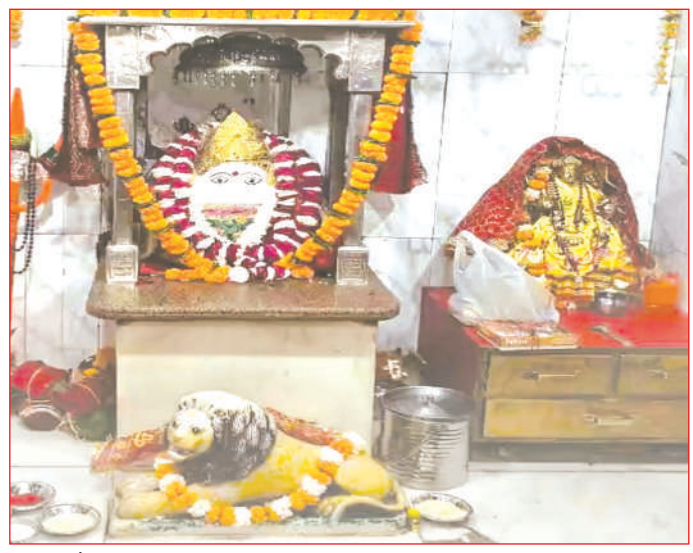

हरिद्वार। मां चंडी देवी मंदिर परमार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित गिरि महाराज ने कहा कि मां चंडी देवी की आराधना से हम सभी इस लोक में सुख का अनुभव करते हैं। मां चंडी देवी जगत की अधिष्ठात्रि देवी हैं। भक्तों की सूक्ष्म आराधना से ही प्रसन्न होकर उन्हें मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। नवरात्रि पर्व की सप्तमी पर नील पर्वत स्थित मां चंडी देवी मंदिर के प्रांगण में श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए महंत रोहित गिरि महाराज ने कहा कि मां की उपासना से व्यक्ति में तप, त्याग, संयम एवं सदाचार की वृद्धि होती है। जीवन के कठिन से कठिन समय में भी व्यक्ति अपने पथ से विचलित नहीं होता है। इसलिए मां भगवती परम कल्याणकारी है। उन्होंने कहा कि माता की शक्ति के प्रभाव से जीवन की सारी विपदाएं दूर होती हैं। वास्तव में नवरात्रि का समय देवी शक्ति के सम्मान और भक्ति में लीन रहकर आशीर्वाद प्राप्त करने का शुभ अवसर है। माता के सभी स्वरूपों की सात्विक मन से आराधना करने पर व्यक्ति का जीवन धन-धान्य, सुख समृद्धि, यश-वैभव से परिपूर्ण हो जाता है। महंत रोहित गिरि महाराज ने कहा कि नवरात्रि में प्रत्येक व्यक्ति को यदि माँ की कृपा का पात्र बनना है, तो माँ स्वरूप बालिकाओं का पूजन अवश्य करना चाहिए। कन्या पूजन से देवी भगवती अति प्रसन्न होकर साधक को अमोघ फल प्रदान करती हैं।

चैती छठ के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को दिया गया अर्घ्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अररिया। चैत्र मास में मनाया जाने वाला लोक आस्था के महापर्व छठ के अंतिम अर्थात चौथे दिन फारबिसगंज प्रखंड के परमान नदी सहित नहर,पोखर आदि में शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया गया।चैती छठ को लेकर गुरुवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने के बाद शुक्रवार सुबह में बड़ी संख्या में छठव्रती छठ घाट पर जमा हुए और विधि विधान के साथ भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर उगते सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया।घाट छठ से जुड़े लोक गीतों से गुंजायमान रहा।छठव्रती भी छठ गीतों को गुनगुनाते रहे।घाट पर जाने के लिए भक्त घर से अपने माथे या ठेलागाड़ी पर डाला लेकर पहुंचे। छठ को लेकर ज्योतिषाचार्य पंडित प्रमोद मिश्रा ने बताया कि किसी भी पर्व त्यौहार में उगते हुए सूर्य देव की ही पूजा अर्चना की जाती है, लेकिन छठ पूजा इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां उगते और डूबते सूरज की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दिल्ली विवि में अभिनंदन

- दिल्ली सरकार की वजह से नहीं रुकेगा डीयू का कोई भी काम: मुख्यमंत्री
- शिक्षा को आगे बढ़ाने में दिल्ली सरकार के साथ पूर्ण सहयोग से काम करेगा डीयू: कुलपति प्रो. योगेश सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के वाइस रीगल लॉज में स्थित कन्वेंशन हॉल में अभिनंदन किया गया। विद्यार्थी जीवन की यादों को ताजा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें लीडर बनाने वाला डीयू के नॉर्थ कैंपस में ही स्थित दौलत राम कॉलेज है। उन्होंने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि जिस वीसी ऑफिस पर धरना देते थे, उसमें सम्मान और मंच से संबोधन का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने लीडर बनने की कहानी बताते हुए कहा कि जब वह 1993 में दौलत राम कॉलेज में प्रथम वर्ष में आईं तो पूरे साल कॉलेज में हड़ताल चलती रही। इसी कारण उनका डूसू प्रतिनिधियों से संपर्क बढ़ा और फिर एबीवीपी के संपर्क में आईं और फ़ाइनल इयर में डूसू अध्यक्ष बनीं। उन्होंने बताया कि एक स्कूटी पर चलकर उन्होंने डीयू व कॉलेजों और दिल्ली में राजनीतिक कार्यक्रम किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि दिल्ली की जिन सड़कों पर घूम रही हूं, इन सड़कों को कभी ठीक करवाने की जिम्मेदारी उनकी ही होगी। कभी यह नहीं सोचा था कि जिस वीसी ऑफिस पर धरना देते थे, कभी उसमें सम्मान मिलेगा और वहां के मंच से बोलना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीयू की पूर्व स्टूडेंट होने के नाते जो फर्ज है, उसे पूरी जिम्मेवारी से निभाऊंगी। डीयू का कोई भी काम हो वो दिल्ली सरकार की वजह से रुकने वाला नहीं है। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में पर्यटन स्थलों के साथ ही एजुकेशनल टूरिजम भी बढ़े, इस पर काम होगा। मुख्यमंत्री ने डीयू की गलियों से जुड़ी यादों को ताजा करते हुए दौलत राम कॉलेज के सामने वाली दीवार, भेलपूरी और लैमन सोडे को भी याद किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने बच्चों की तरक्की से जैसे अभिभावक और शिक्षक खुश होते हैं वैसे ही यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी खुश होते हैं। डीयू की पूर्व विद्यार्थी रेखा गुप्ता का दिल्ली की मुख्यमंत्री बनना हम सबके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि डीयू को आप पर गर्व है। आपने डीयू को एक छात्रा के रूप में देखा, डूसू अध्यक्ष के रूप में देखा, एक निगम पार्षद के रूप में देखा और अब एक मुख्यमंत्री के रूप में देखने की बारी है।

रामनवमी को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

भागलपुर। जिले में रामनवमी को लेकर पुलिस एलर्ट मोड मे दिख रही है। शुक्रवार को पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च कर शांति व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। ज़िले में आगामी पर्व त्यौहार को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से स्पेशल फ़ोर्स की भी तैनाती की गई है। आज का यह फ्लैग मार्च पुलिस लाइन से निकलकर पूरे शहर में पैदल कदमताल करते हुए भ्रमण किया। फ्लैग मार्च में स्थानीय थाना की पुलिस के साथ रैफ के जवान भी शामिल हुए। भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदय कांत ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर डीजे पर पूर्ण रूपेण पाबंदी रहेगी। हमारे समाज में अश्लील गाने का कोई स्थान नहीं। अगर रामनवमी जैसे त्योहार पर अश्लील गाने बजाए जाते हैं या शोभा यात्रा में अश्लील गाने बजाए जाते हैं तो वैसे संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के कोई भी संस्थान शोभायात्रा नहीं निकल सकती है। उन्हें पहले जिला प्रशासन से लाइसेंस लेना होगा, तभी वह शोभायात्रा निकालने के अधिकारी होंगे।

राणा शुगर्स लिमिटेड की 22.02 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त

जालंधर। पंजाब में जालंधर के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत के बाहर विदेशी मुद्रा रखने के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फ़ेमा), 1999 की धारा 37ए के कपूरथला से कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह के स्वामित वाली राणा शुगर्स लिमिटेड की 22.02 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त की है। ईडी ने गुरूवार देर रात को एक बयान जारी कर बताया कि ईडी ने ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स (जीडीआर) जारी करने और जीडीआर की पूरी आय का अपने वास्तविक उद्देश्य के लिए उपयोग न करने के संबंध में मेसर्स राणा शुगर्स लिमिटेड, इसके प्रमोटरों, निदेशकों और अन्य के खिलाफ फ़ेमा, 1999 के प्रावधानों के तहत जांच शुरू की है। ईडी की जांच से पता चला है कि कुल जीडीआर प्राप्तियों में से मेसर्स राणा शुगर्स लिमिटेड ने जीडीआर की पूरी आय भारत

डीएम ने चिकित्सा पदाधिकारी व स्वाथ्य प्रबंधनक का किया वेतन बंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा के डीएम रवि प्रकाश ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारदीगंज, हिसुआ एवं खनवां का औचक निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज के समीक्षा के क्रम में पाया गया कि सर्जिकल वार्ड में रखी गयी कॉटन एवं सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट खुले में था। डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं हेल्थ मैनेजर का वेतन अवरूद्ध करने का निर्देश दिया। उन्होंने बीएचएम को निर्देश दिया कि सभी वार्डों एवं अस्पताल को साफ-सफाई एवं कार्यालय को सुव्यवस्थित रखें। उन्होंने एमओआईसी को निर्देश दिया कि रोस्टर के अनुसार सभी डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित करायें एवं ससमय रोस्टर के अनुसार ही ओपीडी का संचालन करेंगे। ताकि दूर-दराज से आये हुए मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। रोस्टर के अनुसार आयुष चिकित्सक मोहम्मद इकबाल आजम अनुपस्थित पाए गए ।जिलाधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण देते हुए उनका एक दिन के वेतन की कटौती करने का निर्देश सिविल सर्जन नवादा को दिया ।

निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि एक्सरे मशीन कार्यरत नहीं था, संबंधित टेक्निशियन से पूछताछ करने पर बताया कि एक्सरे मशीन दो-तीन दिन से खराब पड़ा है, जिसपर जिलाधिकारी ने बीएचएम से पृच्छा किया कि इसकी सूचना मुख्यालय को कयों नहीं दी गयी। एक्सरे टेक्निशियन से पूछताछ करने पर पाया गया कि एनजीओ के तरफ से कार्यरत एक्सरे टेक्निशियन को एक्सरे के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जिस पर जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन नवादा को निर्देश दिया कि यहां पर अनुभवी एक्सरे टेक्निशियन को रखा जाय। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सुनिश्चित किया कि सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हों।

पुलिस-प्रशासन ने मुस्लिम बाहुल इलाके में किया फ्लैग मार्च

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। जुमे की नमाज को लेकर दिल्ली पुलिस अलर्ट है। कई जगहों पर पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 लोकसभा और राज्यसभा से पास हो जाने के बाद ये पहले जुमे की नमाज है। ऐसे में दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। साथ ही पुलिस-प्रशासन ने मुस्लिम बहुल इलाके में फ्लैग मार्च कर लोगों से शांति की अपील की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार शाहीन बाग, जामिया नगर, मुस्तफाबाद, जाफराबाद, पुरानी दिल्ली, सीलमपुर और शाहदरा जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों की भारी तैनाती की गई है। जानकारी के अनुसार शाहीन बाग में जुमे की नमाज से पहले दिल्ली पुलिस ने फ्लैग मार्च किया, ताकि इलाके में शांति बनी रहे। इसके अलावा पुलिस ड्रोन कैमरों से भी इलाके में निगरानी रख रही है। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर पुलिस द्वारा सख्त पहरा दिया जा रहा है। पुलिस के अनुसार किसी भी संभावित प्रदर्शन या हिंसा से निपटने के लिए पर्याप्त बल तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और खुफिया एजेंसियां भी स्थिति पर नजर रख रही हैं। अभी तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है लेकिन पुलिस का कहना है कि अगर कोई भी कानून-व्यवस्था भंग करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि वक्फ बिल के खिलाफ कई संगठनों ने प्रदर्शन का आह्वान किया था, जिसे देखते हुए दिल्ली पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। अर्धसैनिक बलों की तैनाती कर किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने की तैयारी पुलिस की है।

चारधाम यात्रा 30 अप्रैल से शुरू, सरकार ने तैनात किए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खुलने के साथ ही उत्तराखंड की चारधाम यात्रा का शुभारंभ होगा। अब तक 12 लाख से अधिक यात्री यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए राज्य सरकार यात्रा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में जुट गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर यात्रा व्यवस्थाओं को लिए चार वरिष्ठ आईएएस तैनात किए गए हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा से पहले यात्रा मार्गों पर सभी सुविधाएं दुरुस्त कर लें। उल्लेखनीय है कि यमुनोत्री-गंगोत्री के बाद श्री केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई व श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 4 मई भक्तों के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन यात्रा की निगरानी कर रहे हैं। सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे ने अनुभवी व वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को चारों धामों की यात्रा तैयारियों के आंकलन हेतु बतौर नोडल अधिकारी अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है। सचिव संस्कृति युगल किशोर पंत को केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियों की निगरानी का जिम्मा सौंपा गया है। युगल किशोर ने केदारनाथ यात्रा मार्ग में तीर्थयात्रियों की मूलभूत सुविधाओं पेयजल, विद्युत, संचार, परिवहन, स्वास्थ्य, आवासीय व्यवस्थाओं, पार्किंग की स्थिति, केदारनाथ धाम के पैदल मार्ग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मार्ग से देहरादून से चारधाम यात्रा के मुख्य पड़ावों ऋषिकेश, देवप्रयाग, श्रीनगर, रूद्रप्रयाग, अगस्त्यमुनि से होते हुए वे कल उखीमठ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तीर्थयात्रा से जुड़ी संस्थाओं श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी), स्थानीय लोगों, हक हकूकधारियों व श्री केदारनाथ सभा से भी बातचीत की और केदारनाथ यात्रा के संबंध में सुझाव लिए। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ के अनुसार, सचिव युगल किशोर पंत ने श्री केदारनाथ धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में दर्शन किये। इस दौरान बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल की ओर से केदारनाथ धाम प्रभारी अधिकारी यदुवीर पुष्पवान ने सचिव को शीतकालीन पूजा व्यवस्था के विषय में अवगत कराया।

गरुड़ और विषैले कोबरा की लड़ाई में गरुड़ ने कोबरा को दी पटकनी

अररिया। अररिया में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो गरुड़ और विषैले कोबरा की लड़ाई की है,जिसमें गरुड़ अपने चोंच से कोबरा पर प्रहार करते हैं तो कोबरा फन उठाकर गरुड़ पर। दोनों में लड़ाई होती है और आखिरकार गरुड़ कोबरा को हराने में कामयाब हो जाता है। कोबरा को पटकनी देने के बाद गरुड़ वहां से उड़ जाता है और दूसरे खेत में जाकर विजयी मुद्रा में अपने दूसरे शिकार की तलाश में जुट जाता है। यह वीडियो है फारबिसगंज के सिमराहा से सैफगंज जाने वाले मार्ग के टेढ़ी मुसहरी वार्ड संख्या 13 कुड़वा नया टोला के समीप का,जिसे शुक्रवार की शाम बीटेक के छात्र शुभम कुमार ने अपने मोबाइल में कैद किया। फारबिसगंज के कुड़वा नया टोला के समीप एक खेत में गरुड़ और विषैले कोबरा के बीच जबरदस्त लड़ाई का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। गरुड़ और कोबरा की लड़ाई को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ भी जमा हो गई थी। दुर्लभ नजारे को कई ग्रामीणों के द्वारा भी अपने मोबाइल में वीडियो शूट किया गया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार गुरुवार दोपहर बाद खेत में गरुड़ और कोबरा का आमना-सामना हुआ। गरुड़ खेत में अपने शिकार की तलाश में था। इसी क्रम में उसे विषैले कोबरा सांप दिखाई दिया।

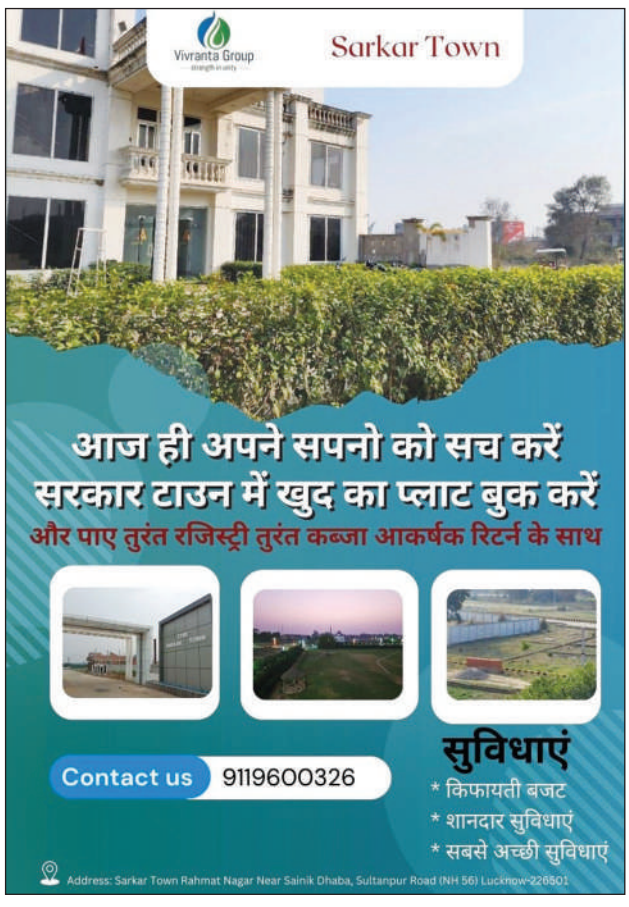

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063